फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 77 संख्याः 89 प्रभात जयपुर, गुरूवार 29 अक्टूबर, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

"Now, you are my prisoner"
From within the hut, Ritter heard the distinctive, heart-stopping, click-clack/clack-click of the rifle bolt, a round was now in the chamber...

From a Robbed Teen to a Global Dosa Empire

A Rare Spring Festival of the Aryan Valley

कांग्रेस को 28 एमएलसी सीटों में से एक भी सीट नहीं मिली

सबसे ज्यादा चौंकाने वाला नतीजा कर्नाटक से मिला, जहाँ कांग्रेस की सरकार है। यहाँ सभी चार सीटें भाजपा-जद (एस) गठबंधन को मिलीं

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 अक्टूबर। कांग्रेस को करारा झटका लगा है। चार बड़े राज्यों में मैम्बर ऑफ लैजिस्लेटिव काउन्सिल (एमएलसी) की 28 सीटों पर हुए उपचुनावों में पार्टी एक भी सीट नहीं जीत सकी। इन 28 सीटों में कांग्रेस ने 12 पर चुनाव लड़ा था, जिनमें से चार सीटें पहले उसके पास थीं।

सबसे चौंकाने वाला नतीजा कांग्रेस शासित कर्नाटक में आया, जहां पार्टी चारों सीटें भाजपा-जद (एस) गठबंधन से हार गई। इस नतीजे से कांग्रेस सकते में है।

बिहार, महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश में भी पार्टी का प्रदर्शन ऐसा ही रहा। इन राज्यों में भी कांग्रेस अपना खाता नहीं खोल सकी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक पोस्ट के जरिए कांग्रेस पर तंज करते हुए कहा कि इन सीटों के चुनाव मतपत्रों से कराए गए थे, फिर ऐसा नतीजा क्यों आया?

- कांग्रेस ने 28 में से 12 सीटों पर चुनाव लड़ा था, इनमें से चार उसके पास पहले से थीं।
- पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने चिंता जताते हुए कहा, बाकी नेता व संगठन आखिर क्या कर रहे हैं, क्या राहुल गांधी अकेले पार्टी को जिता सकते हैं।
- कांग्रेस की इस हार पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोशल मीडिया पर कटाक्ष किया कि इन सीटों के चुनाव तो बैलट पेपर से कराए गए थे, फिर ऐसा नतीजा क्यों आया?

कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल लगातार मांग करते रहे हैं कि लोकसभा और विधानसभा चुनाव मतपत्रों के जरिए कराए जाएं और ईवीएम का इस्तेमाल बंद किया जाए।

कांग्रेस चीफ इलैक्शन कमिश्नर (सीईसी), निर्वाचन आयोग और कथित "वोट चोरी" के मुद्दे पर बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन कर रही है। राहुल गांधी इस अभियान में आगे रहकर सड़कों पर मोर्चा संभाल रहे हैं। पार्टी ने "वोट चोरी" के मुद्दे पर 1 नवंबर को रामलीला मैदान में महारैली आयोजित करने की भी घोषणा की है।

हालांकि, पार्टी के एक वरिष्ठ नेता के मुताबिक, ऐसे नतीजे न केवल नेतृत्व का मनोबल गिराते हैं, बल्कि यह सवाल भी खड़ा करते हैं कि पार्टी के बाकी नेता और संगठन आखिर कर क्या रहे हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या राहुल गांधी अकेले ही पार्टी में नई ऊर्जा भर सकते हैं और उसका मनोबल बढ़ा सकते हैं?

लगातार मिल रही हार के बीच भाजपा का कांग्रेस पर तंज करना स्वाभाविक है। लेकिन राहुल गांधी अकेले कांग्रेस के सामने खड़ी समस्याओं को खत्म नहीं कर सकते। पार्टी को अपनी व्यापक संगठनात्मक चुनौतियों से निपटने के लिए भी प्रयास करने होंगे।

स्पेन में दो ट्रेन टकराईं, 64 लोगों की मौत

मैड्रिड, 28 अक्टूबर। स्पेन के टोलेडो प्रांत में दो ट्रेनों की टक्कर में कम से कम 64 लोगों की मौत हो गई। क्षेत्रीय सरकार के कास्तिया-ला मांचा प्रशासन के एक प्रवक्ता ने यह जानकारी दी। उन्होंने आशंका जताई कि मृतकों की संख्या बढ़ सकती है।

स्पेनिश मीडिया के मुताबिक, हादसा स्थानीय समयानुसार सुबह 9 बजे मोरा और ओरगाज कस्बों के बीच हुआ। एक ट्रेन धीमी गति से चल रही थी, तभी पीछे से तेज रफ्तार में आ रही दूसरी ट्रेन उससे टकरा गई।

- प्रशासन ने आशंका जताई है कि मृतकों की संख्या बढ़ सकती है।

टक्कर इतनी तेज थी कि कई डिब्बे बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। हादसे के बाद राजधानी मैड्रिड को दक्षिणी अंदालूसिया क्षेत्र से जोड़ने वाली रेल लाइन बंद कर दी गई।

हादसे के बाद यूरोप के कई देशों के नेताओं ने शोक व्यक्त करते हुए पीड़ितों और उनके परिजनों के प्रति संवेदना जताई। पुर्तगाल के प्रधानमंत्री लुईस मोंटेनेग्रो, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों, यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन, इटली के विदेश मंत्री एंतोनियो तजानी ने दुर्घटना पर गहरी चिंता जताई। ब्रिटेन, जर्मनी, स्विट्जरलैंड, बेल्जियम सहित, कई अन्य देशों ने भी शोक संदेश भेजे।

हरदीप पुरी को भाजपा मध्य प्रदेश से राज्यसभा भेजेगी

मध्य प्रदेश से एक राज्यसभा सीट पर उपचुनाव होगा, जो कि एल. मुरुगन के इस्तीफे से खाली हुई है

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 अक्टूबर। अब यह और पक्का हो गया है कि हरदीप सिंह पुरी नरेन्द्र मोदी मंत्रिमंडल में रहेंगे और संभवतः पेट्रोलियम मंत्री के पद पर ही बने रहेंगे।

भाजपा ने आज घोषणा की कि पुरी को 12 नवंबर को मध्य प्रदेश में होने वाले राज्यसभा उपचुनाव के लिए उम्मीदवार बनाया जाएगा। कुछ सप्ताह पहले उन्हें उत्तर प्रदेश से पार्टी के उम्मीदवारों की सूची से हटा दिया गया था। इसके बाद उनके राजनीतिक भविष्य को लेकर अटकलें तेज हो गई थीं।

मध्य प्रदेश में राज्यसभा की सीट एल. मुरुगन के इस्तीफे के बाद खाली हुई थी। राज्य में भाजपा की सरकार है। ऐसे में पुरी के आसानी से चुनाव जीतने की उम्मीद जताई जा रही है। इससे 25 नवंबर को उत्तर प्रदेश से राज्यसभा सांसद के रुप में उनका मौजूदा कार्यकाल समाप्त होने से पहले ही, राज्यसभा में उनकी सदस्यता सुनिश्चित हो जायेगी।

- भाजपा को पंजाब के चुनाव में पुरी की जरुरत महसूस हो रही है, क्योंकि भाजपा के पास एकमात्र जाना-पहचाना सिख चेहरा हरदीप पुरी ही हैं।
- भारतीय विदेश सेवा में वरिष्ठ अधिकारी रहे, हरदीप पुरी अपनी प्रशासनिक क्षमता के लिए जाने जाते हैं, पूर्व राजनयिक के रूप में भी पंजाब से उनका गहरा नाता रहा है।
- भाजपा को उम्मीद है कि हरदीप पुरी पंजाब में उसका जनाधार बढ़ाने में मददगार साबित होंगे।

पुरी को उम्मीदवार बनाकर भाजपा ने कुछ राजनीतिक जोखिम भी उठाया है। विपक्षी दलों ने अमेरिका के न्याय विभाग की ओर से जारी जेफ्री एप्स्टीन से जुड़ी फाइलों में पुरी का नाम होने का मुद्दा बार-बार उठाया है। दस्तावेजों में 2014 से 2017 के बीच ईमेल के कई आदान-प्रदान और न्यूयॉर्क स्थित एप्स्टीन के आवास पर हुई कई मुलाकातों का उल्लेख है। इनमें डिजिटल इंडिया से जुड़े निवेश के अवसरों पर चर्चा और एप्स्टीन के एक सहयोगी को वीज़ा दिलाने में मदद करने का मामला भी शामिल है। पुरी ने एप्स्टीन से तीन या चार मुलाकातें होने की बात स्वीकार की है, लेकिन एप्स्टीन के अपराधों की जानकारी होने या उनमें लिप्त होने से इनकार किया है। उन्होंने इन मुलाकातों को प्रोफेशनल तथा कामकाज से जुड़ा बताया है।

इसके अलावा, उनकी बेटी हिमायनी पुरी पर एप्स्टीन और उससे

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

केन्द्र दिल्ली में एक के बाद एक खेल सुविधाओं की ज़मीन अधिग्रहित कर रहा है

नवीनतम खबरों के अनुसार, प्र.मंत्री आवास के समीप स्थित एयरफोर्स स्पोर्ट्स कॉम्प्लैक्स को अगले नोटिस तक बंद कर दिया गया है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 अक्टूबर। खबरों के अनुसार, लोक कल्याण मार्ग पर प्रधानमंत्री के सरकारी आवास के पास स्थित एयर फोर्स स्पोर्ट्स कॉम्प्लैक्स को अगले आदेश तक बंद कर दिया गया है। ज्ञातव्य है कि केन्द्र सरकार ने कुछ सप्ताह पहले गोल्फ कोर्स के लिए इस्तेमाल की जा रही जमीन वापस माँगी थी। इसके कारण भारतीय वायुसेना के निवर्तमान प्रमुख एयर चीफ मार्शल ए. पी. सिंह के विदाई समारोह के तहत होने वाले गोल्फ कार्यक्रम को भी रद्द करना पड़ा है।

रेस कोर्स वायुसेना स्टेशन के परिसर में स्थित इस स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का इस्तेमाल वायुसेना में सेवारत और सेवानिवृत्त कर्मचारी करते हैं। यहां गोल्फ कोर्स के अलावा, स्विमिंग पूल और भोजन की सुविधाएं भी हैं। मंगलवार को इसके सदस्यों को सूचित किया गया कि 28 अक्टूबर को सुबह पांच बजे से परिसर में प्रवेश बंद कर

- केन्द्र सरकार ने इससे पहले गॉल्फ कोर्स के रूप में इस्तेमाल हो रही जमीन वापस मांगी थी और इस वजह से एयरफोर्स चीफ मार्शल एपी सिंह के विदाई समारोह के रूप में हो रहा गॉल्फ मैच रद्द करना पड़ा था।
- एयर फोर्स स्पोर्ट्स कॉम्प्लैक्स में गॉल्फ कोर्स के अलावा स्विमिंग पूल व डाइनिंग सुविधा भी है।
- अगस्त में सरकार ने दिल्ली रेस क्लब की 53 एकड़ ज़मीन अधिग्रहित कर ली थी।
- जयपुर पोलो ग्राउण्ड से इंडियन पोलो एसोसिएशन को भी निकाल दिया गया था और दिल्ली जिम खाना क्लब से भी विवाद चल रहा है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

आसाराम के खिलाफ फरारी का केस दर्ज

जोधपुर, 28 अक्टूबर (कासं)। मंगलवार को पैरोल अवधि बढ़ाने के लिये दायर सुप्रीम कोर्ट में अपील के निरस्त होने के बाद देर रात जोधपुर पहुंचे आसाराम बापू एक बार फिर नए संकट में फंस गए हैं। समय पर जेल नहीं पहुंचने पर जेल प्रहरी बनवारीलाल की तरफ से 58 ख कारागार अधिनियम के तहत रातानाडा पुलिस थाने में उनके खिलाफ फरारी का केस दर्ज करा दिया गया।

- नियत समय पर जेल नहीं पहुँचने पर कारगार अधिनियम के तहत कार्यवाही हुई।

नियम के तहत मंगलवार शाम तक आसाराम को जोधपुर की सेंट्रल जेल पहुंचना जरूरी था, मगर वह देर रात यहां पहुंचा तो उसे जेल नियमों के तहत प्रवेश नहीं दिया गया। रातानाडा थाने के एएसआई भवानी सिंह को तफ्तीश सौंपी गई है।

कारागार अधिनियम 58 ख के तहत बिना वारंट के आरोपी को गिरफ्तार किया जा सकता है। इसमें 3 वर्ष तक की सजा व 3000 रुपए के आर्थिक दण्ड का प्रावधान है। ऐसे

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'सुप्रीम कोर्ट मकान खरीदने वालों की शिकायत दर्ज कराने का माध्यम नहीं है'

मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी. मोहना ने कहा कि ऐसे मामलों की वजह से डैवलपर्स एवं वित्तीय संस्थानों की गड़बड़ियों से जुड़े कानूनी मुद्दों के मामले लटक जाते हैं

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 अक्टूबर। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को रुकी हुई आवासीय परियोजनाओं के घर खरीदने वालों द्वारा दायर की जा रही याचिकाओं की बढ़ती संख्या को लेकर चिंता जताई।

भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट हर उस हाउसिंग परियोजना के लिए मंच नहीं बन सकता, जो किसी समस्या में फंसी हो। ऐसे हर मामले को शीर्ष अदालत में लाने से उन मामलों की सुनवाई में देरी हो सकती है, जो पहले से लंबित हैं और जिनमें बिल्डरों तथा वित्तीय संस्थानों की अनियमितताओं से जुड़े कानूनी मुद्दों पर विचार किया जा रहा है।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने याचिकाकर्ताओं के वकील से कहा, "हमने कभी नहीं सोचा था कि लोग हर दिन अंतरिम आवेदन, विविध आवेदन और अदालत की अवमानना से जुड़ी याचिकाएं दाखिल करते रहेंगे और हम मुख्य मामले का फैसला किए बिना ही उलझ कर रह जाएंगे। बेहतर होगा कि आप इंतजार करें।"

- सीजेआई ने याचिकाकर्ताओं के वकील से कहा, हमने भी नहीं सोचा था कि लोग हर दिन आवेदन, अंतरिम आवेदन व अदालत की अवमानना याचिकाएं ही दाखिल करते रहेंगे, हम मुख्य मामले का फैसला करने के बजाय उलझ कर रह जाते हैं, बेहतर हैं, घर खरीदने वाले इतंज़ार करें।

अदालत ने कहा कि उसके सामने लंबित मामले में अंतिम फैसला सुनाने की तैयारी पूरी हो चुकी है। इसी तरह की शिकायतों वाले घर-खरीदारों को कानूनी पहलुओं पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले का इंतजार करना चाहिए।

पीठ ने आगे कहा कि शीर्ष अदालत का फैसला आने के बाद उच्च न्यायालय व्यक्तिगत शिकायतों पर फैसला करते समय उससे मार्गदर्शन ले सकते हैं।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा, "एक बार जब यह अदालत अपना रुख अपना लेती है तो उच्च न्यायालय उससे अलग फैसला नहीं दे सकते।"

यह पीठ रुकी हुई आवासीय परियोजनाओं से जुड़ी ट्रांसफर याचिकाओं (मामलों को स्थानांतरित करने की अर्जियाँ) पर सुनवाई कर रही थी। वकीलों ने दलील दी कि इन परियोजनाओं को बीच में ही छोड़ दिया गया है और कुछ उच्च न्यायालय इनसे जुड़े विवादों पर पहले ही फैसले सुना चुके हैं। इसी वजह से संबंधित पक्षों ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है।

तथापि, अदालत ने संकेत दिया कि वह इस चरण में ट्रांसफर याचिकाओं पर विचार नहीं करेगी, क्योंकि मुख्य मामले में आने वाला फैसला उन सिद्धांतों को स्पष्ट करेगा, जिनके आधार पर दूसरे न्यायालय इसी तरह के विवादों का निपटारा कर सकेंगे।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा, "हम इन याचिकाओं पर सुनवाई करने के इच्छुक नहीं हैं, क्योंकि मुख्य मामला अंतिम फैसले के लिए तैयार है। इस अदालत की ओर से जो भी सिद्धांत तय किए जाएंगे, उनके अनुसार उच्च न्यायालय लंबित मामलों पर फैसला करेंगे।"

सुनवाई के दौरान वकीलों ने बताया कि संबंधित परियोजनाएं पहले से ही अदालत द्वारा नियुक्त एमिकस क्यूरी, यानी न्याय मित्र के पास हैं, जो रुकी हुई आवासीय परियोजनाओं से जुड़ी शिकायतों की जांच कर रहे हैं। वकीलों ने केन्द्रीय जाँच ब्यूरो (सीबीआई) की ओर से की जा रही कार्रवाई का भी उल्लेख किया।

तथापि, न्यायमूर्ति बागची ने कहा कि मौजूदा कार्यवाही का दायरा इतना नहीं बढ़ाया जा सकता कि इसमें देश की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

यूएई ने कैप्टन स्मित मच्छार को सम्मानित किया

अबू धाबी, 28 अक्टूबर। संयुक्त अरब अमीरात ने फ्लाईदुबई के कैप्टन स्मित मच्छार और फ्लाइट एफजैड1073 के क्रू को उनके साहस, और यात्रियों की जान बचाने के लिए सम्मानित किया है। यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान ने उन्हें 'फर्स्ट-क्लास ऑर्डर ऑफ जायद' से नवाजा।

- यूएई के राष्ट्रपति ने कैप्टन स्मित के साथ फ्लाइट एफज़ेड1073 के सभी क्रू मैंबर्स को भी सम्मानित किया।

मंगलवार को राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद ने क्रू सदस्यों से मुलाकात की। इस दौरान दुबई के शासक शेख मोहम्मद बिन राशिद अल मकतूम भी मौजूद रहे। दुबई के क्राउन

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

शिल्पकार प्रशिक्षण योजना में राजस्थान पूरे उत्तर भारत में अव्वल, उत्तरप्रदेश सबसे पीछे

राजस्थान में वर्ष 2026-27 में करीब 1.10 लाख युवाओं ने इस योजना के लिए आई.टी.आई. केन्द्रों में प्रवेश लिया

-यादवेन्द्र शर्मा-

जयपुर, 28 अक्टूबर। केन्द्र सरकार की "शिल्पकार प्रशिक्षण योजना" के प्रति राजस्थान में युवाओं का जमकर उत्साह बढ़ा है। सरकारी, निजी व महिला आई.टी.आई. संस्थानों में इस योजना का प्रशिक्षण पाने के लिए बीते 3 साल से प्रवेशार्थियों की संख्या लगातार बढ़ रही है। उत्तर भारत क्षेत्र में राजस्थान सबसे अव्वल है, इसके बाद हरियाणा, मध्यप्रदेश व उत्तरप्रदेश हैं।

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में मंगलवार को आयोजित बैठक में कौशल नियोजन एवं उद्यमिता विभाग ने इस योजना से जुड़े तथ्य रखे। इनमें सामने आया कि प्रदेश के 1384 औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) में वर्ष 2026-27 में कुल 1.10 लाख युवाओं ने शिल्पकार प्रशिक्षण योजना के लिए प्रवेश लिया, जबकि वर्ष 2025-26 में इनकी संख्या 93436 तथा वर्ष 2024-25 में प्रवेश लेने वालों की संख्या 1.03 लाख थी। बीते 2 वर्षों की तुलना में इस बार इस योजना से जुड़ने वाले युवाओं की संख्या में इज़ाफा हुआ है, जबकि अगर उच्च शिक्षा की बात की जाए तो पिछले करीब 7 वर्षों से प्रदेश में स्नातक और स्नातकोत्तर शिक्षा में गिरावट आई है, इस वर्ष इसमें 4.23 प्रतिशत की गिरावट आई है। इसके बावजूद राजस्थान में केन्द्र सरकार की "शिल्पकार प्रशिक्षण योजना" से जुड़कर रोजगारपरक शिक्षा हासिल करने के लिए युवाओं की रूचि बढ़ी है। ज्ञात रहे कि मोदी सरकार ने देशभर में युवाओं को कौशल प्रशिक्षण देकर उन्हें रोजगार से जोड़ने के लिए करीब 60 हजार करोड़ रुपए का बजट घोषित किया था।

- हैरानी की बात है कि उत्तर प्रदेश सरकार औद्योगिक प्रशिक्षण देने में सबसे ज्यादा पीछे है। जबकि वहाँ युवाओं की संख्या भी अधिक है और बिजली-पानी जैसी मूलभूत सुविधाएं भी मुहैया हैं, जिससे औद्योगिक विस्तार की अच्छी संभावना है।

शिल्पकार प्रशिक्षण योजना–राजस्थान बनाम अन्य राज्य

राज्य का नाम	प्रवेश प्रतिशत (सत्र–2026–27)		
	राजकीय ITI	निजी ITI	योग
राजस्थान	70%	78%	75%
उत्तर प्रदेश	50%	37%	44%
हरियाणा	75%	69%	73%
मध्यप्रदेश	93%	52%	72%

बैठक में प्रस्तुत आंकड़ों से सामने आया कि वर्ष 2026-27 में राजस्थान के सरकारी आईटीआई में युवाओं का प्रवेश आंकड़ा 70 प्रतिशत व निजी आईटीआई में 78 प्रतिशत रहा, यानी कुल औसतन 75 प्रतिशत है, जो कि अन्य राज्यों में सबसे ज्यादा है।

हैरानी की बात है कि उत्तरप्रदेश, जहां आगामी वर्ष में विधानसभा चुनाव होने हैं, वहां पर नौजवानों को औद्योगिक प्रशिक्षण देकर रोजगार उपलब्ध कराने में सरकार सबसे ज्यादा पीछे है। यहां पर वर्ष 2026-27 में आई.टी.आई. केन्द्रों में शिल्पकार प्रशिक्षण योजना में सिर्फ 44 फीसदी युवाओं ने रूचि दिखाई, हालांकि यहां पर सरकारी आईटीआई का आंकड़ा 50 प्रतिशत रहा, परंतु निजी आईटीआई में सिर्फ 37 प्रतिशत ही प्रवेश हुए। यह आंकड़ा चौंकाने वाला इसलिए भी है, क्योंकि उत्तरप्रदेश में युवाओं की संख्या भी अधिक हैं और वहां बिजली-पानी जैसी मूलभूत सुविधाएं भी मुहैया हैं, जिससे औद्योगिक विस्तार की काफी संभावना है। वहीं, हरियाणा में इस योजना से जुड़ने वाले युवाओं का आंकड़ा 73 प्रतिशत और मध्यप्रदेश में 72 प्रतिशत रहा।

केन्द्र सरकार ने डीए बढ़ाया

नई दिल्ली, 28 अक्टूबर। केन्द्र के कर्मचारियों एवं पेंशनभोगियों को दिवाली को तोहफा मिला है। सरकार ने उनके महंगाई भत्ते (डीए) और महंगाई राहत (डीआर) में 3 प्रतिशत का इजाफा किया है। वृद्धि इस साल की 01 जुलाई से प्रभावी मानी जाएगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने आज इस आशय के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की।

- केन्द्रीय कर्मचारियों व पेंशनभोगियों के डीए व डीआर में 3 प्रतिशत वृद्धि की।

केन्द्रीय मंत्री अश्वनी वैष्णव ने राष्ट्रीय मीडिया केन्द्र में पत्रकार वार्ता कर इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इससे 48.54 लाख कर्मचारियों और 68.71 लाख पेंशनभोगियों को लाभ मिलेगा। इससे सरकारी खजाने पर प्रतिवर्ष 10,016.10 करोड़ रुपये का अतिरिक्त भार पड़ेगा।

विचार बिन्दु

मन की प्रसन्नता से समस्त मानसिक और शारीरिक रोग दूर हो जाते हैं। –रामदास

लोकतंत्र से भीड़-तंत्र तक

लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत यह है कि सत्ता में बैठा व्यक्ति स्वयं को देश का मालिक नहीं, बल्कि जनता का सेवक समझे। लोकतंत्र केवल चुनाव कराने और बहुमत प्राप्त करने का नाम नहीं है; इसकी वास्तविक आत्मा अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, असहमति का सम्मान, संस्थाओं की निष्पक्षता और सत्ता की जवाबदेही में निहित है। जब शासक स्वयं को राष्ट्र से बड़ा समझने लगे और आलोचना को अपनी प्रतिष्ठा पर हमला मानने लगे, तब लोकतंत्र के पतन की प्रक्रिया शुरू हो जाती है। इसका अंतिम परिणाम तानाशाही के विरुद्ध जनाक्रोश और कभी-कभी भीड़-तंत्र के रूप में सामने आता है।

लोकतंत्र का अर्थ केवल पाँच वर्ष में एक बार मतदान करना नहीं है। इसमें सरकार को संविधान, कानून और नागरिकों के मौलिक अधिकारों के प्रति जवाबदेह रहना होता है। स्वतंत्र न्यायपालिका, निष्पक्ष चुनाव, उत्तरदायी संसद, स्वतंत्र मीडिया और जागरूक नागरिक इसके प्रमुख स्तंभ हैं। बहुमत को शासन करने का अधिकार अवश्य मिलता है, लेकिन अल्पमत के विचारों और अधिकारों की रक्षा करना भी उतना ही आवश्यक है। चुनाव में बहुमत प्राप्त करना किसी सरकार को मनमाने ढंग से शासन करने का अधिकार नहीं देता।

व्यक्तिपूजा से शुरू होता है पतन

तानाशाही की शुरुआत प्रायः सत्ता के अहंकार से होती है। शासक देश की प्रत्येक उपलब्धि का श्रेय स्वयं लेने लगता है। सरकारी योजनाओं, विकास कार्यों और सार्वजनिक आयोजनों में संस्थाओं की भूमिका पीछे छूट जाती है और व्यक्ति का महिमामंडन प्रमुख हो जाता है। धीरे-धीरे यह धारणा स्थापित करने का प्रयास होता है कि राष्ट्र का भविष्य किसी एक नेता की सत्ता से जुड़ा है।

लोकतंत्र में संवाद और जवाबदेही अनिवार्य हैं। संसद में बहस, पत्रकारों के प्रश्न, विपक्ष की आलोचना और नागरिकों की असहमति शासन को सही दिशा देने के साधन हैं। लेकिन जब शासक कठिन सवालों से बचने लगे, स्वतंत्र पत्रकारिता से दूरी बनाए और केवल एकतरफा संवाद को पर्याप्त समझे, तब लोकतांत्रिक जवाबदेही कमजोर पड़ने लगती है। जनता की बात सुनने के बजाय उसे अपनी उपलब्धियाँ सुनाना शासन की प्राथमिकता बन जाता है।

इससे भी गंभीर स्थिति तब पैदा होती है, जब सरकार की आलोचना को राष्ट्रविरोध से जोड़ दिया जाता है। किसी नीति पर सवाल उठाने वाले पत्रकार, विद्यार्थी, सामाजिक कार्यकर्ता या विपक्षी नेता को देशद्रोही अथवा राष्ट्र का शत्रु बताना स्वस्थ लोकतंत्र के लिए खतरनाक है। सरकार और राष्ट्र एक नहीं हैं। सरकार की आलोचना करना राष्ट्र का विरोध करना नहीं, बल्कि लोकतंत्र में नागरिक के अधिकार का प्रयोग है।

संस्थाओं का क्षरण और बढ़ता जनाक्रोश

लोकतंत्र की मजबूती केवल संविधान में लिखे प्रावधानों पर निर्भर नहीं करती; इसके लिए संस्थाओं की स्वतंत्रता और परंपराओं का सम्मान भी आवश्यक है। यदि संसद में पर्याप्त चर्चा के बिना कानून पारित हों, विपक्ष को अपनी बात रखने का अवसर न मिले और संवैधानिक संस्थाओं की निष्पक्षता पर लगातार प्रश्न उठें, तो जनता का विश्वास कमजोर होने लगता है।

इसी प्रकार, जाँच एजेंसियों के राजनीतिक इस्तेमाल के आरोप, आलोचकों के चरित्र-हनन और सोशल मीडिया पर संगठित ट्रोलिंग से असहमति का वातावरण भयपूर्ण हो सकता है। स्वतंत्र मीडिया का दायित्व सत्ता से सवाल पूछना है, न कि केवल सरकारी पक्ष का प्रचार करना। जब मीडिया, संसद और अन्य संस्थाएँ जनभावनाओं को प्रभावी ढंग से अभिव्यक्त करने में असफल दिखाई देती हैं, तब नागरिकों में व्यवस्था के प्रति निराशा बढ़ती है।

महँगाई, बेरोजगारी, आर्थिक असमानता और अवसरों की कमी इस निराशा को और गहरा करती हैं। जब लोगों को लगता है कि उनकी शिकायतें सुनने वाला कोई नहीं है, तो असंतोष धीरे-धीरे आक्रोश में बदल सकता है। यही वह मोड़ है, जहाँ लोकतंत्र की कमजोरियाँ सामाजिक अस्थिरता का कारण बनने लगती हैं।

लोकतंत्र में प्रधानमंत्री का पद केवल शासन करने का अधिकार नहीं, बल्कि जनता के प्रति जवाबदेही का दायित्व भी है। लेकिन एक गंभीर सवाल यह है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2014 में पदभार ठाहण करने के बाद अब तक पत्रकारों के प्रश्नों का खुलकर सामना करने वाली पारंपरिक, स्वतंत्र प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित नहीं की है। साक्षात्कार और एकतरफा संबोधन अपनी जगह हैं, लेकिन वे पत्रकारों के सीधे, अप्रत्याशित और असुविधाजनक प्रश्नों का विकल्प नहीं हो सकते। 'मन की बात' जैसे कार्यक्रमों में प्रधानमंत्री अपने विचार जनता तक पहुँचाते रहे हैं, लेकिन लोकतांत्रिक संवाद का दूसरा पक्ष भी उतना ही आवश्यक है-जनता की बात सुनना, उसकी तकलीफों को समझना और कठिन सवालों के जवाब देना। महँगाई, बेरोजगारी, किसानों की समस्याओं और आम नागरिकों की परेशानियों पर जनता के सवालों का सामना करना सत्ता की जवाबदेही का हिस्सा है। जब संवाद एकतरफा हो जाए और सवाल पूछने के मंच सीमित पड़ने लगें, तो शासन और जनता के बीच दूरी बढ़ने का खतरा पैदा होता है। लोकतंत्र में नेता का मूल्यांकन केवल इस आधार पर नहीं होना चाहिए कि उसने जनता को क्या बताया, बल्कि इस आधार पर भी होना चाहिए कि उसने जनता की कितनी सुनी।

> **तानाशाही और भीड़-तंत्र दोनों लोकतंत्र के लिए घातक हैं, लेकिन इनके स्वरूप अलग हैं। तानाशाही में सत्ता एक व्यक्ति या छोटे समूह के हाथों में केंद्रित हो जाती है, जबकि भीड़-तंत्र में विवेकपूर्ण निर्णय की जगह अनियंत्रित जनभावनाएँ ले लेती हैं। तानाशाही असहमति को दबाती है; भीड़-तंत्र असहमति रखने वाले को बोलने का अवसर ही नहीं देता। तानाशाह कानून को अपने अधीन करना चाहता है, जबकि उग्र भीड़ कानून को अपने हाथ में लेने लगती है।**

तानाशाही से भी खतरनाक भीड़-तंत्र

जब शासक विपक्ष से बात करने की जरूरत ही नहीं समझता, तब संसद केवल रबर स्टैंप बन जाती है। कानून बिना बहस के पास होते हैं। असहमति को झूठा साबित करने के लिए पूरी मशीनरी लगा दी जाती है – जाँच एजेंसियों का दुरुपयोग, मीडिया में चरित्र हनन, सोशल मीडिया पर ट्रोल आर्मी द्वारा हमला।इस स्थिति में जनता के पास दो ही रास्ते होते हैं। या तो वह डर कर चुप हो जाए, या वह उकता जाए। और भारत जैसे जीवंत समाज में जनता ज्यादा दिन चुप नहीं रहती। महंगाई, बेरोजगारी, संस्थाओं पर कब्जे का अहसास जब आम घर तक पहुँचता है, तो लोगों का धैर्य टूटता है। यहीं से भीड़-तंत्र का उदय होता है। यह कोई सुनियोजित क्रांति नहीं है। यह निराशा से जन्मा विस्फोट है।

जब नागरिक को लगता है कि अदालत, चुनाव आयोग, मीडिया, संसद – कोई भी उसकी बात नहीं सुन रहा, तो वह सड़क को ही अदालत बना लेता है। भीड़ में न कोई नेता होता है, न कोई एजेंडा, सिर्फ गुस्सा होता है। भीड़ में भावनाएँ तर्क पर हावी हो सकती हैं। अफवाह, उकसावे और प्रतिशोध की भावना निर्दोष लोगों को भी निशाना बना सकती है।

तानाशाही और भीड़-तंत्र दोनों लोकतंत्र के लिए घातक हैं, लेकिन इनके स्वरूप अलग हैं। तानाशाही में सत्ता एक व्यक्ति या छोटे समूह के हाथों में केंद्रित हो जाती है, जबकि भीड़-तंत्र में विवेकपूर्ण निर्णय की जगह अनियंत्रित जनभावनाएँ ले लेती हैं। तानाशाही असहमति को दबाती है; भीड़-तंत्र असहमति रखने वाले को बोलने का अवसर ही नहीं देता। तानाशाह कानून को अपने अधीन करना चाहता है, जबकि उठा भीड़ कानून को अपने हाथ में लेने लगती है।

यह देखा गया है कि दमन, असमानता और जन-असंतोष व्यापक राजनीतिक परिवर्तन को जन्म दे सकते हैं। लेकिन यह भी उतना ही महत्त्वपूर्ण है कि जनविद्रोह अपने आप स्थायी लोकतांत्रिक व्यवस्था की गारंटी नहीं देता। पुरानी सत्ता के पतन के बाद यदि मजबूत संस्थाएँ, संवैधानिक मर्यादाएँ और जवाबदेह नेतृत्व विकसित न हों, तो अराजकता अथवा नए प्रकार का अधिनायकवाद जन्म ले सकता है।

इसलिए जनता का शांतिपूर्ण विरोध लोकतंत्र का अधिकार है, लेकिन हिंसा, आगजनी और कानून हाथ में लेना समाधान नहीं है। लोकतंत्र में जनशक्ति का उद्देश्य व्यवस्था को सुधारना होना चाहिए, उसे नष्ट करना नहीं।

भारत के लिए चेतावनी और समाधान

आज आवश्यकता है कि सत्ता अपनी जवाबदेही स्वीकार करे, संसद में सार्थक बहस को प्रोत्साहित करे, नियमित प्रेस वार्ताओं के माध्यम से कठिन प्रश्नों का उत्तर दे और विपक्ष को लोकतांत्रिक व्यवस्था का अनिवार्य अंग माने। जाँच एजेंसियों और संवैधानिक संस्थाओं की स्वतंत्रता सुनिश्चित की जाए तथा न्यायिक प्रक्रिया और कानून के शासन का सम्मान हो।

अंततः यह समझना आवश्यक है कि जनता जनार्दन है, प्रजा नहीं। सत्ता जनता की अमानत है, किसी व्यक्ति की निजी संपत्ति नहीं। लेकिन भीड़ किसी लोकतांत्रिक संस्था का विकल्प भी नहीं हो सकती। भीड़ सत्ता बदल सकती है, पर सुशासन के लिए विवेकशील नागरिक, स्वतंत्र संस्थाएँ और उत्तरदायी नेतृत्व चाहिए।

लोकतंत्र को बचाने का रास्ता न तानाशाही है, न भीड़-तंत्र। इसका रास्ता संवाद, सहिष्णुता, जवाबदेही और संवैधानिक मर्यादाओं से होकर गुजरता है। शासक सुनना सीखें और जनता के सवालों का जवाब दे अन्यथा सत्ता का अहंकार जनाक्रोश को जन्म देगा और अनियंत्रित जनाक्रोश लोकतंत्र की उपलब्धियों को ही नष्ट कर सकता है।

–अतिथि सम्पादक,
प्रोफेसर (डा.) पी. सी. कंठालिया
पूर्व विभागाध्यक्ष (मृदा विज्ञान) एवं मुख्य वैज्ञानिक
महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर

दाम्पत्य जीवन की पवित्रता का पर्व करवाचौथ

डॉ. जे.के. गर्ग

सनातन धर्मी महिलाएं कार्तिक कृष्णा दाम्पत्य जीवन की पवित्रता का पर्व करवा चौथ का पर्व अपने जीवन साथी के दीर्घायु स्वस्थ और खुशहाल रहने के लिये व्रत रखकर शाम को चन्द्रमा के दर्शन कर उनको अर्क दे कर छलनी से अपने प्राण प्रिय पति को देख कर अपने पति के हाथों से जल पीकर अपना व्रत खोलती है। करवा चौथ हिन्दुओं का एक प्रमुख त्योहार है। यह भारत के जम्मू हिमाचल प्रदेश, पंजाब, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, मध्य प्रदेश और राजस्थान में मनाया जाने वाला पर्व है। यह कार्तिक मास की कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को मनाया जाता है। यह पर्व सुहागिन स्त्रियाँ मनाती हैं। यह व्रत सवेरे सूर्योदय से पहले लगभग 4 बजे से आरंभ होकर रात में चंद्रमा दर्शन के उपरांत संपूर्ण होता है। पति की दीर्घायु एवं अखण्ड सौभाग्य की प्राप्ति के लिए इस दिन भालचन्द्र गणेश जी की अर्चना की जाती है। संस्कृत में इसको करक चतुर्थी तेलुगु में अटल तद्दी कहा जाता है।

यह व्रत 12 वर्ष तक अथवा 16 वर्ष तक लगातार प्रति वर्ष किया जाता है। अवधि पूरी होने के पश्चात इस व्रत का उद्यापन (उपसंहार) किया जाता है। किन्तु जो सुहागिन स्त्रियां आजीवन रखना चाहें वे जीवन भर इस व्रत को कर सकती हैं। इस व्रत के समान सौभाग्यदायक व्रत अन्य कोई दूसरा नहीं है। भारत देश में वैसे तो चौथ माता जी के कई मंदिर स्थित है, लेकिन सबसे प्राचीन एवं सबसे अधिक ख्याति प्राप्त मंदिर राजस्थान राज्य के सवाई माधोपुर जिले के चौथ का बरवाड़ा गाँव में स्थित है। चौथ माता के नाम पर इस गाँव का नाम बरवाड़ा से चौथ का बरवाड़ा पड़ गया। चौथ माता मंदिर की स्थापना महाराजा भीम सिंह चौहान ने की थी।

करवा चौथ के व्रत संबंध में पौराणिक एवं लोक कथाएं :-कहा जाता है कि शंकरजी ने माता पार्वती को करवा चौथ के व्रत का महत्व बताया था। इसके अलावा द्रौपदी ने अर्जुन के लिए यह व्रत रखा था। तभी से पत्नियां अपने पति की सलामती के लिए यह उपवास रखती हैं। पौराणिक कथाओं के अनुसार करवा नाम की स्त्री अपने पति के साथ नदी के किनारे के गांव में रहती थी। एक दिन उसका पति नदी में स्नान कर रहा था तभी एक मगरमच्छ ने उसका पैर पकड़ लिया। वह मनुष्य अपनी पत्नी को पुकारने लगा। उसकी आवाज सुनकर पत्नी करवा वहां पहुंची और मगरमच्छ को कच्चे धागे से बांध दिया। इसके बाद महिला यमराज के पास पहुंची और विनती करते हुए कहा कि हे भगवान! मगरमच्छ को आप नरक में ले जाओ। यमराज बोले, उसकी आयु शेष है, उसे नहीं मार सकते। इस पर करवा बोली, अगर आप ऐसा नहीं करोगे तो मैं आप को श्राप दें दूंगी। यह सुनकर यमराज मगरमच्छ को यमपुरी भेज दिया। तभी से उस महिला को करवा माता कहने लगे और उनकी पूजा की जाने लगी।

पूजा करते समय और कथा सुनते समय दो करवे रखने होते हैं, एक करवे में महिलाएं अर्घ्य देती हैं यानी जिसे उनकी सास ने दिया होता है और दूसरा वो जिसमें पानी भरकर बायना देते समय उसकी सास को देती हैं। करवा में रक्षा सूत्र बांधकर, हल्दी और आटे के सम्मिश्रण से एक स्वस्तिक बनाया जाता है। एक करवे को शुद्ध जल से और दूसरे करवे को से दूध भरते हैं और उसमें तांबे या चांदी का सिक्का डाल देते हैं। जब बहू व्रत शुरू करती है, तो सास उसे करवा देती है, उसी तरह बहू भी सास को करवा देती है। साधारण तय मिट्टी के करवा का उपयोग किया है किन्तु कई जगह स्टील के लोटे का प्रयोग भी किया जाता है।

शरगी--सरगी आम तौर पर पंजाबी समुदाय के लोगों में ज्यादा प्रचलित होती है, लेकिन दूसरे समुदाय के लोग भी इसका प्रयोग करते हैं। सरगी का मतलब है कि सास की ओर से बहू को करवा चौथ पर दी जाने वाली एक तरह की भेंट। यह भोजन की एक ऐसी थाली होती हैं जिसमें कुछ खास चीजें होती हैं जिसे खाने से भूख और प्यास कम लगती है और दिनभर ऊर्जा बनी रहती। इन्हें खाने के बाद महिलाएं दिनभर निर्जला उपवास रखती है। सरगी की थाली में ऐसी चीजें होती है जिसे खाने से भूख और प्यास कम लगती है और दिनभर एनर्जी बनी रहती। इसमें सूखे मेवे और फल होते हैं। साथ ही मिठाई होती है। सरगी में खाने के सामान के अलावा कपड़े, सुहाग की चीज, फेनिया, नारियल आदि रखे होते हैं। यह व्रत 29 अक्टूबर, 2026 को है।

प्रकृति का नियम हैं कि समय परिवर्तनशील है समय के साथ आदमी की सोच भी बदलती है। आज हमारा संविधान सभी को समान अधिकार प्रदान प्रदान करता है चाहे वो पुरुष हो या स्त्री इसी प्रकार सभी के कर्तव्य भी समान होते हैं। नर और नारी जीवन रुपया रथ के दो पहिये हैं स्वस्थ सुखी दाम्पत्य जीवन के लिये दोनों को स्वस्थ और कुशल होना जरूरी है। क्या यह अधिक अच्छा नहीं होगा अगर पति भी इस पर्व पर अपनी पत्नी के सम्मान खुशाली और उसके स्वस्थ दीर्घ जीवन के लिए प्रार्थना करते हुए उसका हर काम में सहयोग करने की भावना को मूर्त रूप दें इसके लिये पुरुष अपनी पत्नी के स्वस्थ और दीर्घ जीवन के लिये करवा चौथ का व्रत रख कर उसको अपनी मर्जी से उसके द्वारा निर्धारित संकल्पों को पूरा करवाने में तन मन धन से उसकी सहायता और सहयोग करने का संकल्प लें ।

–डॉ. जे.के. गर्ग,
पूर्व संयुक्त निदेशक कॉलेज शिक्षा जयपुर

राजस्थान की देन है सुहागिनों का पावन त्योहार करवाचौथ

अनेंद्र सिंह आमेरा

भारतीय संस्कृति और लोक-परंपराओं का फलक अत्यंत व्यापक और आत्मीय रहा है। हमारे पर्व और त्योहार केवल धार्मिक कर्मकांडों तक सीमित न होकर जीवन-मूल्यों, प्रेम, समर्पण और सामाजिक ताने-बाने को सुदृढ़ करने के सशक्त माध्यम रहे हैं। ऐसा ही एक अनुपम और भावपूर्ण पर्व है-करक चतुर्थी यानी करवा चौथ। त्याग, आस्था, समर्पण और अखंड सौभाग्य की कामना का यह व्रत आज न केवल भारत के कोने-कोने में, बल्कि सात समंदर पार बसे भारतवंशियों के माध्यम से वैश्विक पहचान बना चुका है। लेकिन कम ही लोग जानते हैं कि दांपत्य जीवन की मिठास और अटूट विश्वास से रचे-बसे इस सबसे खूबसूरत लोक-उत्सव की ऐतिहासिक जड़ें राजा-रजवाड़ों, वीरों और त्याग की पावन धरा राजस्थान से जुड़ी हैं। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि राजस्थान की वीर जातियों ने हिंदू संस्कृति, सभ्यता और अस्मिता को संवारने तथा समृद्ध करने में महती भूमिका निभाई है। अपनी आन-बान-शान के लिए मर-मिटने वाले राजस्थानी शूरवीरों ने विदेशी आक्रांताओं के खिलाफ कई ऐतिहासिक जंगें लड़ीं, उन्हें रोका और लोहे के चने चबवाए। मध्यकाल के उस लंबे और कठिन संक्रांति काल में जहाँ हज़ारों वीर योद्धाओं ने मातृभूमि के लिए वीरगति पाई, वहीं वीरांगनाओं ने अपने सत और आत्मसम्मान की रक्षा के लिए हंसते-हंसते अग्नि स्नान यानी जौहर कर लिया।परंतु, इस वीरों की भूमि केवल खड्ग और ढाल की गर्जना तक सीमित नहीं रही। सुदूर फैले थार के रेगिस्तान की धवल चांदनी रातों में पनपते और पकते प्रेम तथा त्याग के कई अमर किस्से यहाँ के कण-कण और रेत के धोरों में बिखरे पड़े हैं। वीरता और अनुरागी प्रेम के इसी अद्भुत संतुलन से करवा चौथ जैसी सुंदर लोक-परंपरा का जन्म हुआ।

करवा चौथ की शुरुआत राजस्थान में किस सटीक तिथि या वर्ष में हुई, यह तय कर पाना कठिन है; किंतु यह निर्विवाद है कि यह बहुत प्राचीन शास्त्रोक्त पर्व नहीं, बल्कि मध्यकाल में उपजा एक सशक्त लोक-त्योहार है। मध्यकाल में जब युद्ध की स्थितियां लगातार बनी रहती थीं और पुरुष महीनों तक रणभूमि में अपनी जान हथेली पर रखकर लड़ते थे, तब घर में बैठी स्त्रियों के मन में अपने सुहाग की सुरक्षा और लंबी उम्र की चिंता स्वाभाविक थी। युद्ध के मैदान से पति के सकुशल और विजयी होकर लौट आने की तीव्र मंशा और प्रार्थना ने ही इस व्रत को जन्म दिया। स्त्रियों के इसी अटूट विश्वास और संकल्प ने धीरे-धीरे इस व्यक्तिगत प्रार्थना को एक सामूहिक लोक-व्रत के रूप में लोकप्रिय बना दिया।

चौथ का बरवाड़ाः आस्था का आदिकेंद्र और पहला चौथ माता मंदिर -इस महान लोक-परंपरा के उद्गम और केंद्रबिंदु की बात करें तो सवाई माधोपुर जिले का चौथ का बरवाड़ा इतिहास में स्वर्णाक्षरों में दर्ज है। यहाँ अरावली की पहाड़ियों पर स्थित ऐतिहासिक चौथ माता मंदिर संभवतः देश का सबसे पुराना और पहला चौथ माता का मंदिर है। इस दिव्य धाम की स्थापना राजा भीम सिंह चौहान ने करवाई थीचौथ का बरवाड़ा स्थित यह मंदिर सदियों से अखंड सौभाग्य की देवी माता चौथ के प्रति अटूट आस्था का प्रतीक रहा है। यहाँ से उठी यह पावन परंपरा शनैः-शनैः राजस्थान की सीमाओं को लांघकर मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, पंजाब, दिल्ली और हरियाणा तक फैल गई। आज भी इन संपूर्ण उत्तर भारत और पश्चिमी क्षेत्रों में करवा चौथ के व्रत का सर्वाधिक सांस्कृतिक प्रभाव देखा जाता है।

करवा चौथ की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसकी व्रत कथाएं और पूजन विधियां किसी क्लिष्ट शास्त्रीय संस्कृत ग्रंथों से न होकर, सीधे लोक-समाज और जन-मन से निकली हैं। यह पर्व आमजन की भावनाओं, गीतों और लोक-कथाओं के माध्यम से एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक हस्तांतरित हुआ है। आज के आधुनिक दौर में भी विवाहिताएं पूरे निष्ठा, नियम और सोलह श्रृंगार के साथ अपने पति की दीर्घायु, उत्तम स्वास्थ्य, बलवृद्धि और दांपत्य में प्रगाढ़ता की कामना के लिए यह निर्जला उपवास रखती हैं। बरवाड़ा की पावन धरा से शुरू हुआ यह पावन पर्व आज भी भारतीय सभ्यता, त्याग और प्रेम की उस अमर ज्योति को दुनिया भर में प्रज्वलित कर रहा है।

–अनेंद्र सिंह आमेरा

जैसलमेर में कार्तिक स्नान की अनूठी परंपरा, ब्रह्ममुहूर्त में गूंजते हैं लक्ष्मीनाथजी के भक्ति भजन

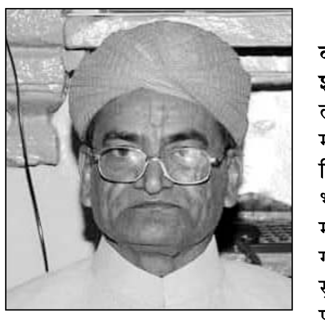

अचलदास डांगरा

स्वर्णनगरी जैसलमेर में कार्तिक मास का विशेष धार्मिक महत्व है। इस पवित्र महीने में शहर की अनेक महिलाएं ब्रह्ममुहूर्त में प्रातः चार बजे उठकर स्नान करती हैं और भगवान के दर्शन के लिए दिन की शुरुआत करती हैं। सदियों से चली आ रही इस परंपरा में श्रद्धा, भक्ति, लोक आस्था और जैसलमेर की सांस्कृतिक विरासत का अनूठा संगम देखने को मिलता है। कार्तिक मास की सुबह यहां केवल दिन की शुरुआत नहीं, बल्कि ईश्वर के प्रति समर्पण और आध्यात्मिक आनंद का अवसर होती है।

कार्तिक मास में अनेक महिलाएं प्रातः चार बजे उठकर स्नान की तैयारी करती हैं। वे स्नान के पानी से भरी बाल्टी में थोड़ा गंगाजल मिलाती हैं। स्नान करते समय शरीर पर जल डालने के साथ गंगा मैया का आव्हान करते हुए कहती हैं- आवो गंगा, जल में निवास करो। इस धार्मिक भावना के साथ किया जाने वाला स्नान उनके लिए आस्था और आत्मिक शुद्धि का प्रतीक है। स्नान पश्चात महिलाएं स्वच्छ वस्त्र धारण कर आराध्य देव भगवान श्री लक्ष्मीनाथजी के मंदिर की ओर प्रस्थान करती हैं।

'पुजारी आडो खोल, दर्शन करवा दे' से होती है भक्ति की शुरुआत -प्रातःकाल श्री लक्ष्मीनाथजी मंदिर पहुंचने वाली महिलाओं के लिए मंगला दर्शन का विशेष आकर्षण रहता है। मंदिर में भगवान के दर्शन की प्रतीक्षा के दौरान महिलाएं मधुर स्वर में मंगला भजन गाती हैं। भजन की मधुर ध्वनि और सुबह के शांत वातावरण में मंदिर का पूरा परिसर भक्तिमय हो उठता है। श्रद्धालुओं को प्रतीक्षा रहती है उस क्षण की, जब भगवान श्री लक्ष्मीनाथजी के पट खुलेंगे और उन्हें अपने आराध्य के मंगला दर्शन होंगे। मंदिर की परंपरा के अनुसार पुजारी स्नान कर स्वच्छ वस्त्र धारण करने के बाद निज मंदिर में पहुंचता है। करतल ध्वनि के साथ भगवान को जगाने की परंपरा निभाई जाती है। इसके बाद भगवान की चौखट पर धोक लगाकर ताला खोला जाता है और धीरे-धीरे दोनों दरवाजे खोले जाते हैं। भगवान के शयन के समय उपयोग में आने वाले ढोलिये और मिचली को समेटकर उनके निर्धारित स्थान पर रखा जाता है। इसके बाद भगवान को गंगाजल तथा केसर मिश्रित शुद्ध जल से मंगला स्नान करवाया जाता है। स्नान पश्चात भगवान को नए वस्त्र, जिन्हें स्थानीय परंपरा में बागा कहा जाता है, धारण करवाए जाते हैं। फिर स्वर्ण आभूषणों से उनका श्रृंगार किया जाता है और ललाट पर केसर का तिलक लगाया जाता है। इस पूरी प्रक्रिया में मंदिर की प्राचीन धार्मिक परंपराओं और पूजा-विधान की झलक दिखाई देती है। जब भगवान के दर्शन होते हैं तो श्रद्धालुओं की भक्ति और आनंद देखते ही बनता है। महिलाएं इस दौरान भी भजन गाकर वातावरण को भक्तिरस से भर देती हैं।

मंगला श्रृंगार के बाद भगवान श्री लक्ष्मीनाथजी को मावे के पेड़ों का भोग अर्पित किया जाता है। अनेक श्रद्धालु महिलाएं और पुरुष अपनी श्रद्धा के अनुसार मावे के पेड़े मंदिर में भेंट करते हैं। पुजारी भगवान के सम्मुख पाटा लगाकर चांदी की थाली में पेड़ों का भोग सजाता है और पर्दा लगाकर भोग की परंपरा पूरी करता है। इस दौरान श्रद्धालु म्हारो श्याम सुंदर घनश्याम जैसे मधुर भजन गाते हैं। मंदिर में भक्ति और श्रद्धा का वातावरण बना रहता है। इसी क्रम में श्रद्धालुओं को चरणामृत और तुलसी दल वितरित किया जाता है। एक महिला श्रद्धालु चरणामृत और तुलसी दल लेकर उपस्थित भक्तों को देती है। सभी भक्त श्रद्धापूर्वक 'जय श्रीकृष्ण' का उच्चारण करते हैं।

इसके बाद भगवान के भोग का प्रसाद वितरित किया जाता है। जिन भक्तों ने पेड़े भेंट किए होते हैं, उन्हें प्रसाद में से एक हिस्सा भगवान के भोग के लिए रखकर शेष प्रसाद वापस दिया जाता है। श्रद्धालु आपस में भी पेड़े बांटकर प्रसाद ग्रहण करते हैं। इस परंपरा में सामूहिक भक्ति, सेवा और आपसी सद्भाव की भावना भी झलकती है।

मंगला दर्शन के पश्चात मंदिर में भगवान के श्रृंगार के भजन शुरू हो जाते हैं। इस परंपरा को व्यापक स्तर पर भक्तों तक पहुंचाने का कार्य अचल दास डांगरा भी कर रहे हैं। भगवान श्री लक्ष्मीनाथजी की कृपा से वे मंदिर के श्रृंगार दर्शन के चित्र फेसबुक और व्हाट्सएप के माध्यम से श्रद्धालुओं तक पहुंचाते हैं। इससे जैसलमेर से दूर रहने वाले अनेक भक्त भी अपने आराध्य के दर्शन कर भक्ति भाव से जुड़ पाते हैं। आस्था के इस प्रसार से जैसलमेर की धार्मिक पहचान और लक्ष्मीनाथजी के प्रति श्रद्धालुओं की श्रद्धा को नई अभिव्यक्ति मिल रही है।

भगवान श्री लक्ष्मीनाथजी के मंगला दर्शन करने के बाद कई श्रद्धालु रत्नेश्वर महादेव मंदिर में दर्शन करते हैं। इसके पश्चात घर लौटते समय मार्ग में सूर्य भगवान, रामदेवजी, शेढल माता और रणछोड़ रायजी के दर्शन कर अपनी दिनचर्या आरंभ करते हैं।

श्रद्धालुओं की मान्यता है कि भगवान के दर्शन और भजन-कीर्तन से दिन की शुरुआत करने से मन को शांति, सकारात्मकता और आनंद की अनुभूति होती है। सुबह-सुबह मंदिरों में गूंजते भजन और श्रद्धालुओं की सामूहिक उपस्थिति जैसलमेर की धार्मिक जीवनशैली का सुंदर परिचय देती है।

सदियों से जीवंत है जैसलमेर की यह धार्मिक विरासत-कार्तिक स्नान और भगवान श्री लक्ष्मीनाथजी के मंगला दर्शन की यह परंपरा पीढ़ी-दर-पीढ़ी चली आ रही है। इन सभी परंपराओं में जैसलमेर की सांस्कृतिक और धार्मिक विरासत समाहित है। आज भी जब स्वर्णनगरी की सुबह होती है, तब अनेक श्रद्धालुओं के दिन का आरंभ भगवान के नाम, भजनों की मधुर ध्वनि और मंदिर के दर्शन से होता है। आधुनिक जीवन की भागदौड़ के बीच यह परंपरा लोगों को अपनी जड़ों, संस्कारों और आध्यात्मिक मूल्यों से जोड़े रखती है। जैसलमेर में कार्तिक मास की यह भक्ति परंपरा केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि आस्था, अनुशासन, सेवा, सामूहिक सद्भाव और सांस्कृतिक विरासत की ऐसी धरोहर है, जिसकी मधुरता हर सुबह स्वर्णनगरी के वातावरण में अनुभव की जा सकती है।

–अचलदास डांगरा,
वरिष्ठ पत्रकार, जेठा पाड़ा
जैसलमेर

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

गुरूवार 29 अक्टूबर, 2026

कार्तिक मास, कृष्ण पक्ष, चतुरथी तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत-2083, रोहिणी नक्षत्र दिन 11:12 तक, परिद्य योग रात्रि 12:06 तक, बव करण दिन 11:39 तक, चन्द्रमा आज रात्रि 11:09 से मिथुन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति– सूर्य-तुला, चन्द्रमा-वृष, मंगल-कर्क, बुध-तुला, गुरू-कर्क, शुक्र-तुला, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज करवा (करक) चौथ व्रत है। चन्द्रोदय जयपुर में रात्रि 8:24 पर होगा। आज दशरथ चतुरथी, रोहिणी व्रत है।

श्रेष्ठ चौघड़िया– शुभ सूर्योदय से 8:01 तक, चर 10:47 से 12:10 तक, लाभ-अमृत 12:10 से 2:57 तक, शुभ 4:20 से सूर्यास्त तक।

राहुकाल– 1:30 से 3:00 तक, सूर्योदय 6:38, सूर्यास्त 5:43

मेष
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक यात्रा संभव है। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

वृष
मानसिक तनाव दूर होगा। मनःस्थिति में सुधार होगा। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। आज आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। आज व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। आज धन हानि हो सकती है। आज समय अनर्गल कार्यों में खराब होगा। मन में असंतोष बना रहेगा।

कर्क
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

सिंह
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा है। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

कन्या
परिवार में शुभ-मांगलिक संदेश प्राप्त होंगे। आज धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। घर-परिवार में सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

तुला
व्यावसायिक परेशानियां अभी यथावत बनी रहेगी। व्यावसायिक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है।

वृश्चिक
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

धनु
स्वास्थ्य में सुधार होगा। विवादित मामलों का निपटारा हो सकता है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। आज व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मकर
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। व्यावसायिक सुविधाओं में वृद्धि होगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

कुंभ
घर-परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

मीन
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

'माँ' योजना में करीब 2000 मरीजों को मिला नया जीवन

34 माह में 1310 किडनी, 563 बोन मैरो और 112 लीवर ट्रांसप्लांट में मदद मिली, 671 मरीजों का कॉक्लियर इम्प्लांट हुआ

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर संचालित मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य (मां) योजना गंभीर बीमारियों से जूझ रहे जरूरतमंद मरीजों के लिए जीवन का सहारा बन रही है। महंगे अंग प्रत्यारोपण का खर्च उठाने में असमर्थ परिवारों को योजना के तहत निःशुल्क कैशलेस उपचार उपलब्ध कराया जा रहा है। वर्तमान राज्य सरकार के 34 माह के कार्यकाल में योजना के तहत करीब 2 हजार अंग प्रत्यारोपण किए गए हैं। इसके अलावा 671 लोगों का कॉक्लियर इम्प्लांट किया गया है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

योजना के तहत वर्तमान सरकार के कार्यकाल में अब तक 1310 मरीजों का कैशलेस किडनी प्रत्यारोपण किया गया, जबकि पूर्ववर्ती सरकार के पूरे कार्यकाल में यह संख्या 748 थी। किडनी प्रत्यारोपण पर वर्तमान सरकार ने 58 करोड़ रुपये व्यय किए हैं।

राज्य सरकार का कहना है कि बोन मैरो प्रत्यारोपण की सुविधा पूर्ववर्ती सरकार के समय 88 लाभार्थियों को मिली थी, जबकि वर्तमान सरकार के कार्यकाल में यह संख्या बढ़कर 563 हो गई। इस पर व्यय राशि 5.74 करोड़ रुपये से बढ़कर 35 करोड़ रुपये हो गई। इसी तरह वर्तमान सरकार के कार्यकाल में 112 मरीजों का लीवर प्रत्यारोपण किया गया, जबकि पिछली सरकार के समय यह संख्या 60 थी। इसके अलावा 9 मरीजों का हृदय प्रत्यारोपण हुआ। कॉक्लियर इम्प्लांट की सुविधा भी वर्तमान सरकार के 34 माह में 671 लोगों को मिली, जबकि पिछली सरकार के पांच वर्षों में 366 लाभार्थियों को यह सुविधा मिली थी।

दूसरे राज्यों में भी प्रत्यारोपण की सुविधा

'माँ' योजना में पहली बार अंतरराज्यीय पोर्टेबिलिटी की सुविधा शुरू की गई, जिससे राजस्थान के मरीज दूसरे राज्यों में भी अंग प्रत्यारोपण करा सके।

इसके तहत 106 मामलों में करीब 6 करोड़ रुपये की सहायता दी गई। इनमें 79 किडनी, 12 लीवर, 8 बोन मैरो, 4 फेफड़े और 3 हृदय प्रत्यारोपण के मामले शामिल है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर योजना का दायरा बढ़ाते हुए उपचार पैकेजों की संख्या 1800 से बढ़ाकर करीब 2200 की गई।

इससे सामान्य बीमारियों से लेकर रोबोटिक शल्य चिकित्सा तक और नवजात से बुजुर्गों तक को लाभ मिल रहा है। पिछले 34 माह में करीब 50 लाख लोगों को योजना के तहत निःशुल्क उपचार मिला है, जिस पर राज्य सरकार ने लगभग 10,678 करोड़ रुपये खर्च किए हैं।

प्रदेश में मातृ और नवजात स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करें : वी. श्रीनिवास

मुख्य सचिव ने ऑपरेशन थिएटरों के नियमित संचालन, आशा सहयोगिनियों से उप स्वास्थ्य केन्द्रों को जोड़ने व मातृ मृत्यु दर घटाने पर जोर दिया

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने बुधवार को चिकित्सा विभाग के अधिकारियों की बैठक ली।

जयपुर । प्रदेश में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के लिए मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने गर्भवती महिलाओं और नवजात शिशुओं को समय पर उपचार उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने मातृ मृत्यु दर में कमी लाने, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों के ऑपरेशन थिएटरों को क्रियाशील रखने तथा 108 एंबुलेंस और 104 जननी एक्सप्रेस सेवाओं को प्रभावी बनाने पर जोर दिया।

शासन सचिवालय में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत राजस्थान स्टेट हेल्थ सोसायटी की 20वीं गवर्निंग बॉडी की बैठक में श्रीनिवास ने मा वाउचर योजना, विशेषज्ञ ओपीडी, आईपीडी और शल्य चिकित्सा सेवाओं को मजबूत करने के निर्देश दिए। अधिक रोगी भार वाले अस्पतालों में ऑपरेशन थिएटरों को मॉड्यूलर थिएटर के रूप में उन्नत करने, उप स्वास्थ्य केंद्रों को आशा सहयोगिनियों से जोड़ने तथा टीबी मुक्त अभियान और यूनिसेफ के सहयोग से जनजागरूकता गतिविधियां बढ़ाने को भी कहा।

प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने प्रसवपूर्व जांच, उच्च जोखिम वाली गर्भावस्थाओं की पहचान और निगरानी सहित विभागीय प्रयासों की जानकारी दी।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के मिशन निदेशक डॉ. जोगाराम ने बताया कि एसआरएस 2022-24 के अनुसार राजस्थान में मातृ मृत्यु अनुपात प्रति एक लाख जीवित जन्म पर 87 है। वित्तीय वर्ष 2026-27 में सितंबर तक 12 सप्ताह से पहले गर्भावस्था पंजीकरण 89.4 प्रतिशत और चार प्रसवपूर्व जांचों का कवरेज 91.79 प्रतिशत रहा। प्रदेश में 12,478 आयुष्मान आरोग्य मंदिर क्रियाशील हैं तथा वर्ष 2025 में 6,547 ग्राम पंचायतें टीबी मुक्त घोषित की गईं। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के लिए वर्ष 2026-27 में लगभग 4,278 करोड़ रुपये के संसाधन प्रावधान की जानकारी भी दी गई। बैठक में कुंजी लाल मीणा, आलोक गुप्ता, दिनेश कुमार, राजेश कुमार यादव, हेमंत कुमार गेरा, वैभव गालरिया और सुबीर कुमार सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

राज्यपाल ने किया ''शक्ति वंदन मोबाइल एप'' का लोकार्पण

महिलाओं को उद्यमी और रोजगार सृजन बनाने के लिए पूर्व मेयर डॉ. सौम्या गुर्जर के प्रयासों की सराहना

जयपुर । राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने बुधवार को ''शक्ति संवाद, उद्यम उत्सव'' के तहत ''शक्ति वंदन मोबाइल एप'' का लोकार्पण किया। उन्होंने महिला उद्यिमता प्रदर्शनी का अवलोकन कर महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण और उद्यिमता को प्रोत्साहित करने के लिए सामूहिक प्रयासों का आव्हान किया।

राज्यपाल ने 'सेवायाम संस्था' के अंतर्गत महिला उद्यिमता को बढ़ावा देने और उनकी सुरक्षा से जुड़े इस एप को महत्वपूर्ण पहल बताया। उन्होंने जयपुर नगर निगम की पूर्व महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि महिलाओं को उचित अवसर, मार्गदर्शन और सहयोग मिले तो वे परिवार, समाज और राष्ट्र की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान दे सकती हैं।

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे और पूर्व महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर ने महिला उद्यमिता प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

बागडे ने कहा कि 'शक्ति वंदन' अभियान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'वोकल फॉर लोकल' विचार से प्रेरित है। महिलाओं को केवल योजनाओं की लाभार्थी के रूप में नहीं, बल्कि उद्यमी, रोजगार सृजित करने वाली नेतृत्वकर्ता और विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय भागीदार के रूप में पहचान मिलनी चाहिए।

उन्होंने केंद्र और राज्य सरकार की 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' और 'लाडली बहना' जैसी योजनाओं का उल्लेख करते हुए महिला उद्यिमता को प्रोत्साहित करने के लिए अधिक प्रयास करने पर जोर दिया। इससे पहले डॉ. सौम्या गुर्जर ने महिला उद्यिमता को बढ़ावा देने और महिलाओं की सुरक्षा के लिए किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी। राज्यपाल ने प्रदर्शनी में विभिन्न स्टॉलों पर प्रदर्शित उत्पादों का अवलोकन किया और लोगों से महिला उद्यिमयों के उत्पाद खरीदकर उन्हें प्रोत्साहित करने का आव्हान किया।

झोटवाड़ा में 3180 किलो खराब किशमिश व 480 पैकेट अखरोट नष्ट

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एवं चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के मार्गदर्शन तथा प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ के निर्देशन में चल रहे ''शुद्ध आहार-मिलावट पर वार'' अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा विभाग ने झोटवाड़ा औद्योगिक क्षेत्र के कोल्ड स्टोरेज में कार्रवाई की। यहां 7-8 वर्ष पुरानी किशमिश और अखरोट मिलने पर 3180 किलो खराब किशमिश और 480 पैकेट अखरोट संबंधित फर्मों की सहमति से नष्ट करवाए गए।आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण अविचल चतुर्वेदी के निर्देश पर अतिरिक्त आयुक्त भगवत सिंह के मार्गदर्शन और संयुक्त आयुक्त वी.पी. शर्मा के पर्यवेक्षण में कार्रवाई की गई। किशमिश और अखरोट से संबंधित फर्म मैसर्स अर्चना एंटरप्राइजेज तथा दिल्ली ट्रेडिंग कंपनी के प्रतिनिधियों की मौजूदगी में सामग्री नष्ट करवाई गई।एक अन्य कार्रवाई में मैसर्स मातेश्वरी ट्रेडिंग कंपनी की काली मिर्च का नमूना जांच के लिए लिया गया और मिलावट के संदेह में 1018 किलो काली मिर्च सीज की गई।

राजस्थान में एसआईआर के दौरान 41.85 लाख नाम काटे : लांबा

जयपुर । अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष अलका लांबा ने राजस्थान में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान मतदाता सूची से बड़ी संख्या में नाम बाहर होने पर सवाल उठाए। उन्होंने चुनाव आयोग से पात्र मतदाताओं के मताधिकार की सुरक्षा, पारदर्शी सत्यापन और शिकायतों के निष्पक्ष निस्तारण की मांग की। साथ ही 1 नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में होने वाली कांग्रेस की 'चलो दिल्ली-वोट चोर, गद्दी छोड़' महारैली में शामिल होने की अपील की।

जयपुर में बुधवार को लांबा ने निर्वाचन विभाग के आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया कि 27 अक्टूबर 2025 को राजस्थान में 5 करोड़ 46 लाख 56 हजार 215 मतदाता दर्ज थे, जबकि 16 दिसंबर 2025 की प्रारूप सूची में 5 करोड़ 4 लाख 71 हजार 324 नाम शामिल थे। इस तरह करीब 41.85 नाम प्रारूप सूची से बाहर रहे। इनमें करीब 8.75 लाख मृत मतदाताओं, 29.6 लाख स्थानांतरित या अनुपस्थित मतदाताओं और 3.44 लाख एक से अधिक स्थानों पर पंजीकृत मतदाताओं की श्रेणी में रखे गए। उन्होंने कहा कि स्थानांतरित या अनुपस्थित होने का अर्थ अपने आप मतदाता बनने की अयोग्यता नहीं है। पात्र नागरिकों को अपना पक्ष रखने, नाम जुड़वाने और अपील करने का पूरा अवसर मिलना चाहिए।

कर चोरी पर वाणिज्यिक कर विभाग की कार्रवाई

जयपुर । प्रदेश में कर चोरी के खिलाफ वाणिज्यिक कर विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए छह व्यावसायिक प्रतिष्ठानों की जांच की। इस दौरान करदाताओं ने कुल 1 करोड़ 22 हजार रुपये स्वैच्छिक रूप से जमा कराए अथवा इलेक्ट्रॉनिक कैश लेजर में जमा किए। कार्रवाई में बिक्री छिपाने, बिना उचित बिल खरीद-बिक्री, स्टॉक में अंतर और गलत इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) लेने जैसी अनियमितताओं की जांच की गई।

अजमेर के केसरगंज स्थित मैसर्स रेवतीलाल सत्येन्द्रकुमार जैन के यहां अघोषित स्टॉक और जीएसटी विवरणियों में आईटीसी संबंधी अंतर की आशंका पर कार्रवाई की गई। करदाता ने 30 लाख रुपये जमा कराए। किशनगढ़ स्थित मैसर्स श्री बिहारी प्रोडक्ट्स ने आईटीसी संबंधी विसंगतियां स्वीकार करते हुए कर और ब्याज सहित 13.22 लाख रुपये जमा कराए। शेष विसंगतियों के सत्यापन के लिए सात दिन में दस्तावेज प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए।

डीडवाना-कुचामन जिले के मकराना स्थित मैसर्स अमन मार्बल इंडस्ट्रीज पर बिना उचित बिल कारोबार और आईटीसी के अत्यधिक उपयोग की आशंका में जांच की गई। फर्म ने 20 लाख रुपये इलेक्ट्रॉनिक कैश लेजर में जमा कराए। विभाग ने कुछ दस्तावेज जब्त किए और आवश्यक अभिलेखों के सत्यापन के लिए समन जारी किया। जयपुर के चौड़ा रास्ता स्थित मैसर्स मनोहर लाल एंड संस के यहां प्रतिबंधित आईटीसी और स्टॉक में विसंगतियों की जांच की गई। करदाता ने अप्रैल से सितंबर 2026 की अवधि के लिए कर और जुर्माने सहित 14.18 लाख रुपये जमा कराए।चित्तौड़गढ़ जिले के बेगूं स्थित पारस जनरल स्टोर पर बिक्री और कारोबार छिपाने की आशंका में जांच की गई।

20 लाख रुपए से भरा बैग लूटने वाले तीन बदमाश गिरफ्तार

आरोपियों के कब्जे से 18.93 लाख रुपए, मोबाइल और स्कूटी बरामद

जयपुर। नाहरगढ़ थाना पुलिस ने व्यापारियों से कैश कलेक्शन कर लौट रहे युवकों से बीस लाख रुपए से भरा बैग लूटने के मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से लूटी गई रकम में से 18 लाख 93 हजार रुपए, एक मोबाइल और वारदात में इस्तेमाल की गई स्कूटी बरामद की है। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर करण शर्मा ने बताया कि नाहरगढ़ थाना पुलिस ने व्यापारियों से कैश कलेक्शन कर लौट रहे युवकों से बीस लाख रुपए से भरा बैग लूट कर फरार हुए बदमाश फैजान (20) निवासी गणगौरी बाजार हाल शास्त्री नगर, आदिल (21) निवासी कल्याण जी का रास्ता कोतवाली हाल भट्टा बस्ती और कैफ (21) निवासी भट्टा बस्ती जयपुर को गिरफ्तार किया। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि आरोपी नशे और महंगे शौक के आदी हैं। वे पहले नकदी लाने-ले जाने वालों की रेकी करते और फिर उन्हें निशाना बनाकर लूट की वारदात करते थे।

थानाधिकारी भंवर सिंह राठौड़ ने बताया कि परिवादी चंपालाल ने 26 अक्टूबर को रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि वह अपने साथी हितेश कुमार के साथ सीकर हाउस से व्यापारियों से नकदी एकत्र कर जयलाल मुंशी का रास्ता स्थित एक दुकान पर पहुंचे थे। हितेश दुकान के अंदर भुगतान लेने गया, जबकि चंपालाल स्कूटी पर बैठा रहा। रुपयों से भरा बैग स्कूटी के पायदान पर रखा था।

इसी दौरान स्कूटी सवार दो युवक बैग छीनकर फरार हो गए। बैग में करीब 20 लाख रुपए बताए गए थे। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की और वारदात की गंभीरता को देखते हुए विशेष टीम गठित की गई।

टीम ने घटनास्थल और आरोपियों के भागने के रास्ते के 100 से अधिक सीसीटीवी फुटेज खंगाल कर तकनीकी विश्लेषण करते हुए तीनों आरोपियों को गिरफ्तार किया।

रावत और जोधपुर मिष्ठान्न भंडार पर कार्रवाई

जयपुर । उपभोक्ता मामले मंत्री सुमित गोदारा के निर्देश पर विधिक मापविज्ञान प्रकोष्ठ ने पैकेज्ड वस्तुओं पर अनिवार्य घोषणाओं और पैकर पंजीकरण में अनियमितताओं के खिलाफ कार्रवाई की। जयपुर में तीन विशेष टीमों ने मिठाई, नमकीन और अन्य पैकेज्ड वस्तुओं के प्रतिष्ठानों की जांच की।

26 अक्टूबर को खातीपुरा मोड क्वींस रोड स्थित जोधपुर मिष्ठान भंडार के प्रतिष्ठान पर पैकर पंजीकरण नहीं मिलने और पैकेटों पर अनिवार्य घोषणाएं अंकित नहीं होने पर पैकेट जब्त कर 15 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया। इसी तरह 27 अक्टूबर को गौरव टावर, मालवीय नगर स्थित रावत मिष्ठान्न भंडार के आउटलेट पर सूखे मेवों के उपहार पैकेटों में अनियमितता और पैकर पंजीकरण नहीं मिलने पर पैकेट जब्त कर नोटिस जारी किया गया तथा 5 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया।

हाईवे पर राहगीरों से लूटपाट करने वाली गैंग के तीन बदमाश गिरफ्तार

जयपुर। हरमाड़ा पुलिस ने दिल्ली-अजमेर हाईवे पर राहगीरों से मारपीट कर लूटपाट करने वाली गैंग का पर्दाफाश करते हुए तीन आरोपियों को बापर्दा गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार आरोपियों ने 63 वर्षीय मोहनलाल जांगिड़ से मारपीट कर मोबाइल फोन और 7300 रुपए लूट लिए थे। पुलिस ने आरोपियों से लूटी गई नकदी और दस्तावेज बरामद कर लिए हैं, जबकि मोबाइल की बरामदगी के प्रयास जारी हैं।

डीसीपी वेस्ट प्रशांत किरण ने बताया कि हरमाड़ा थाना पुलिस ने दिल्ली-अजमेर हाईवे पर राहगीरों से मारपीट कर लूटपाट करने वाली गैंग के शातिर बदमाश ललित कुमार वर्मा उर्फ टमाटर (20) निवासी गंगापुर सिटी हाल मुरलीपुरा, अंकित कुमार सिंह (22) निवासी मधुबनी (बिहार) हाल मुरलीपुरा स्कीम और गणेश कुमावत उर्फ कान्हा (25) निवासी तिगरिया चौमूं को गिरफ्तार किया है।

थानाधिकारी नरेंद्र भड़ाना ने बताया कि आरोपियों का पूर्व आपराधिक रिकॉर्ड भी सामने आया है। ललित के खिलाफ हरमाड़ा थाने में 2024 का मामला न्यायालय में विचाराधीन है। अंकित के खिलाफ मुरलीपुरा थाने में 2024 में चोरी का मामला दर्ज है। गणेश के खिलाफ मुरलीपुरा थाने में आर्म्स एक्ट और आबकारी अधिनियम सहित अन्य मामले दर्ज हैं, जो विचाराधीन हैं। पुलिस ने बताया कि आरोपियों को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है। लूटे गए मोबाइल की बरामदगी के प्रयास जारी है। थानाधिकारी ने बताया कि सीकर जिले के जयरामपुरा निवासी मोहनलाल जांगिड़ ने हरमाड़ा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि वह दिल्ली-अजमेर हाईवे पर नंबर-14 पुलिया की स्लिप लेन से उतरकर अपने भाई के घर जा रहे थे। इसी दौरान दो युवकों ने उनका मोबाइल छीन लिया।

विरोध करने और शोर मचाने पर दो-तीन अन्य युवक भी वहां पहुंच गए। आरोपियों ने उनके साथ मारपीट कर जेब में रखे 7 हजार 300 रुपए लूट लिए और चाकू दिखाकर जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। वहीं मामला दर्ज होने के बाद पुलिस ने विशेष टीम गठित की।

टीम ने घटनास्थल और आसपास के सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले और संदिग्धों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया।

फर्नीचर गोदाम में भीषण आग लगने से लाखों का माल जलकर राख

■ एक किलोमीटर दूर तक दिखीं लपटें, एक घंटे की मशक्कत के बाद दमकल ने पाया काबू

जयपुर। खोह नागोरियान क्षेत्र में मंगलवार-बुधवार की मध्यरात्रि को खानियां बंधा स्थित फर्नीचर गोदाम में भीषण आग लग गई। आग की लपटें और धुएं का गुबार करीब एक किलोमीटर दूर तक दिखाई दिया। सूचना पर पहुंची दमकल की टीमों ने करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हादसे में किसी जनहानि की सूचना नहीं है, लेकिन गोदाम में रखा तैयार फर्नीचर और कच्चा माल जलकर खाक हो गया। प्रारंभिक तौर पर आग का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

अग्निशमन अधिकारी गौतम लाल ने बताया कि मंगलवार-बुधवार की मध्यरात्रि को कंट्रोल रूम को खानियां बंधा स्थित फर्नीचर गोदाम में आग लगने की सूचना मिली थी। इस पर दमकल की गाड़ियां तत्काल मौके पर भेजी गईं। आग की लपटें तेज होने और धुआं दूर तक फैलने के कारण कर्मचारियों को आग बुझाने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। गोदाम में तैयार फर्नीचर और कच्चा माल रखा था, जिसका बड़ा हिस्सा आग की चपेट में आ गया। घटना के बाद आसपास के लोग मौके पर एकत्र हो गए। खोह नागोरियान थाना पुलिस ने भी मौके पर पहुंचकर स्थिति संभाली। फिलहाल नुकसान का आकलन किया जा रहा है। आग लगने के वास्तविक कारणों का पता जांच के बाद चलेगा। इधर आगरा रोड पर आग बुझाने के लिए जा रहे दमकल वाहन की चपेट में आने से बनीपार्क फायर स्टेशन पर कार्यरत ठेका कर्मचारी फायरमैन दीपेंद्र पाठक घायल हो गए। जानकारी के अनुसार वह आग बुझाने के लिए दमकल वाहन रवाना हो रहा था। तभी पाठक वाहन के नीचे आ गए। हादसे में उनके पैर में गंभीर चोट आई है। उन्हें एसएमएस अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया है, जहां उनका उपचार चल रहा है।

ज्वैलरी व्यवसायियों को बंदूक के दम पर रोका

जयपुर। जामडोली क्षेत्र के भरत विहार में बुधवार देर रात बाइक सवार बदमाशों ने दो ज्वेलरी व्यवसायियों को बंदूक के दम पर रोक कर लाठी-डंडों से मारपीट की और हवाई फायर करते हुए फरार हो गए। इस वारदात में सोनू के सिर और निशू के हाथ में चोट आई है। दोनों घायलों को उपचार के लिए एसएमएस अस्पताल पहुंचाया गया। वहीं इस दौरान बचाव में आई एक महिला पर भी गोली चलाई गई, लेकिन गनीमत रही कि उसे गोली नहीं लगी। वारदात के बाद इलाके में दहशत फैल गई। घटना सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई।

थानाधिकारी रत्न सिंह ने बताया कि बाइक सवार बदमाशों ने भरत विहार निवासी ज्वेलरी व्यवसायी सोनू और निशू को रोका। इसके बाद उनके साथ मारपीट की और हवाई फायर कर मौके से फरार हो गए। अचानक हुई वारदात से इलाके में दहशत फैल गई।

सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल भिजवाया। आरोपियों की धरपकड़ के लिए क्षेत्र में नाकाबंदी करवाई गई है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज के आधार पर बदमाशों की पहचान करने में जुटी है।

बैक डेट में फर्जी ताइक्वांडो प्रमाण पत्र बनवाकर नौकरी पाने वाले 4 गिरफ्तार

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । तृतीय श्रेणी शिक्षक (लेवल-1) भर्ती-2022 में फर्जी ताइक्वांडो खेल प्रमाण पत्रों के आधार पर चयन सूची में स्थान हासिल करने के मामले में स्पेशल ऑपरेशन्स ग्रुप (एसओजी) ने शारीरिक शिक्षक सहित चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। चारों आरोपियों ने जयपुर महानगर द्वितीय के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के समक्ष आत्मसमर्पण किया था। इसके बाद एसओजी ने उन्हें गिरफ्तार कर पुलिस रिमांड पर लिया।

एसओजी के अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस विशाल बंसल ने बताया कि कर्मचारी चयन बोर्ड, दुर्गापुरा की ओर से वर्ष 2022 में आयोजित भर्ती में खेल कोटे के तहत दो प्रतिशत अभ्यर्थियों का चयन किया जाना था। ताइक्वांडो खेल प्रमाण पत्रों के आधार पर दो गुना चयन सूची में 38 अभ्यर्थियों ने स्थान प्राप्त किया था। इन अभ्यर्थियों ने शिक्षा विभाग की चयन समिति के समक्ष राष्ट्रीय स्तर के खेल प्रमाण पत्र प्रस्तुत किए थे।

फर्जी ईमेल से भेजी गई सत्यापन रिपोर्ट

एसओजी में दर्ज प्रकरण की जांच में सामने आया कि कथित तौर पर विभिन्न दलालों के माध्यम से फर्जी खेल प्रमाण पत्र बनवाए गए थे। इन प्रमाण पत्रों के सत्यापन के लिए ताइक्वांडो फेडरेशन ऑफ इंडिया से मिलती-जुलती फर्जी ईमेल आईडी से प्रारंभिक शिक्षा निदेशालय, बीकानेर की नियुक्ति शाखा को सत्यापन रिपोर्ट भेजी गई थी।

इस मामले में फर्जी ईमेल से सत्यापन रिपोर्ट भेजने के आरोप में बिमलेन्दू कुमार झा और उसके साथी कमल सिंह को 7 मई 2025 को गिरफ्तार किया गया था। इसके अलावा स्थानीय पुलिस की मदद से पहले 20 अभ्यर्थियों, तीन सहयोगियों और एक दलाल को भी गिरफ्तार किया जा चुका है।

मामले में धोखाधड़ी, कूटरचना, फर्जी दस्तावेजों के इस्तेमाल, आपराधिक षड्यंत्र और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 66डी के तहत जांच की जा रही है।

पीटीआई रामचंद बेनीवाल भी गिरफ्तार

विशाल बंसल के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों में रामचंद बेनीवाल (41), निवासी डेह, नागौर, जो वर्तमान में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सिरमा, ब्यावर में शारीरिक शिक्षक के पद पर कार्यरत है; देवी, निवासी बाड़मेर; धोलाराम (26), निवासी करवाड़ा, सांचौर-जालौर; और विकास कुमार (26), निवासी धोरीमन्ना, बालोतरा शामिल हैं।

प्रारंभिक जांच में सामने आया कि रामचंद बेनीवाल और पूर्व में गिरफ्तार आरोपी जगदीश सारण ने हरियाणा के रोहतक निवासी सतीश डूल से राष्ट्रीय स्तर के खेल प्रमाण पत्र बनवाने के लिए संपर्क किया था। आरोप है कि सतीश डूल ने विकास कुमार, धोलाराम और देवी से चार-चार लाख रुपए लेकर पिछली तारीख के ताइक्वांडो प्रमाण पत्र उपलब्ध कराए।

अभ्यर्थियों से 5-5 लाख रु. लेने का आरोप

एसओजी के अनुसार रामचंद बेनीवाल पर पूर्व में गिरफ्तार आरोपियों मुमताज, बबीता जाखड़, मांगीलाल, नरेंद्र बिडियासर, ममता कुमारी और ज्योतिरादित्य से पांच-पांच लाख रुपए लेकर पिछली तारीख के ताइक्वांडो प्रमाण पत्र उपलब्ध कराने का भी आरोप है।

इन प्रमाण पत्रों के आधार पर संबंधित अभ्यर्थियों के नाम शिक्षक भर्ती की दो गुना चयन सूची में आए थे और उन्होंने दस्तावेज सत्यापन के दौरान प्रमाण पत्र जमा करवाए थे। एसओजी ने चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर पुलिस रिमांड पर लिया है। उनसे पूछताछ के आधार पर मामले में अन्य लोगों की भूमिका और कथित फर्जी प्रमाण पत्रों से जुड़े लेन-देन की जांच की जा रही है।

भीलवाड़ा के पुर-बलियां खेड़ा में भूमाफिया ने ट्रैक्टर से कुचलकर ग्रामीण की हत्या की

जघन्य घटना के बाद से ग्रामीणों में प्रशासन और पुलिस के खिलाफ भारी आक्रोश व्याप्त है

- ग्रामीणों का आरोप है कि पुलिस ने कथित तौर पर मिलीभगत कर ट्रैक्टर और चालक को वहां से भगा दिया और कोई कानूनी कार्रवाई नहीं की
- ग्रामीणों का कहना है कि भूमाफियाओं द्वारा यह धमकियां दी जा रही हैं कि ''आज एक को मारा है, अब हर घर से एक-एक सदस्य को मारेंगे''

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के पुर-बलियां खेड़ा गांव में भूमाफियाओं के हौसले इतने बुलंद हो चुके हैं कि उन्होंने एक ग्रामीण को ट्रैक्टर से कुचलकर मौत के घाट उतार दिया। इस जघन्य घटना के बाद से ग्रामीणों में प्रशासन और पुलिस के खिलाफ भारी आक्रोश व्याप्त है।

जिला कलैक्टर को दिए गए ज्ञापन और ग्रामीणों की रिपोर्ट के अनुसार, पुर-बलियां खेड़ा के समस्त ग्रामीणों ने गत गत 5 अक्टूबर को भूमाफियाओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई के लिए प्रशासन को ज्ञापन सौंपा था। आरोप है कि स्थानीय प्रशासन और पुलिस द्वारा इस मामले में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया और न ही कोई संज्ञान लिया गया, जिसके चलते भूमाफियाओं के हौसले और अधिक बढ़ गए। ग्रामीणों ने बताया कि बुधवार सुबह करीब 10 बजे भी भूमाफियाओं के एक ट्रैक्टर ने उनके ही गांव के एक व्यक्ति को कुचलकर मार डाला। घटना के तुरंत बाद ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन को इसकी सूचना दी, लेकिन आरोप है कि पुलिस ने कथित तौर पर मिलीभगत कर ट्रैक्टर और चालक को वहां से भगा दिया और कोई कानूनी कार्रवाई नहीं की।

ग्रामीणों का कहना है कि भूमाफियाओं द्वारा लगातार यह धमकियां दी जा रही हैं कि ''आज एक को मारा है, अब हर घर से एक-एक सदस्य को मारेंगे।'' इस घटना से डरे और सहमे ग्रामीणों ने सवाल उठाया है कि क्या प्रशासन सिर्फ अपराधियों के लिए ही बना है और आम जनता की सुरक्षा के लिए इनका कोई कर्तव्य नहीं है?

घटना के विरोध में आक्रोशित ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि जब तक भूमाफियाओं और ट्रैक्टर चालकों को गिरफ्तार नहीं किया जाता तथा मृतक के परिवार को उचित सहायता राशि नहीं मिलती, तब तक वे शव का पोस्टमार्टम नहीं कराएंगे और न ही मृतक की बॉडी को लेकर जाएंगे। ग्रामीणों ने आज हुई इस पूरी घटना के लिए सीधे तौर पर प्रशासन की निष्क्रियता को जिम्मेदार ठहराया है।

अलवर में पटाखा कारोबारी के तीन ठिकानों पर जीएसटी की रेड

स्टेट जीएसटी की टीम ने स्टॉक और खरीद-बिक्री के रिकॉर्ड खंगाले

- तिलक मार्केट की दुकान, स्कीम नंबर-3 स्थित आवास और एमआईए के गोदाम पर एक साथ कार्रवाई की गई
- जीएसटी विभाग को संबंधित कारोबारी के यहां बड़ी मात्रा में पटाखों के भंडारण की सूचना मिल रही थी, वहीं बिना बिल के पटाखों की बिक्री की आशंका भी जताई थी
- संबंधित कारोबारी का नाम अलवर के बड़े पटाखा कारोबारियों में शामिल है और उसका सालाना टर्नओवर करोड़ों रुपये का बताया जा रहा है

अलवर, (निसं)। दीपावली के बीच अलवर में बुधवार को स्टेट जीएसटी की टीम ने एक बड़े पटाखा कारोबारी के तीन ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की। करीब एक दर्जन अधिकारियों की टीम ने तिलक मार्केट स्थित रिटेल काउंटर, स्कीम नंबर-3 स्थित आवास और एमआईए इंडस्ट्रियल एरिया स्थित गोदाम पर पहुंचकर जांच शुरू की। अचानक हुई कार्रवाई से पटाखा कारोबारियों में हड़कंप मच गया।

जानकारी के अनुसार, जीएसटी विभाग को पिछले कुछ दिनों से संबंधित कारोबारी के यहां बड़ी मात्रा में पटाखों के भंडारण की सूचना मिल रही थी। साथ ही बिना बिल के पटाखों की बिक्री किए जाने की आशंका भी जताई गई थी। इन सूचनाओं के आधार पर स्टेट जीएसटी अलवर की टीम ने तीनों ठिकानों पर एक साथ कार्रवाई की। कार्रवाई के दौरान अधिकारियों ने दुकान, आवास और गोदाम में उपलब्ध पटाखों के स्टॉक तथा खरीद-बिक्री से संबंधित रिकॉर्ड की जांच शुरू की। टीम यह पता लगाने में जुटी है कि कारोबार के दौरान पटाखों की बिक्री के बिल जारी किए जा रहे थे या नहीं। इसके अलावा स्टॉक और दस्तावेजों का मिलान कर संभावित जीएसटी अनियमितताओं की पड़ताल की जा रही है।

जीएसटी की कार्रवाई की सूचना फैलते ही शहर के अन्य पटाखा कारोबारियों में भी हलचल मच गई। सूत्रों के अनुसार, कुछ कारोबारी अपनी दुकानें बंद कर वहां से चले गए। हालांकि, इस संबंध में स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। संबंधित कारोबारी का नाम अलवर के बड़े पटाखा कारोबारियों में शामिल है और उसका सालाना टर्नओवर करोड़ों रुपये का बताया जा रहा है। अधिकारियों को दौसा जिले के बांदीकुई में भी पटाखों के बड़े गोदाम के संबंध में जानकारी मिली है। अलवर और बांदीकुई में पटाखों के भंडारण तथा बिक्री से जुड़ी सूचनाओं की जांच की जा रही है। फिलहाल जीएसटी विभाग की कार्रवाई जारी है। जांच पूरी होने और विभाग की आधिकारिक जानकारी सामने आने के बाद ही कर संबंधी संभावित अनियमितताओं की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

'सरकार बदलने दो मैं राजीव दत्ता की हालत बिगाड़ दूंगा'

कोटा के कांग्रेस नेता प्रहलाद गुंजल का बयान सोशल मीडिया पर छाया

- गुंजल ने कहा कि, ''चाहे मेरे खिलाफ रोज मुकदमें दर्ज हों, लेकिन मैं अपने बयान से पीछे नहीं हटूंगा।''
- उन्होंने बयान में कहा, ''कोटा में ऐसा हाल है कि, राजीव दत्ता जो बोले, वही फरियादी है और वही मुजरिम है। इनका 2 साल का राज है उसके बाद 5 साल का सफर तय करने में इनकी जान निकल जाएगी। राज बदलने पर ''टिट-फॉर-टैट'' होगा।''

-कार्यालय संवाददाता-

कोटा। कोटा-बूंदी लोकसभा क्षेत्र से कांग्रेस के सिंबल पर सांसद का चुनाव वरिष्ठ नेता प्रहलाद गुंजल इन दिनों लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के सहायक राजीव दत्ता के खिलाफ खासा आक्रामक है। हाल ही में उन्होंने राजीव दत्ता के खिलाफ बयान दिया था कि '''सरकार बदलने दो, मैं राजीव दत्ता की हालत बिगाड़ दूंगा।... वह बंद कमरे में यह सोचने पर मजबूर हो जाएगा कि आत्महत्या कर ले या फिर बंदूक उठाकर किसी को मार दें। इन लोगों ने बहुत पाप किए हैं और जनता को काफी तंग किया है, जिससे पूरे शहर में डर और आतंक का माहौल है। आजकल सामान्य सोशल मीडिया पोस्ट लिखने पर भी लोगों को जेल की हवा खिलाई जा रही है और उनकी स्वतंत्रता छीन ली गई है।''

ज्ञात रहे कि प्रहलाद गुंजल का यह बयान इन दिनों सोशल मीडिया पर छाया हुआ है। इस बयान के बाद उनके खिलाफ राजकार्य में बाधा और आचार संहिता उल्लंघन का मुकदमा दर्ज हुआ था, परंतु अब प्रहलाद गुंजल ने अपनी बात को दोहराते हुए पुनः स्पष्ट किया है कि, उन पर भले ही रोज एक मुकदमा लगे, लेकिन वह किसी से डरने वाले नहीं है।

वायरल बयान में गुंजल कह रहे हैं कि, ''अफसरों और रसूखदारों के बीच चमचागिरी का दौर चल रहा है, जहां लोग गुरु पूर्णिमा पर साधारण थानेदारों के पैरों में गिर रहे हैं। एक सरकारी कर्मचारी, जो संविदा पर है, उसने अपनी मर्यादा ताक पर रख रखी है। मालिक की आड़ में शहर में भय का माहौल बना रखा है, नौकरशाहों ने भी भय का माहौल बना रखा है। राजीव दत्ता के खिलाफ एक पोस्ट तो सोशल मीडिया पर डालिए, पुलिस उठा कर ले जाएगी। राजीव दत्ता जो बोले, वही फरियादी है और वही मुजरिम है। हमारे साथ रोज छेड़छाड़ कर रहे हैं, 2 साल का राज है उसके बाद 5 साल का सफर तय करने में इनकी जान निकल जाएगी। राज बदलने पर ''टिट-फॉर-टैट'' होगा। इन्होंने पंचायत चुनाव में ट्रेलर बना रखा है, धमका रहे हैं यह क्या राजवाड़े हैं, जो इनकी मर्जी से प्रजा का जीवन चलेगा। सरकार भय का कारण नहीं होती, यह लोकतंत्र है, जनता की सुरक्षा सरकार की जिम्मेदारी है। यह अपना काला चेहरा छुपाने के लिए गुंडागर्दी स्थापित करके अथाह संपत्ति बनाने के लिए भय का माहौल बना रहे हैं, लोग सब जानते हैं लेकिन उनके खिलाफ बोलने की हिम्मत नहीं कर पा रहे है। मैं तो इनके खिलाफ बोलूंगा, भले ही रोज एक मुकदमा दर्ज हो।''

सीकर में सूर्य मंदिर से 125 साल पुरानी दो मूर्तियां चोरी

सीकर, (निसं)। सीकर के बजाज रोड पर स्थित सूर्य मंदिर में मंगलवार देर रात को चारी हो गई। चोर मंदिर से 125 साल पुरानी दो मूर्तियां और एक छत्र चुरा ले गए। पुजारी बुधवार सुबह जब मंदिर में पूजा करने के लिए आए तो उन्हें चोरी का पता चला। मूर्तियां करीब 125 साल पुरानी थी। वहीं मंदिर से करीब 250 मीटर की दूरी पर ही कोतवाली पुलिस थाना है। वहीं पुलिस ने मामले की जांच शुरु कर दी है।

मंदिर के पास रहने वाले हितेश ने बताया कि बजाज रोड पर स्थित सूर्य मंदिर शहर का इकलौता सूर्य मंदिर है। जहां से चोर 125 साल पुरानी सूर्य भगवान की 2 मूर्तियां और छत्र चोरी करके ले गए। रात को पुजारी मंदिर बंद करके गए थे। सुबह जब पूजा करने के लिए आए तो उन्हें ताले टूटे हुए मिले। घटना के बाद अब पुलिस ने चोरों की तलाश शुरू की है। सूर्य मंदिर से करीब 250 मीटर की दूरी पर ही कोतवाली पुलिस थाना है। सूर्य मंदिर के पास ही बजाज रोड है, जहां रात के समय पुलिस गश्त रहती है और वाहनों की आवाजाही भी काफी होती है। इसके बावजूद चोरों ने चोरी की वारदात को अंजाम दिया।

पारिवारिक झगड़े में आठ माह की बच्ची की मौत

हिण्डौन सिटी, (निसं)। नई मंडी थाना क्षेत्र के खेड़े का पुरा में पारिवारिक झगड़े के दौरान 8 माह की बच्ची की मौत हो गई। बच्ची के पिता रामदेव ने दूसरे पक्ष पर मारपीट का आरोप लगाते हुए नई मंडी थाने में शिकायत दी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

नई मंडी थाने के सब-इंस्पेक्टर प्रहलाद सिंह ने बताया कि बुधवार दोपहर करीब 2 बजे जिला अस्पताल से सूचना मिली कि झगड़े में घायल 8 माह की बच्ची की मौत हो गई है। पुलिस टीम अस्पताल पहुंची और मेडिकल बोर्ड से बच्ची के शव का पोस्टमार्टम कराया। मेडिकल बोर्ड में शामिल मेडिकल ज्यूरिस्ट डॉ. रामनरेश कुंभकार के अनुसार, बच्ची के सिर पर चोट के निशान मिले हैं। शुरुआती तौर पर माना गया कि झगड़े के दौरान नीचे गिरने से उसके सिर में चोट लगी होगी।

अजमेर में 540 लीटर तेल और 79 किलो घी जब्त

पीसांगन में तेल के नमूने लेकर सामग्री सीज की

अजमेर, (निसं)। त्योहारी सीजन में मिलावटखोरी पर अंकुश लगाने के लिए खाद्य सुरक्षा विभाग की ओर से जिले में ''शुद्ध आहार-मिलावट पर वार अभियान'' चलाया जा रहा है। अभियान के तहत बुधवार को पीसांगन में कार्रवाई करते हुए 540 लीटर तेल और 79 किलोग्राम घी सीज किया गया। वहीं खाद्य पदार्थों के नमूने लेकर जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे गए हैं।

खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रक आयुक्त अविचल चतुर्वेदी तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. ज्योत्सना रंगा के निर्देशन में की गई कार्रवाई के दौरान कनक तेल घानी उद्योग से मूंगफली और तिल के तेल के नमूने लिए गए।

मौके पर 405 लीटर मूंगफली का तेल और 135 लीटर तिल का तेल आगामी आदेशों तक सीज किया गया। इसी क्रम में आकाश जनरल स्टोर से किसना ब्रांड और कार्तिक पुराण ब्रांड के मूंगफली तेल के नमूने लिए गए। यहां मौके पर 79 किलोग्राम घी भी सीज किया गया। विभाग की ओर से लिए गए सभी नमूनों को जांच के लिए खाद्य प्रयोगशाला भेजा गया है।

बताया गया है कि जांच रिपोर्ट आने के बाद कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण के दौरान खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और स्वच्छता से संबंधित कमियां मिलने पर कारोबारियों को आवश्यक सुधार करने के निर्देश दिए गए। कार्रवाई में खाद्य सुरक्षा अधिकारी अजय मोयल, आनंद चौधरी, अशोक मीणा और आरती वर्मा शामिल रहे।

बूंदी में पंचायत समिति तालेड़ा का संविदाकर्मी रिश्वत लेते गिरफ्तार

- बिलों के भुगतान करने की एवज में 70 हजार रुपये की रिश्वत मांगी थी

बूंदी, (निसं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की इंटेलिजेंस विंग की टीम ने परिवादी की शिकायत पर कार्रवाई करते हुए जिला बूंदी की पंचायत समिति तालेड़ा में पदस्थापित जूनियर टेक्निकल असिस्टेंट (संविदाकर्मी) आरोपी भानूप्रताप सिंह को 70 हजार की रिश्वत राशि लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। आरोपी ने बिलों के भुगतान पास करने की एवज में ठेकेदार से रिश्वत की मांग की थी।

रिश्वत का आरोपी

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक गोविन्द गुप्ता ने बताया कि एसीबी की आसूचना इकाई, कोटा को शिकायत प्राप्त हुई कि परिवादी द्वारा करवाए गए कार्यों के बिलों के भुगतान संबंधी कार्य की एवज में आरोपी भानूप्रताप सिंह द्वारा 70 हजार रुपये रिश्वत राशि की मांग कर उसे परेशान किया जा रहा है।

शिकायत के बाद एसीबी ने रिश्वत मांग का सत्यापन कराया जिसमें संविदा पर लगे जेईईएन द्वारा परिवादी से 70 हजार की रिश्वत मांगना पाया गया। जिस पर एसीबी के उपमहानिरीक्षक ओमप्रकाश मीणा के सुपरविजन में एसीबी की आसूचना इकाई की पुलिस उप अधीक्षक चन्द्रकंवर के नेतृत्व में ट्रेप कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान आरोपी को परिवादी से 70,000 रुपये रिश्वत राशि लेते हुए रंगेहाथ गिरफ्तार किया गया। एसीबी की अतिरिक्त महानिदेशक स्मिता श्रीवास्तव एवं महानिरीक्षक पुलिस एस.परमिला के पर्यवेक्षण में आरोपी से पूछताछ एवं अग्रिम कार्रवाई जारी है।

भरतपुर के जिला प्रमुख पद पर बाहरी लोगों की नजर : विश्वेंद्र सिंह

पूर्व कैबिनेट मंत्री विश्वेंद्र सिंह ने सोशल मीडिया के माध्यम से आरोप लगाकर सियासी हलचल तेज की

- पूर्व कैबिनेट मंत्री विश्वेंद्र सिंह ने आरोप लगाया कि ऐसे लोगों ने तत्काल में अपना नाम भरतपुर की वोटर लिस्ट में जुड़वाया है

भरतपुर, (निसं)। जिला परिषद चुनाव को लेकर पूर्व कैबिनेट मंत्री विश्वेंद्र सिंह ने सोशल मीडिया के माध्यम से आरोप लगाकर सियासी हलचल तेज कर दी है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट कर कहा है कि भरतपुर के जिला प्रमुख पद पर बाहरी लोगों की नजर है और वे पैसे के दम पर इस पद को हथियाना चाहते हैं।

विश्वेंद्र सिंह ने लिखा कि बड़ी चिंताजनक जानकारी सामने आ रही है कि कुछ बाहरी लोग भाजपा का टिकट लेकर भरतपुर का जिला प्रमुख बनने का ख्वाब देख रहे हैं। ये लोग पैसे के नशे में चूर हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि ऐसे लोगों ने तत्काल में अपना नाम भरतपुर की वोटर लिस्ट में जुड़वाया है। सबसे गंभीर आरोप यह है कि कई लोगों के नाम दो-दो जगह वोटर लिस्ट में शामिल हैं, जो कि सरासर नियमों के विरुद्ध और लोकतंत्र के साथ धोखा है। विश्वेंद्र सिंह ने कहा कि ऐसे फर्जी बाहरी लोगों का जल्द ही सबूतों के साथ खुलासा किया जाएगा।

उन्होंने राज्य सरकार और जिला प्रशासन से आग्रह किया है कि ऐसे फर्जी मतदाताओं की तुरंत जांच कर सख्त कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि भरतपुर के हक पर बाहर से आकर डाका डालने वालों को भरतपुर की जनता कभी बर्दाश्त नहीं करेगी। विश्वेंद्र सिंह ने स्पष्ट कहा कि भरतपुर जिला प्रमुख का फैसला सिर्फ भरतपुर की जनता करेगी, कोई बाहरी व्यक्ति पैसों के दम पर नहीं।

ईसरदा प्रोजेक्ट से दौसा और सवाईमाधोपुर जिले में पेयजल समस्या का समाधान जल्द

- 91000 करोड़ रूपये लागत की संशोधित पार्वती कालीसिंध चम्बल लिंक परियोजना में 23312 करोड़ रूपये के 7 पेयजल कार्य प्रगति पर

जयपुर। दौसा और सवाई माधोपुर जिले के समग्र विकास में सबसे बड़ी बाधा पानी की कमी रही है। अब मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने विकसित राजस्थान 2047 का संकल्प पूरा करने में जल का महत्व समझते हुए इन दो जिलों के साथ ही सम्पूर्ण राज्य में पानी की समस्या के स्थायी समाधान के लिए संशोधित पार्वती कालीसिंध चम्बल लिंक परियोजना, किशाऊ बहुउद्देशीय बांध परियोजना, यमुना जल समझौते, देवास के अगले चरणों आदि के माध्यम से बड़े कदम उठाए। बरसों से लम्बित अन्तर्राज्यीय विवादों का समाधान किया और घोषणाओं के समय ही पूरे बजट का इंतजाम भी किया जिससे घोषणाएं डेडलाइन पर नहीं, उससे पहले ही धरातल पर विकास की गंगा ला सके।

दौसा और सवाईमाधोपुर जिले में कई जगह पर कार्य प्रगति पर है।

डबल इंजन सरकार 91000 करोड़ रूपये की संशोधित पार्वती कालीसिंध चम्बल लिंक परियोजना से इन दोनों जिलों के साथ ही पूरे पूर्वी राजस्थान में पानी की समस्या का स्थायी समाधान करने जा रही है। इससे खेती, उद्योग के साथ ही पेयजल के लिए पर्याप्त जल उपलब्ध होगा। इस बजट में से 23312 करोड़ रूपये के 7 पेयजल कार्य प्रगति पर हैं। ईसरदा बांध के पानी को उपचारित कर गांवों और कस्बों तक पहुंचाने वाली ईसरदा-दौसा पेयजल परियोजना अब महत्वपूर्ण पड़ाव पर पहुंच गई है। करीब 3,588 करोड़ रुपये की इस महत्वाकांक्षी परियोजना से 1,256 गांवों और 6 कस्बों को पेयजल नेटवर्क से जोड़ा जा रहा है। परियोजना के अंतर्गत 225 एमएलडी क्षमता का फिल्टर प्लांट तैयार किया जा रहा है। अभी प्लांट की टेस्टिंग और कमिशनिंग का कार्य चल रहा है। ईसरदा बांध स्थित इंटेक वेल से पानी फिल्टर प्लांट तक पहुंचाया जा चुका है।

परियोजना के प्रथम पैकेज में ईसरदा इंटेक वेल से महुआ तक 341 किलोमीटर मुख्य ट्रांसमिशन प्रस्तावित पाइपलाइन में से 299 किलोमीटर बिछाई जा चुकी है। ईसरदा और बगड़ी में स्वच्छ जलाशयों तथा फिल्टर प्लांट का निर्माण भी पूरा हो चुका है। ईसरदा बांध पर इंटेक वेल एवं पंप हाउस भवन निर्माण भी पूरा हो चुका है।

लालसोट क्लस्टर में 302 गांवों और लालसोट शहर को लाभान्वित किया जाना प्रस्तावित है। यहां 124.7 किलोमीटर लंबी पाइपलाइन बिछाई जा चुकी है तथा 11 उच्च जलाशयों का निर्माण कार्य प्रगति पर है। दौसा क्लस्टर में 248 गांवों एवं दौसा शहर को नेटवर्क से जोड़ने के लिए 1,709 किलोमीटर पाइपलाइन प्रस्तावित है। इसमें से 154 किलोमीटर पाइपलाइन बिछाई जा चुकी है। 52 उच्च जलाशयों में से 11 तथा 9 स्वच्छ जलाशयों में से 2 का निर्माण चल रहा है। बसवा क्लस्टर में 368 गांवों और बांदीकुई शहर को लाभ मिलेगा। यहां प्रस्तावित 2,077 किलोमीटर पाइपलाइन में से 1,801 किलोमीटर का कार्य पूरा हो चुका है। इस पैकेज पर अब तक 217.17 करोड़ रुपये व्यय किए जा चुके हैं। इसी प्रकार महुआ क्लस्टर में प्रस्तावित 315 किलोमीटर पाइपलाइन में से 244 किलोमीटर बिछाई जा चुकी है और इस कार्य पर 60.74 करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके हैं। परियोजना का विस्तार सवाई माधोपुर जिले तक भी किया जा रहा है।

छठे पैकेज में बौंली तहसील के 99, मलारना डूंगर के 61 तथा चौथ का बरवाड़ा के 17 गांवों सहित कुल 177 गांवों को पेयजल सुविधा से लाभान्वित किया जाना है। इसके लिए 260.62 करोड़ रुपये का कार्यादेश जारी हो चुका है। परियोजना के शेष कार्यों को प्राथमिकता के साथ गति दी जा रही है। नवंबर तक शहरी क्षेत्रों को मुख्य पाइपलाइन के माध्यम से पेयजल उपलब्ध कराने का प्रस्तावित लक्ष्य रखा गया है। इसके साथ ही जिन ग्रामीण क्षेत्रों में आवश्यक जल संरचनाओं का निर्माण पूरा हो चुका है, वहां चरणबद्ध रूप से पेयजल नेटवर्क से कनेक्शन जोड़कर जलापूर्ति शुरू की जाएगी।

रिश्तेदार ने बेटी को उठाकर ले जाने की धमकी दी

- धमकी देने और दो करोड़ की फिरौती मांगने का मामला दर्ज कराया

जोधपुर, (कासं)। शहर के चौपासनी हाउसिंग बोर्ड स्थित रामनगर में रहने वाले एक व्यक्ति की बेटी को उठाकर ले जाने की और दो करोड़ फिरौती मांगने का मामला दर्ज कराया गया है। पीड़ित ने चौपासनी हाउसिंग बोर्ड पुलिस थाने में तीन लोगों के खिलाफ केस दर्ज कराया है। पुलिस ने प्रकरण में तफ्तीश आरंभ की है।

चौपासनी हाउसिंग बोर्ड पुलिस के अनुसार रामनगर में रहने वाले एक व्यक्ति की तरफ से रिपोर्ट दी गई है। उसकी बेटी फिलहाल घर पर है। उसके गिनायत अथवा रिश्तेदार पवन, गणेश और पीयूष आदि मिलकर बेटी को उठाकर ले जाने की धमकी दे रहे हैं। आरोपी कॉल कर उससे दो करोड़ की फिरौती मांग रहे हैं। पुलिस के अनुसार मंगलवार रात को पीड़ित थाने पहुंचा और केस दर्ज कराया है। आरंभिक पड़ताल में बताया कि इनके बीच पारिवारिक विवाद है, जिसके चलते फोन कॉल कर धमकाया जा रहा है।

कार्यालय अधिशाषी अभियंता, राजस्थान राज्य कृषि विपणन बोर्ड, खण्ड अजमेर

राजकाज क्रमांक :- 25195548 दिनांक :- 26/10/2026

बिड आमंत्रण सूचना संख्या 10/2026-27 (NIB No. AGM2627A0176)

राजस्थान राज्य कृषि विपणन बोर्ड खण्ड अजमेर, जयपुर प्रथम, जयपुर द्वितीय एवं सीकर के अन्तर्गत सा.न्या. एवं अधिकारिता विभाग, राष्ट्रीय आयुष मिशन एवं कृ.उ.म.स. के जिला अजमेर, ब्यावर, डिडवाना-कुचामन, नागौर, जयपुर, कोटपुतली-बहरोड़, झुन्झुनूं एवं सीकर में विभिन्न निर्माण कार्यों हेतु ऑनलाईन बिड ई-प्रोक्यूरमेन्ट के माध्यम से उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत बिडर्स से आमंत्रित की जाती है। बिड से संबंधित विस्तृत विवरण वेबसाईट http://agriculture.rajasthan.gov.in/rsamb एवं sppp.raj.nic.in (UBN No. AGM2627WSOB00963 to 982) पर भी दिनांक 06.11.2026 से देखा जा सकता है।

राज.संवाद/सी/26/12570 अधिशाषी अभियंता

अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

टोडरमल लेन, सिविल लाईन्स, अजमेर, Email :- ajmerada@gmail.com, Website :- www.rajasthan.gov.in/ada, Tel.No. :- 0145-2627748-2627749

अविप्रा

क्रमांक :- अविप्रा/प.2/तकनीकी/2026-27/राजकाज 25205844 दिनांक :- 26/10/2026

ई-निविदा सूचना संख्या 32/2026-27

अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर की ओर से विभिन्न कार्यो अनुमानित लागत राशि 244.57 लाख की ई-निविदा क्रम संख्या (1 – 2) दिनांक 05.11.2026 एवं क्रम संख्या (3 – 4) दिनांक 02.11.2026 सांय 06:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित समस्त विवरण वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in एवं http://sppp.raj.nic.in http://www.urban.rajasthan.gov.in/ada पर देखा जा सकता है।

UBN No. : AJD2627SLOB00168, AJD2627WSOB00167, 00169 AJD2627WSRC00170

अधिशाषी अभियन्ता अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

राज.संवाद/सी/26/12569

कार्यालय नगर परिषद् बांसवाडा (राज.)

फोन : 02962-243714, 247201, फैक्स : 02962-243714 Email Id :palika.bsw@gmail.com

क्रमांक : एफ 5( )निर्माण/न.प.बा./2026-2027/6715 दिनांक : 23.10.2026

निविदा सूचना स. 18/2025-26

(NIB NO. DLB2627A9146)

सक्षम स्तर पर पंजीकृत संवेदक से कुल 02 निर्माण कार्य जिसकी कुल लागत 33.00 लाख हेतु ऑनलाईन निविदा डाउनलोड की अवधि दिनांक 26/10/2026 प्रातः 9 बजे एवं दिनांक 04/11/2026 सांय 6.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदा संबंधित अन्य शर्ते एवं विवरण पोर्टल https://sppp.rajasthan.gov.in एवं http://eproc.rajsthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

UBN No. DLB2627SLOB23156, DLB2627GLOB23158

राज.संवाद/सी/26/12596 आयुक्त, नगर परिषद, बाँसवाड़ा

कार्यालय नगरपालिका मण्डल सांभर लेक, जिला-जयपुर

क्रमांक/न.पा.सां./निर्माण शाखा/2026-27/2034 दिनांकः-22.10.2026

ई-बोली सूचना (16/2026-27)

नगर पालिका सांभरलेक द्वारा जारी निविदा सूचना में उपयुक्त श्रेणी के संवेदको एवं विभिन्न अभियान्त्रिकी विभाग के संबंधित श्रेणी ''A''AA'' श्रेणी में पंजीकृत संवेदको एवं स्वायत्त शासन विभाग में पंजीकृत उपयुक्त श्रेणी के संवेदको से, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदको के समकक्ष हो, उनके निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्युरमेन्ट प्रकिया हेतु ऑन-लाईन बोली आमंत्रित की जाती है, बोली फार्म एवं ई-बोली से सम्बन्धित विवरण व शर्ते वेब साईट www.sppp.rajasthan.gov.in व www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

NIB Code:- DLB2627WSOB22972, DLB2627WSOB22973, DLB2627WSOB22977, DLB2627WSOB22978, DLB2627WSOB22979

अध्यक्ष नगर पालिका मण्डल सांभर लेक। अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका मण्डल सांभर लेक।

राज.संवाद/सी/26/12592

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड-प्रथम सवाई माधोपुर

क्रमांकः 1301-1456 दिनांकः 09.10.2026

ई-निविदा सूचना संख्या : 16/2026-27 खण्ड-प्रथम सवाई माधोपुर

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से खण्ड कार्यालय के अधीन उपखण्डो में वार्षिक दर अनुबंध के आधार पर सड़क मरम्मत कार्य एवं सडकों पर सेफ्टी कार्य निर्माण कार्य हेतु उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान एवं राज्य सरकार के अन्य विभागों तथा केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवं दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के यथोचित श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से कार्यों हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में प्राप्त की जावेगी। निविदा से संबंधित विवरण बेवसाईट साईट www.dipronline.org व www.sppp.rajasthan.gov.in एवं www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

UBN NO. :-
1. PWD2627WSOB15030
2. PWD2627WSOB15031

अधिशाषी अभियन्ता सा.नि.वि. खण्ड-प्रथम सवाई माधोपुर

DIPR/C/18037/2026

22 लाख रु. देकर एफएमजी परीक्षा का फर्जी प्रमाण पत्र बनवाने वाला गिरफ्तार

दौसा में की थी इंटर्नशिप, एसओजी ने बानसूर निवासी राकेश यादव को गिरफ्तार किया

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । विदेश से एमबीबीएस करने के बाद एफएमजी स्क्रीनिंग परीक्षा उत्तीर्ण किए बिना फर्जी प्रमाण पत्र के आधार पर राजस्थान मेडिकल काउंसिल (आरएमसी) में पंजीयन कराने और इंटर्नशिप करने के मामले में स्पेशल ऑपरेशन्स ग्रुप (एसओजी) ने एक और आरोपी राकेश कुमार यादव (32) को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि उसने 22 लाख रुपए देकर दिसंबर 2023 की एफएमजी परीक्षा का फर्जी प्रमाण पत्र बनवाया और दौसा के राजकीय मेडिकल कॉलेज में इंटर्नशिप शुरू कर दी थी।

एसओजी के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक विशाल बंसल ने बताया कि इस संबंध में एसओजी थाने में 4 फरवरी 2026 को प्रकरण दर्ज किया गया था। विदेश से एमबीबीएस करने वाले अभ्यर्थियों के लिए भारत में पंजीयन से पहले निर्धारित एफएमजी स्क्रीनिंग परीक्षा उत्तीर्ण करना आवश्यक है।

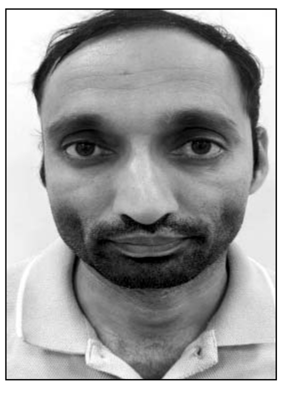

तीन बार परीक्षा दी, लेकिन उत्तीर्ण नहीं

जांच के अनुसार कोटपूतली-बहरोड़ जिले के बानसूर निवासी राकेश कुमार यादव ने वर्ष 2011 में 12वीं पास करने के बाद जयपुर के कूकस स्थित नर्सिंग कॉलेज से चार वर्षीय जीएनएम पाठ्यक्रम किया। इसके बाद वर्ष 2017 में ताजिकिस्तान के अविसेना मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस में प्रवेश लिया और वर्ष 2022 में भारत लौट आया।

- **एसओजी ने इस मामले में 100 से अधिक कथित फर्जी अभ्यर्थी चिह्नित किए**

जयपुर में तैयारी के दौरान उसने राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड, नई दिल्ली की ओर से आयोजित एफएमजी स्क्रीनिंग परीक्षा दिसंबर 2022, जून 2023 और दिसंबर 2023 में दी, लेकिन सफल नहीं हो सका। आरोप है कि इसके बाद उसने अलवर निवासी नफीस खान और दौसा निवासी शुभम गुर्जर के माध्यम से 22 लाख रुपए देकर दिसंबर 2023 की परीक्षा का फर्जी प्रमाण पत्र बनवाया।

दौसा मेडिकल कॉलेज में शुरू की इंटर्नशिप

एसओजी के अनुसार राकेश ने कथित फर्जी प्रमाण पत्र के आधार पर राजस्थान मेडिकल काउंसिल में आवेदन किया। पंडित नवल किशोर शर्मा राजकीय मेडिकल कॉलेज, दौसा में इंटर्नशिप आवंटित होने के बाद उसने इंटर्नशिप शुरू कर दी और आरएमसी जयपुर में अस्थायी पंजीयन के लिए आवेदन किया।

फर्जी प्रमाण पत्र के आधार पर इंटर्नशिप करने से संबंधित खबरें प्रकाशित होने के बाद उसने इंटर्नशिप छोड़ दी थी। इस मामले में सह-आरोपी शुभम गुर्जर पहले ही गिरफ्तार हो चुका है, जबकि नफीस खान फरार है। पुलिस के अनुसार नफीस ने भी कथित तौर पर अपना फर्जी प्रमाण पत्र बनवाया था।

100 से अधिक कथित फर्जी अभ्यर्थी चिह्नित

मामले की जांच कर रहे एसओजी के पुलिस उपाधीक्षक जितेंद्र नावरिया की टीम अब तक 100 से अधिक कथित फर्जी अभ्यर्थियों को चिह्नित कर चुकी है। एसओजी के अनुसार, इस प्रकरण में राजस्थान मेडिकल काउंसिल के तत्कालीन रजिस्ट्रार सहित कुल 37 लोगों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है।

एसओजी अधीक्षक सतनाम सिंह ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में विदेश से एमबीबीएस करने वाले 32 अभ्यर्थी, आरएमसी के तत्कालीन रजिस्ट्रार डॉ. राजेश शर्मा, यूडीसी अखिलेश माथुर, एलडीसी फरहान हसन, मुख्य आरोपी भानाराम माली और एक दलाल शामिल हैं। जांच में सामने आया कि मुख्य आरोपी भानाराम माली और उसके साथी शुभम गुर्जर, इन्द्रराज गुर्जर सहित अन्य लोगों ने कथित तौर पर फर्जी प्रमाण पत्र बनवाने और आरएमसी में पंजीयन कराने के लिए प्रति अभ्यर्थी 20 से 30 लाख रुपए तक वसूले। एसओजी राकेश यादव से पूछताछ कर मामले में अन्य आरोपियों और कथित फर्जीवाड़े से जुड़े पहलुओं की जांच कर रही है।

आवारा कुत्तों के मामले में दिए गए निर्देशों की पालना में क्या कदम उठाए? : हाईकोर्ट

अदालत ने अतिरिक्त मुख्य सचिव से 5 नवंबर तक शपथ पत्र के साथ जानकारी मांगी

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट ने राज्य सरकार से पूछा है कि सुप्रीम कोर्ट की ओर से आवारा कुत्तों को लेकर जारी किए गए दिशा-निर्देशों की पालना के लिए क्या कदम उठाए?

अदालत ने इस संबंध में विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव को 5 नवंबर तक शपथ पत्र पेश करने को कहा है। अदालत ने कहा कि यदि शपथ पत्र पेश नहीं किया गया तो एसीएस अदालत में हाजिर होकर अपना जवाब दें। सीजे संजय के. अग्रवाल और जस्टिस समीर जैन की खंडपीठ ने यह आदेश सुप्रीम कोर्ट की पालना में लिए स्वप्रेरित प्रसंज्ञान पर सुनवाई करते हुए दिए। इसके साथ ही अदालत में समान मुद्दे पर दायर चार अन्य याचिकाओं को इस स्वप्रेरित प्रसंज्ञान में शामिल करते हुए उनका निस्तारण कर दिया है।

न्यायमित्र अधिवक्ता प्रतीक कासलीवाल ने कहा कि अदालत ने आवारा कुत्तों को बस स्टैंड व रोड सहित अन्य सार्वजनिक जगहों से हटाने के लिए कहा था। इसके साथ ही एंटी रेबीज टीके लगाने के साथ ही कुत्तों के काटने की घटनाओं को रोकने के लिए कदम उठाए को कहा था। ये घटनाएं इंसानों, खासकर बच्चों और बुजुर्गों की जान के लिए खतरा बन सकती हैं। इसलिए राज्य अधिकारी और राज्य कानूनी सेवा प्राधिकरण, नगर निगम और पशु चिकित्सा विभाग के साथ मिलकर, जमीनी स्तर पर ऐसी स्थितियों से निपटने के तरीकों के बारे में लोगों को जागरूक करने और निगरानी रखने के लिए कदम उठाए। न्यायमित्र ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों की प्रभावी पालना नहीं हुई है।

इस पर अदालत ने राज्य सरकार से इस संबंध में उठाए गए कदमों की जानकारी देते हुए शपथ पत्र पेश करने को कहा है। वहीं शपथ पत्र नहीं देने पर अदालत ने संबंधित एसीएस को हाजिर होने को कहा है। गौरतलब है कि गत दिनों सुप्रीम कोर्ट ने आवारा कुत्तों को लेकर राज्य सरकार को दिशा-निर्देश जारी किए थे और हाईकोर्ट को निर्देश दिए थे कि वह प्रकरण को स्वप्रेरित प्रसंज्ञान के तौर पर दर्ज कर मामले की मॉनिटरिंग करे।

'भूखंड पर स्टे के बावजूद निर्माण का आरोप, विरोध पर महिला से मारपीट'

जयपुर (कासं)। जयपुर जिले के मौजमाबाद क्षेत्र में कोर्ट स्टे के बावजूद एक भूखंड पर निर्माण कार्य को लेकर विवाद सामने आया है। पीड़िता परवीना बानो ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को पत्र लिखकर पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाएं है। पीड़िता का कहना है कि न्यायालय से यथास्थिति बनाए रखने का आदेश होने के बावजूद दूसरे पक्ष द्वारा विवादित जमीन पर निर्माण कार्य कराया जा रहा है। विरोध करने पर उसके और परिवार के सदस्यों के साथ मारपीट की गई। पीड़िता ने पुलिस पर शिकायत के बावजूद प्रभावी कार्रवाई नहीं करने का आरोप लगाते हुए निर्माण कार्य रुकवाने और आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है। मुख्यमंत्री को भेजे गए प्रार्थना पत्र के अनुसार, मौजमाबाद थाना क्षेत्र में स्थित विवादित भूखंड पर 3 सितंबर 2026 को निर्माण सामग्री डाली गई थी। पीड़िता का आरोप है कि 8 सितंबर को उसकी जमीन की सीमा पर लगी छड़ियों और दीवार को हटाकर जबरन निर्माण करने का प्रयास किया गया। विरोध करने पर उसके साथ मारपीट की गई। पीड़िता का कहना है कि उसने इस संबंध में मौजमाबाद थाने में शिकायत दी, लेकिन उसकी रिपोर्ट दर्ज करने के बजाय दोनों पक्षों को पुलिस ने पाबंद कर दिया। पीड़िता ने अपने पत्र में बताया कि विवादित भूखंड को लेकर सिविल न्यायालय में मामला विचाराधीन है। उसके अनुसार, 29 सितंबर 2026 को न्यायालय ने विवादित स्थल पर निर्माण नहीं करने और मौके की यथास्थिति बनाए रखने का आदेश जारी किया था।

1400 किलो सड़े-गले और कीडे लगे बादाम सीज

जयपुर (कासं)। खाद्य सुरक्षा टीम ने सीतापुरा औद्योगिक क्षेत्र स्थित केशव कोल्ड स्टोरेज में कार्रवाई कर करीब 1400 किलो सड़े-गले और कीड़े लगे बादाम सीज किए। यह स्टॉक दीपावली पर मिठाइयों में इस्तेमाल होने वाली बादाम कटिंग तैयार करने के लिए मंगवाया गया था। खाद्य सुरक्षा टीम ने बादाम का नमूना लेकर शेष स्टॉक जांच रिपोर्ट आने तक सीज कर दिया।

सीएमएचओ जयपुर द्वितीय डॉ. मनीष मित्तल ने बताया कि अतिरिक्त मुख्य सचिव गायत्री राठौड़ और खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण आयुक्त अविचल चतुर्वेदी के निर्देश पर विशेष अभियान के तहत देर रात यह कार्रवाई की गई। निरीक्षण के दौरान कोल्ड स्टोरेज में बिना लेबल वाले प्लास्टिक के 35 कट्टों में बादाम भरे मिले। रिकॉर्ड की जांच में सामने आया कि यह स्टॉक चांदपोल बाजार स्थित बारह जी की गली की फर्म मैसर्स मित्तल ट्रेडिंग कंपनी ने रखवाया था।

टीम ने कट्टे खोलकर जांच की तो बादाम सड़े-गले और खराब मिले। उनमें कीडे भी लगे हुए थे। रिकॉर्ड के आधार पर फर्म के प्रोपराइटर अनिल कुमार गुप्ता को मौके पर बुलाया गया।

उनकी मौजूदगी में खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत नमूना लिया गया और करीब 1400 किलो बादाम सीज कर दिए गए। प्रोपराइटर ने टीम को बताया कि बादाम खुदरा में नहीं बेचे जाते, बल्कि उनकी धुलाई और मशीन से कटिंग करके बादाम कटिंग के रूप में बिक्री की जाती है। यह स्टॉक विशेष रूप से दीपावली पर मिठाइयों में इस्तेमाल के लिए मंगवाया गया था। प्रोपराइटर ने बादाम की कीमत 500 रुपए प्रति किलो बताई। इस हिसाब से सीज किए गए स्टॉक की बताई गई कीमत करीब 7 लाख रुपए है।

राजीविका दिवाली मेले में 100 स्वयं सहायता समूहों के उत्पाद बने आकर्षण

जयपुर । इंदिरा गांधी पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास संस्थान जयपुर में बुधवार को राजीविका दिवाली मेला-2026 का शुभारंभ हुआ। संस्थान के महानिदेशक डॉ. नीरज कुमार पवन ने दीप प्रज्ज्वलित कर मेले का उद्घाटन किया। इस अवसर पर राजीविका की राज्य मिशन निदेशक प्रियंका गोस्वामी, परियोजना निदेशक (प्रशासन) प्रीति सिंह और राजीविका के अधिकारी उपस्थित रहे।

28 अक्टूबर से 4 नवंबर तक चलने वाले आठ दिवसीय मेले में स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं द्वारा तैयार हस्तनिर्मित उत्पाद, पारंपरिक खाद्य सामग्री और राजस्थानी व्यंजन बिक्री के लिए उपलब्ध हैं। मेले का समय प्रतिदिन सुबह 10 बजे से रात 9 बजे तक रहेगा। मेले में कोटा डोरिया, मोडल सिल्क, अजरख प्रिंट, पारंपरिक कशीदाकारी, मीनाकारी की वस्तुएं, मिट्टी की कलाकृतियां और चमड़े के हस्तनिर्मित उत्पाद आकर्षण का केंद्र हैं। दिवाली की खरीदारी के लिए यहां परिधान, सजावटी वस्तुओं और उपहारों के विभिन्न विकल्प उपलब्ध हैं।

मेले में कुल 100 स्वयं सहायता समूहों की भागीदारी प्रस्तावित है। इनमें

इंदिरा गांधी पंचायती राज संस्थान में बुधवार को राजीविका दिवाली मेले का शुभारंभ संस्थान के महानिदेशक डॉ. नीरज कुमार पवन ने दीप प्रज्जवलन के साथ किया।

40 समूह हैंडलूम, 40 हस्तशिल्प, 10 प्राकृतिक खाद्य उत्पाद और 10 प्रत्यक्ष खाद्य परोसने की श्रेणी से जुड़े हैं। खाद्य उत्पादों में अचार, पापड़ सहित अन्य पारंपरिक सामग्री उपलब्ध है। वहीं, राजस्थानी थाली, दाल-बाटी चूरमा और केर-सांगरी जैसे व्यंजनों के जरिए प्रदेश के पारंपरिक स्वाद का अनुभव भी लिया जा सकता है। मेले का उद्देश्य ग्रामीण महिला उद्यमियों को बाजार उपलब्ध कराना, उनके उत्पादों की पहचान बढ़ाना और बिक्री के नए अवसर प्रदान करना है। इसके माध्यम से स्वयं सहायता समूहों की महिलाएं सीधे ग्राहकों तक पहुंचकर अपने उत्पादों का प्रदर्शन और विपणन कर सकेंगी। यह आयोजन दिवाली की खरीदारी को स्थानीय हस्तशिल्प, पारंपरिक उत्पादों और महिला उद्यमिता से जोड़ने का मंच बना है।

सार-समाचार

"रवि पुष्य" नक्षत्र में खरीददारी के लिए दुपहिया वाहनों की बुकिंग कर रहे ग्राहक

जयपुर । त्योहारी सीजन के बीच 1 नवंबर को रवि पुष्य नक्षत्र का शुभ संयोग खरीदारी की योजना बना रहे ग्राहकों के लिए खास अवसर लेकर आएगा। भारतीय परंपरा में रवि पुष्य नक्षत्र को खरीदारी और नई शुरुआत के लिए शुभ माना जाता है। ऐसे में लंबे समय से बाइक, स्कूटर और कार खरीदने की योजना बना रहे लोग नया वाहन घर लाने की तैयारी में जुटे हैं। हीरो मॉटोकॉर्प के अनुसार शोरूम में ग्राहक अभी से पहुंचकर अपने पसंदीदा टू-व्हीलर की बुकिंग करवा रहे हैं। आज दुपहिया वाहन दैनिक आवागमन का अहम साधन बन चुका है, नौकरीपेशा युवाओं, विद्यार्थियों और परिवारों के लिए बाइक व स्कूटर सुविधाजनक विकल्प हैं। ग्राहक अपनी जरूरत और बजट के अनुसार बेहतर माइलेज वाली कम्यूटर बाइक, 125 सीसी मोटरसाइकिल या आधुनिक सुविधाओं से युक्त स्कूटर चुन रहे है।

4 दिन पहले रखा नौकर निकला चोर

जयपुर । श्याम नगर थाना पुलिस ने घर से चांदी के बर्तन चोरी करने के मामले का खुलासा करते हुए आरोपी नौकर को गिरफ्तार किया है। आरोपी बिहार भागने की फिराक में था, लेकिन पुलिस ने उसे इससे पहले ही पकड़ लिया। पुलिस ने उसके कब्जे से चोरी किए गए चांदी के सभी बर्तन बरामद कर लिए हैं। पुलिस उपायुक्त (जयपुर दक्षिण) राजर्षि राज ने बताया कि श्याम नगर निवासी बृजमोहन मोदी ने मामला दर्ज करवाया था कि उन्होंने 21 अक्टूबर को विष्णु नाम के युवक को घर पर नौकर रखा था। आरोप है कि 24 अक्टूबर को वह घर में रखे चांदी के दो जग, दो गिलास, एक प्लेट और दो ढक्कन चोरी कर ले गया। इस मामले की गंभीरता को देखते हुए थानाधिकारी हरि सिंह दूधवाल के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। पुलिस टीम ने सूचना और तकनीकी सहायता से कार्रवाई करते हुए आरोपी विष्णु कुमार को गिरफ्तार किया। जो बिहार के बांका जिले के फुल्लीडुमर थाना क्षेत्र के अमझर लेटवा गांव का निवासी है। पूछताछ के बाद उसके कब्जे से चोरी किए गए चांदी के दो जग, दो गिलास, एक प्लेट और दो ढक्कन बरामद कर लिए गए। पुलिस के अनुसार आरोपी बिहार भागने की तैयारी में था।

जानलेवा हमले के 3 आरोपी गिरफ्तार

जयपुर । मालवीय नगर पुलिस ने लूट के इरादे से युवक पर डंडों और सरियों से जानलेवा हमला कर बैग लूटने के मामले में तीन इनामी बदमाशों को गिरफ्तार किया है। प्रत्येक आरोपी की गिरफ्तारी पर 5 हजार रुपए का इनाम घोषित था। पुलिस आरोपियों से अन्य वारदातों और आपराधिक गतिविधियों के संबंध में पूछताछ कर रही है। पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व रंजीता शर्मा ने बताया कि मालवीय नगर थाना पुलिस ने लूट के इरादे से युवक पर डंडों और सरियों से जानलेवा हमला कर बैग लूटने के मामले में मुबारक अली (19) निवासी श्रीरामपुरी कॉलोनी झोटवाड़ा, नितिन कुमार उर्फ छोटू (21) निवासी बिदायका और कुलदीप मीना उर्फ गोलू (23) निवासी हसनपुरा जयपुर को गिरफ्तार किया है। थानाधिकारी गौरव प्रधान ने बताया कि प्रताप नगर निवासी राहुल अरोड़ा ने मालवीय नगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसका भाई सचिन अरोड़ा कार्यालय से काम पूरा कर मोटरसाइकिल से जगतपुरा स्थित घर जा रहा था। इस दौरान प्रधान मार्ग पर अज्ञात बदमाशों ने उसकी मोटरसाइकिल को टक्कर मारकर गिरा दिया और लूट के इरादे से डंडों व सरियों से हमला कर दिया। हमलावर उसका बैग लूटकर फरार हो गए। बैग में मोबाइल और नकदी थी। हमले में सचिन का एक हाथ फ्रैक्चर हो गया और एक आंख की रोशनी चली गई। पुलिस ने इस संबंध में प्रकरण दर्ज कर आरोपियों को गिरफ्तार किया।

541 मंदिरों में होगा 5 दिवसीय दीपोत्सव

जयपुर । मुख्यमंत्री की बजट घोषणा के तहत दीपावली पर प्रदेशभर में पांच दिवसीय दीपोत्सव के आयोजन के लिए देवस्थान विभाग ने 800.85 लाख रुपये (8 करोड़ रुपये) की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति जारी की है। विभाग के अधीन 541 मंदिरों में विशेष सजावट और आरती के कार्यक्रम भव्यता से आयोजित किए जाएंगे। शासन सचिव देवस्थान विभाग शुचि त्यागी ने बताया कि यह स्वीकृति बजट घोषणा के क्रियान्वयन के तहत जारी की गई है। आयुक्त देवस्थान विभाग प्रज्ञा केवलरमानी के अनुसार, आयोजन में 352 प्रत्यक्ष प्रभार और 188 आत्मनिर्भर श्रेणी के मंदिर शामिल हैं।

देवनानी ने समझाई संसदीय परम्पराएं

जयपुर । राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी की पहल पर शुरू हुए विधान सभा जनदर्शन के तहत बुधवार को महारानी महाविद्यालय की छात्राओं ने विधानसभा के सदन, भवन और राजनैतिक आख्यान संग्रहालय को देखा। छात्राओं ने देवनानी से विधानसभा की कार्यप्रणाली व संसदीय परंपराओं को समझा। उन्होंने छात्राओं को लोकतांत्रिक मूल्यों, संविधान की गरिमा और जिम्मेदार नागरिक बनने की प्रेरणा दी। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने छात्राओं से संवाद के दौरान पूछा कि उनमें से कौन-कौन भविष्य में विधायक बनकर विधानसभा तक पहुँचना चाहती हैं। उनके इस प्रश्न ने छात्राओं में जनप्रतिनिधित्व एवं लोकतांत्रिक व्यवस्था के प्रति जिज्ञासा को प्रोत्साहित किया।

दर्शकों का दिल जीत रही फिल्म 'धूड़'

जयपुर । राजस्थानी भाषा की फिल्म 'धूड़' देशभर के सिनेमाघरों में रिलीज के बाद दर्शकों का ध्यान आकर्षित कर रही है। राजस्थानी भाषा, संस्कृति, परंपराओं और मिट्टी से जुड़े भावनात्मक पहलुओं को प्रस्तुत करने वाली इस फिल्म को सकारात्मक प्रतिक्रियाएं मिल रही हैं। फिल्म में हिंदी सिनेमा के जाने-माने अभिनेता यशपाल शर्मा और अभिनेत्री अलका अमीन मुख्य भूमिकाओं में हैं। इनके साथ विवेक पारीक, प्रवीण चौधरी, वानिक्की त्यागी और भवानी सिंह चौहान भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आ रहे हैं। विवेक पारीक इस फिल्म के जरिए मुख्य अभिनेता के रूप में दर्शकों के सामने आए हैं। फिल्म में राजस्थानी समाज, सांस्कृतिक मूल्यों और जीवन से जुड़े भावनात्मक पहलुओं को पर्दे पर उतारने का प्रयास किया गया है। पैन-इंडिया स्तर पर रिलीज के साथ 'धूड़' राजस्थानी भाषा की कहानियों को देशभर के दर्शकों तक पहुंचाने की पहल कर रही है। इसे राजस्थानी सिनेमा के विस्तार और क्षेत्रीय भाषा की फिल्मों के लिए नई संभावनाओं के रूप में देखा जा रहा है।

अलवर में नाबालिग से गैंगरेप के 4 आरोपियों की उम्रकैद की सजा रद्द

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट ने अलवर में नाबालिग का अपहरण कर गैंगरेप के आरोप में आजीवन कारावास की सजा काट रहे याचिकाकर्ताओं को दोषमुक्त करते हुए मिली सजा को रद्द कर दिया है। जस्टिस महेन्द्र गोयल और जस्टिस भुवन गोयल की खंडपीठ ने यह आदेश सावन व अन्य की अपील पर सुनवाई करते हुए दिए।

- **अदालत ने पुलिस जांच पर टिप्पणी करते हुए कहा कि इस संवेदनशील मामले का अनुसंधान बेहद गैर जिम्मेदार तरीके से किया गया। अभियोजन पक्ष यह भी साबित करने में असफल रहा कि पीडिता घटना के समय नाबालिग थी।**

अदालत ने पुलिस जांच पर टिप्पणी करते हुए कहा कि इस संवेदनशील मामले का अनुसंधान बेहद गैर जिम्मेदार तरीके से किया गया। अभियोजन पक्ष यह भी साबित करने में असफल रहा कि पीडिता घटना के समय नाबालिग थी। अदालत ने पीडिता के बयानों में विरोधाभास, डीएनए रिपोर्ट पर संदेह और पीडिता के उम्र पर संदेह जताते हुए याचिकाकर्ताओं को बरी किया है। अदालत ने कहा कि पीडिता ने लिखित शिकायत में बाडे और नदी के पास गैंगरेप की बात कही, लेकिन कोर्ट में चलती गाडी में दुष्कर्म का बयान दिया। इसके अलावा पहले चारों के एक साथ रेप करने का बयान दिया और बाद में बयान बदल कर कहा कि दो लोगों ने बार में रेप किया। इसके अलावा मेडिकल रिपोर्ट के अनुसार उसके प्राइवेट पार्ट पर मामूली खरोंच थी, जो सेनेटरी पैड के कारण भी आ सकती है। सबसे बडी बात यह कि चिकित्सक की राय में भी रेप नहीं था।

अपील में अधिवक्ता राजीव सुराणा ने कहा कि पीडिता की मार्कशीट में दर्ज जन्मतिथि स्कूल में प्रवेश आवेदन पत्र से ली गई थी। ऐसे में यदि मूल आवेदन पत्र में जन्मतिथि दर्ज करने का आधार प्रमाणित नहीं हुआ तो उनके आधार पर मार्कशीट और टीसी से जन्मतिथि प्रमाणित नहीं हो सकती। इसके साथ ही मेडिकल रिपोर्ट और पीडिता के बयान भी विरोधाभासी है। इसलिए निचली अदालत के आदेश को रद्द किया जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए खंडपीठ ने अपीलार्थियों को दी गई सजा को रद्द कर दिया है।

मामले के अनुसार अलवर के पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। जिसमें कहा गया कि 27 सितंबर, 2019 की रात चार आरोपी पीडिता को घर से वाहन में ले गए।

उन्होंने गांव की नदी के पास उसके साथ रेप किया और वीडियो बना लिया। इसके बाद उसे घर के पास छोड दिया गया। मामले में अलवर की एडीजे कोर्ट ने आरोपियों को उम्रकैद की सजा सुनाई थी।

सफेद कोट मरीज के विश्वास और आशा का प्रतीक : वी. श्रीनिवास

जयपुर । राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय (आरयूएचएस) में बुधवार को एमबीबीएस बैच-2026 के नवप्रवेशित विद्यार्थियों का व्हाइट कोट एवं कैडेवरिक शपथ समारोह आयोजित किया गया। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने कहा कि सफेद कोट केवल परिधान नहीं, बल्कि मरीज के विश्वास, आशा और चिकित्सक के समर्पण का प्रतीक है। चिकित्सा पेशे में मरीज का कल्याण सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डिजिटल तकनीक के दौर में भी मानवीय संवेदना जरूरी है। सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता; उत्कृष्टता के लिए निरंतर अध्ययन, अनुशासन और कड़ी मेहनत आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों को योग, ध्यान, व्यायाम और खेलकूद को दिनचर्या में शामिल करने की सलाह दी। श्रीनिवास ने कहा कि वर्ष 2047 तक 'विकसित राजस्थान' और 'सबके लिए स्वास्थ्य' के लक्ष्य में युवा चिकित्सकों की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं का उल्लेख करते हुए

आरयूएचएस में एमबीबीएस बैच-2026 के शपथ ग्रहण समारोह में पहुंचे मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने नए चिकित्सकों से हाथ मिलाकर बधाई दी।

उन्होंने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में टीकाकरण एवं प्रसवपूर्व देखभाल पर जोर दिया। शोध के लिए 'द लैंसेट' और राष्ट्रीय चिकित्सा विज्ञान अकादमी के प्रकाशनों का अध्ययन करने तथा प्रख्यात चिकित्सक डॉ. बी. राममूर्ति से प्रेरणा लेने की सलाह दी। चिकित्सा शिक्षा विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि चिकित्सा में गहन अध्ययन और जिम्मेदारी जरूरी है। उन्होंने मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य (मा) योजना के तहत 25 लाख रुपये तक के निःशुल्क उपचार, दवाइयों और जांच सुविधाओं का उल्लेख करते हुए समाज के अंतिम व्यक्ति तक गुणवत्तापूर्ण उपचार पहुंचाने का आव्हान किया। समारोह में आरयूएचएस के प्राचार्य डॉ. मनीष ग्रोवर, वरिष्ठ चिकित्सक, संकाय सदस्य, रेजिडेंट चिकित्सक, विद्यार्थी और अभिभावक उपस्थित रहे।

'राजस्थान में देश की पहली सोडियम-आयन बैटरी परियोजना की तैयारी'

250 किलोवाट/250 किलोवाट-घंटा क्षमता के पायलट प्रोजेक्ट के लिए जयपुर डिस्कॉम ने जारी किया प्रस्ताव आमंत्रण

जयपुर (कासं)। राजस्थान में स्वच्छ ऊर्जा और विद्युत वितरण नेटवर्क को मजबूत बनाने के लिए देश की पहली वितरण ट्रांसफॉर्मर स्तर की सोडियम-आयन बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली की पायलट परियोजना शुरू की जाएगी। विद्युत वितरण निगमों की राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस के दूसरे दिन जयपुर डिस्कॉम और ग्लोबल एनर्जी एलायंस फॉर पीपल एंड प्लैनेट (जीईएपीपी) ने जयपुर के के.एल. सैनी स्टेडियम में 250 किलोवाट/250 किलोवाट-घंटा क्षमता की परियोजना के लिए प्रस्ताव आमंत्रण (आरएफपी) जारी किया।

परियोजना जयपुर के मानसरोवर क्षेत्र में स्थानीय स्तर पर बिजली की अधिकतम मांग

डिस्कॉम्स अध्यक्ष आरती डोगरा (बायें)

का प्रबंधन करने और छतों पर लगे सौर ऊर्जा संयंत्रों से उत्पादित बिजली का बेहतर उपयोग सुनिश्चित करने में सोडियम-आयन बैटरी की

- **पीक डिमांड प्रबंधन और रूफटॉप सौर ऊर्जा के बेहतर उपयोग का होगा परीक्षण**

क्षमता का आकलन करेगी। इसके जरिए यह भी परखा जाएगा कि उपभोक्ताओं के नजदीक वितरण ट्रांसफॉर्मर पर बैटरी भंडारण प्रणाली लगाने से अधिकतम मांग के दौरान निर्बाध बिजली आपूर्ति में कितनी मदद मिलती है। साथ ही, प्रचलित लिथियम-आयन बैटरियों के विकल्प के रूप में इस तकनीक की उपयोगिता जांची जाएगी।

परियोजना के तहत जयपुर डिस्कॉम स्थान, तकनीकी कार्मिक और संचालन संबंधी आंकडे उपलब्ध कराएगा। वहीं, जीईएपीपी प्रणाली के डिजाइन, प्रदर्शन की निगरानी, तकनीकी सहयोग और डिस्कॉम अभियंताओं के प्रशिक्षण की जिम्मेदारी निभाएगा। दोनों संस्थाएं परियोजना के निष्कर्ष अन्य विद्युत वितरण कंपनियों के साथ साझा करेंगी।

ऊर्जा शासन सचिव एवं राजस्थान डिस्कॉम्स की अध्यक्ष आरती डोगरा ने कहा कि बिजली की मांग बढ़ने का सबसे शुरुआती प्रभाव वितरण ट्रांसफॉर्मर पर दिखाई देता है। यह परियोजना राजस्थान की जलवायु परिस्थितियों में ऊर्जा भंडारण तकनीक की प्रभावशीलता जांचने, सौर ऊर्जा को संग्रहित करने और वितरण नेटवर्क पर दबाव कम करने में सहायक होगी।

जीईएपीपी की कंट्री हेड तान्या सिंघल ने कहा कि भविष्य में भारतीय विद्युत ग्रिड में ऊर्जा भंडारण की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। राजस्थान में वास्तविक परिस्थितियों के दौरान सोडियम-आयन तकनीक का परीक्षण डिस्कॉम को वास्तविक आंकड़ों के आधार पर निर्णय लेने में मदद करेगा।

उन्होंने परियोजना से प्राप्त अनुभव देशभर की वितरण कंपनियों के साथ साझा करने की बात कही। जीईएपीपी एक वैश्विक गैर-लाभकारी संस्था है, जो स्वच्छ ऊर्जा और आर्थिक अवसरों को बढ़ावा देने के लिए सार्वजनिक, निजी और परोपकारी संस्थाओं के बीच साझेदारी विकसित करती है।

Celebrating a Healthy Start

National Oatmeal Day, observed every October 29, honours one of the healthiest and most versatile breakfast foods. Oats are rich in fibre, vitamins, and minerals, making them an excellent choice for heart health, digestion, and sustained energy. From classic porridge to overnight oats, smoothies, and baked treats, oatmeal can be enjoyed in countless delicious ways. On this day, nutritionists, chefs, and food enthusiasts encourage people to incorporate oats into their diets, share recipes, and discover new flavours. National Oatmeal Day is not just about food, it's about embracing a wholesome, nourishing start to the day.

#PREM GANAPATHY

From a Robbed Teen to a Global Dosa Empire

Returning home defeated was not an option. In that moment of crisis, he made a life-defining decision, he would stay in Mumbai and carve out his own destiny

On a crowded platform at Bandra station in 1990, a 17-year-old boy from Tamil Nadu stood lost and alone. He had arrived in Mumbai with just 200 in his pocket and a head full of hope, chasing the promise of a better life. But within moments of stepping into the bustling city, fate dealt him a harsh blow, he was robbed of his money and belongings. Stripped of everything he had, he found himself stranded in an unfamiliar place, with no plan, no contacts, and nowhere to go.

As he stood there, overwhelmed and uncertain, a stranger noticed his distress. The man, a fellow Tamilian, approached him with concern. Sensing the boy's helplessness, he took him to a nearby temple where they tried to collect money to send him back home to Chennai. It seemed like the most practical solution. But the boy refused. Returning home defeated was not an option. In that moment of crisis, he made a life-defining decision, he would stay in Mumbai and carve out his own destiny.

That boy was Prem Ganapathy.

With no resources and little experience, Prem began at the bottom. He found work in Mahim, cleaning dishes for a meager wage. The job was exhausting, but it gave him a foothold in the city. Determined to move forward, he took on multiple jobs at once, saving every rupee he could. Over time, he gathered enough to take a small but significant step, he hired a handcart, bought a stove and some basic utensils, and started selling food outside Vashi railway station. The journey was far from smooth. Authorities frequently seized his cart, disrupting his business and forcing him to start over again and again. But Prem's resolve never wavered. He invited his brothers to join him, and together, they built something stronger. They focused on maintaining hygiene and consistency, which gradually earned them a loyal customer base, especially among college students.

Innovation became their strength. Prem began experimenting with dosas, introducing unique flavours that appealed to a wide audience. What started as a simple food cart soon transformed into something much bigger. With the rise of the internet and growing exposure, their menu expanded rapidly, 26 varieties of dosas, including fusion options like Schezwan and paneer chili. By 2002, they were offering an astonishing 105 varieties.

But Prem's vision extended beyond a street cart. He dreamed of having a proper space, a place where his brand could grow. That dream took shape when he was offered a spot in Centre One Mall in Vashi. It marked a turning point. Soon after, in 2003, the brand began expanding through franchises. The first international outlet opened in New Zealand, followed by expansions into Dubai and Oman.

Today, Dosa Plaza stands as a testament to Prem Ganapathy's resilience and vision, with outlets spread across three continents. From a penniless teenager stranded on a railway platform to a global entrepreneur, his journey is a powerful reminder that determination, hard work, and the courage to persevere can turn even the bleakest beginnings into extraordinary success stories.

"Now, you are my prisoner"

Ritter and Jensen travelled together, but it would have been too dangerous to add the weight of a passenger to the sledge; only the driver could stand on the runners. There was no telling when a crack in the ice would plunge it into the Arctic waters beneath. Hermann Ritter, despite being the older man, had to journey alongside on foot. He was no stranger to polar travel but this was an especially grueling journey.

● Verna Mohon

Lieutenant Hermann Ritter, a 51-year-old, Austrian naval officer, reluctantly in the service of Nazi Germany, was exhausted, hungry and bone-achingly cold.

Six days previously, he, and his small command, had set out from their base at Hansa Bugt, situated on one of those frozen tendrils of land that fringe the north-east coast of Greenland, and headed south.

They had crossed treacherous ice fields and made their way along the trappers' trails that snaked around the feathering of frozen fjords. At times, these trails crossed the fjords directly. It was a perilous gamble to sledge over the frozen sea ice, but they did it.

Under Ritter's command were four German soldiers. Two travelled on a sledge hauled by a team of Greenland dogs, whilst the other two slogged on foot. A second sledge, heavily laden with supplies, was driven by a Danish hunter called Marius Jensen. By reputation, he was an exceptional dog musher. He was 31-years-old; 20 years younger than Ritter.

Ritter and Jensen travelled together, but it would have been too dangerous to add the weight of a passenger to the sledge; only the driver could stand on the runners. There was no telling when a crack in the ice would plunge it into the Arctic waters beneath. Hermann Ritter, despite being the older man, had to journey alongside on foot. He was no stranger to polar travel but this was an especially grueling journey.

His heavy wooden skis had weighty steel edges to bite into the ice when crossing frozen fjords. When traversing snow-covered hills, he strapped strips of sealskin to the undersides. These allowed the skis to slide forward but bristled against the snow to prevent sliding backward. Where the snow had drifted, he had to shoulder his skis and tramp, lifting his ice-heavy boots as high as he could, like a soldier marching on the spot, to plough through the snow. It was all grunting, unrelenting, hard work.

It was a far cry from the life Ritter had known years earlier, when the Arctic was a place of adventure rather than war.

At this time of year, daytime temperatures could rise to between -13°C and -7°C (8°F to 20°F), but at night, they dropped to around -25°C (-13°F). However, in the Arctic, April is known for its merciless winds, causing the wind chill factor to plummet to -40°C (-40°F). Adding to their discomfort was 20 hours of daylight, making it hard for the body to rest.

Trappers' huts, basic wooden cabins dotted every 12 miles or so along the coastal trails, offered some respite from the constant glare, the savage cold and the lacerating wind, but if supplies weren't to run out before they got to the next main station, travelers could stay only briefly. Ritter's patrol reached a trapper's hut at Myggebugten on April 18th, where they sheltered from a storm, and rested the dogs. Greenland dogs can travel from 6-8 hours a day. Depending on the terrain and weight of the load, they can cover around 20 miles a day. They are fed once a day, at the end of the journey. They then require around 12 hours rest before the next haul.

THE SWITCH

The next day, April 19th, Ritter commanded his four soldiers to head for Ella Island, where there were reports of an Allied weather station. Their orders were to destroy it. The trapper, Marius Jensen, had drawn a map for them the previous evening. Ritter's plan was to stay behind with Jensen and make further reconnaissance in the area. He saluted the men as they set off and then stepped back into the cabin to ready himself for his mission. Hermann Ritter and Marius Jensen were now alone.

Outside, Jensen was finishing up harnessing his dog team. In preparation for their scouting trip, Ritter had propped his skis, skipoles and heavy bolt-action rifle (a Mauser Karabiner 98k) against the sledge, and then gone back inside.

From within the hut, Ritter heard the distinctive, heart-stopping, click-clack/clack-click of the rifle bolt, a round was now in the chamber. He perhaps assumed a polar bear had been sighted, but when he appeared at the door, he found himself staring down the barrel of his own rifle. Marius Jensen said simply: "Now, you are my prisoner."

He probably said it in German and the emphasis would almost certainly have been on the word 'my' because, until that moment, Jensen had technically been Ritter's prisoner. It was a switch.

Marius Jensen was not just an arctic hunter and expert dog musher; he was a member of Denmark's North-East Greenland Sledge Patrol and he had been captured by Ritter and his men several weeks earlier, on March 26. But why were Jensen and Ritter in Greenland in the first place?

Greenland Sledge Dogs, able to withstand the most extreme harsh weather.

#DUEL ON ICE

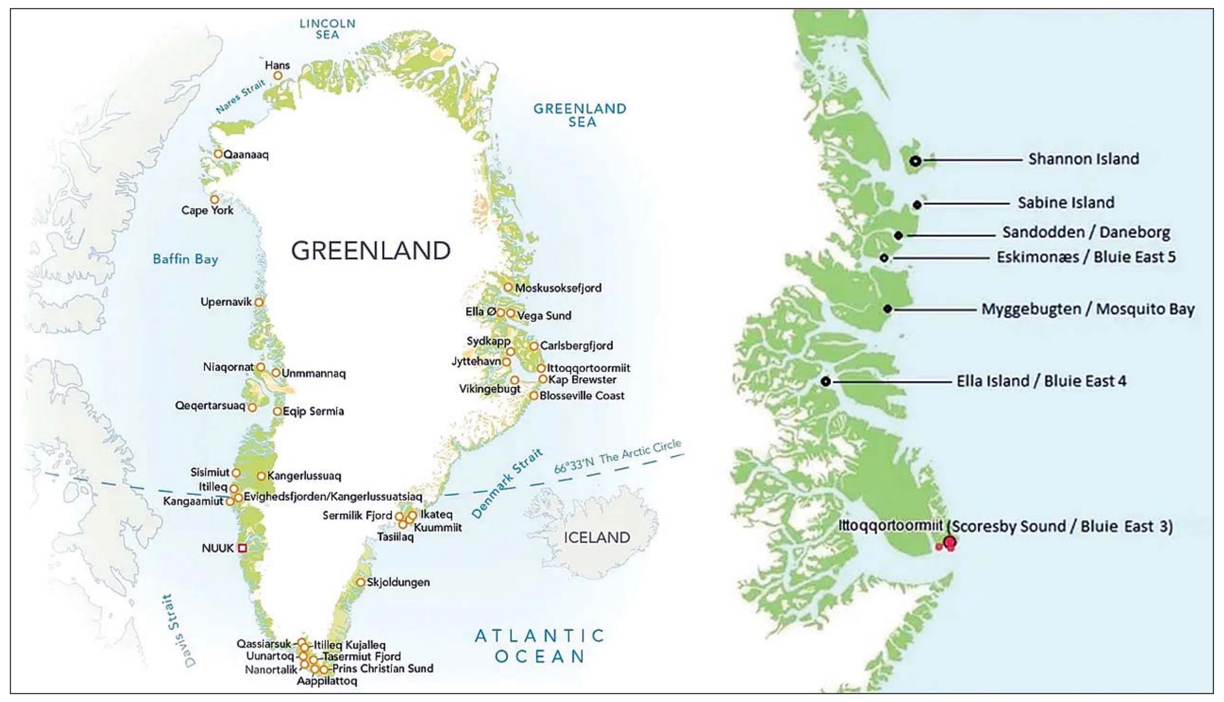

The island of Greenland, showing its central ice sheet, and a map of the North East, showing key locations in this story.

Armband designating the Sledge Patrol as military personnel.

THE WEATHER WAR

With overwhelming force, German forces occupied Denmark on April 9, 1940. Despite continued, courageous resistance from the population, the government had little choice other than to co-operate. While the Danish government was under German rule, Greenland's link to Danish sovereignty was effectively severed.

After a brief period of diplomatic manoeuvrings, Eske Brun, one of two Danish governors, who had run the colony up until then, declared autonomous control of the entire island. He set up headquarters in Nuuk and declared support for the Allied cause. The other governor, Aksel Svane, took himself off to Washington as a liaison.

In 1941, the United States assumed temporary security responsibility for the island and set up vital airbases.

> With overwhelming force, German forces occupied Denmark on April 9, 1940. Despite continued, courageous resistance from the population, the government had little choice other than to co-operate. While the Danish government was under German rule, Greenland's link to Danish sovereignty was effectively severed.

Greenland was a large and strategically important landmass. It was an unsinkable aircraft carrier, situated between North America and Britain, which allowed short-distance combat planes to cross the Atlantic for service in Europe. Greenland's capital Nuuk sits almost exactly halfway between Washington, D.C. and Copenhagen.

Aside from its value as a refuelling base, Greenland was crucial for the gathering of weather intelligence. Before satellites, weather patterns sweeping into Europe could be predicted from weather stations in Greenland and radioed to both Washington and London.

This was critical information for planning both air and naval operations. The North East of the island provided the most relevant data. North Atlantic weather generally moves from West to East; whoever controlled the Greenland coast had a crystal ball for the weather that would hit Europe 24 to 48 hours later. Obviously, these meteorological reports were of equal interest to the Germans.

THE SLEDGE PATROL

Eske Brun, the governor, was all too aware of this and so, in 1941, he set up the North-East Greenland Sledge Patrol. He initially recruited 15 men, 10 Danes, 1 Norwegian, and 4 native Greenlanders. All were trappers and hunters; they all knew the trails and the terrain. Marius Jensen was among them. They operated in pairs and relied entirely on dog sledges.

Their task was to patrol 700 miles of uninhabited coastline in search of German weather stations; a beat that stretched from the far north as far down as Scoresbysund. Below there, the island was 'relatively' more populated and the locals could keep an eye out for any German activity.

The North East Greenland coast is fringed with vast fjords, encased with fingers of rocky upland. For most of the year, the crags are snow-covered and the fjords are sealed with sea ice. During a single 'spring patrol,' a two-man team would typically cover over 2,500 miles (4,000 km) of travel, weaving in and out of the fjords to ensure that no Nazi weather stations were operating in the shadows of the mountains.

Dog sledges were by far the best way to navigate the hostile terrain, not least of all because they could carry tents and several weeks' worth of food supplies, ammunition and sacks of coal for the huts.

There was a savage beauty to the land but travel was both arduous and hazardous. Direct routes often took a path across the sea ice. When doing this, Greenland dogs were often harnessed differently to the way we see Huskies hitched in other parts of the world.

Instead of the usual train hitch- pairs of dogs running one behind the other, Greenland dogs were often arranged in a fan hitch. It spread their weight and, if they ice thinned and cracked at any point, only one or two dogs might fall through before the sledge could be stopped. In train formation, the entire team could be dragged into the watery void; sledge and driver swallowed with them.

Of equal importance to their role in transport was the dogs' role in detection. They are constantly alert to any unusual or threatening scents, and able to pick them up from as far away as three miles, depending on the wind. These may be the distant peril of a prowling polar bear or the whiff of humans hiding in a far-off hut. A good dog man knew how to interpret their signals.

Eske Brun was aware that as 'armed civilians,' his patrolmen were not covered by the Geneva Convention. If caught, the enemy might execute them as spies rather than take them prisoners of war. It was not practical to put them in standard uniform. However, Governor Brun appointed them to military ranks and issued them with armbands to identify them as military personnel. That status was boosted when they were also made a reserve unit of the U.S. Army.

Crusted with ice, armbands were hard to see and the frozen fabric had a tendency to snap and fall off. It was common for the Sledge Patrol to keep an armband in their pocket, only putting it on when approaching a German Position.

To be continued...

rajeshsharma1049@gmail.com

Hermann Ritter and his wife Christiane, pictured eight years earlier, at their hut in Spitsbergen.

#CHULLI MENDOK

A Rare Spring Festival of the Aryan Valley

The festival celebrates the blooming of apricot flowers, one of the first signs that winter has ended and spring has arrived in the valley

High in the remote valleys of the ancient Indus Valley, where rugged mountains meet flowing rivers and centuries-old traditions continue to survive, a rare and vibrant celebration takes place every April. Known as the Chulli Mendok Festival, the festival marks the arrival of spring and reflects the unique cultural identity of the region's Aryan communities.

Far removed from the crowded celebrations of mainstream festivals, Chulli Mendok is deeply rooted in nature, ancestry and seasonal renewal. The festival is celebrated in the Aryan villages of Ladakh, where the changing season transforms the cold mountain landscape into a place of colour and life. The name "Chulli Mendok" itself carries symbolic meaning. "Chulli" refers to apricot, one of the most important fruits of the region, while "Mendok" means flower. Together, the festival celebrates the blooming of apricot flowers, one of the first signs that winter has ended and spring has arrived in the valley.

As the festival begins, the villages come alive with music, traditional dances and colourful attire. Men and women wear elaborate traditional clothing decorated with flowers, ribbons and ornaments that represent joy, fertility and harmony with nature.

One of the most striking elements of the celebration is the traditional headgear worn by men, known as the Tepi. These handmade caps are carefully stitched and decorated over many months, and in some cases, may take nearly a year to complete. The tepi is not simply a piece of clothing; it is a symbol of identity, craftsmanship and pride within the Aryan community.

Women adorn themselves with vibrant garments, floral arrangements and jewellery that reflect both the beauty of spring and the cultural heritage of their ancestors. Bright colours dominate the celebrations, turning the mountain villages into living canvases of tradition and festivity.

The people associated with this festival are often referred to as the Aryan tribe of Ladakh, known for preserving ancient customs and distinct cultural practices that differ from surrounding Himalayan communities. For generations, they have maintained rituals connected to agriculture, seasonal cycles and nature worship.

Chulli Mendok is not only a celebration of spring but also a way of welcoming prosperity, good harvests and community unity after the harsh winter months. Songs and dances performed during the festival often tell stories of ancestry, nature and the deep connection between the people and their land. Because of its remote location and limited exposure, Chulli Mendok remains one of India's lesser-known and rarest festivals. Yet, its uniqueness lies precisely in this authenticity. Unlike commercial celebrations shaped by tourism, the festival continues to preserve its traditional spirit and cultural depth.

Today, the festival has also begun attracting travellers and cultural enthusiasts interested in experiencing the hidden heritage of Ladakh beyond its monasteries and landscapes. For visitors, Chulli Mendok offers a rare glimpse into a living tradition where nature, community and identity come together in celebration.

In the blooming apricot valleys of the Indus region, Chulli Mendok continues to remind the world that some of the richest cultural treasures survive quietly, carried forward through songs, flowers, handmade garments and the enduring spirit of ancient people.

THE WALL

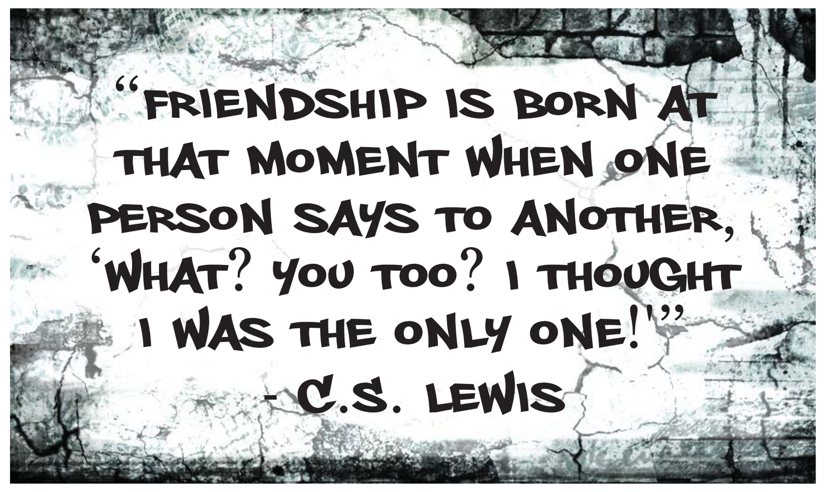

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

भीलवाड़ा : कमला देवी कांकरिया हत्याकांड में तीसरा आरोपी आर्यन दाधीच भी गिरफ्तार

महज 25 लाख के सोने-चांदी के आभूषणों और नकदी के लालच में बदमाशों ने इस वीभत्स हत्याकांड को अंजाम दिया था

आरोपी आर्यन दाधीच

वारदात में शामिल मुख्य आरोपी रवि तापड़िया और हीरा सिंधी को गिरफ्तार किया जा चुका है।

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर के सावरकर चौक में 72 वर्षीय कमला देवी कांकरिया की हत्या के चर्चित मामले में भीमगंज पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। थानाधिकारी सुनील चौधरी के मुताबिक, वारदात में शामिल मुख्य आरोपियों रवि तापड़िया और हीरा सिंधी की गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने तीसरे आरोपी आर्यन दाधीच (19) उर्फ चूचा पुत्र जीतू शर्मा, निवासी मलाण को भी धर दबोचा है। पुलिस टीम मामले के हर पहलू को खंगाल रही है, वहीं घटना से जुड़े अन्य संदिग्धों की तलाश में लगातार दबिश दी जा रही है।

लालच में लांघी क्रूरता की हदें, दहल उठा शहर -: वीर सावरकर चौक की तंग गलियों से लेकर कोठारी नदी के पुल तक, इस दर्दनाक घटना की खबर से पूरे भीलवाड़ा में सन्नाटा और दहशत का माहौल है। महज 25 लाख रुपये मूल्य के सोने-चांदी के आभूषणों और नकदी के लालच में बदमाशों ने इस वीभत्स हत्याकांड को अंजाम दिया। सुभाष नगर स्थित घनी आबादी के बीच बड़ी पुलिया के समीप एक मकान की छत पर घटी इस खौफनाक वारदात ने स्थानीय निवासियों को झकझोर कर रख दिया है। पति सौरभ और ससुर तेज सिंह कांकरिया के निधन के बाद पीड़िता घर पर अकेली रहती थी। घटना की भनक तब लगी जब खाना बनाने वाली रतन आंटी ने 14 अक्टूबर को उनके अचानक गायब होने की जानकारी दी। खबर मिलते ही पटेल नगर निवासी बहू रविना मौके पर पहुंची। कोठारी नदी के पुल पर अपनी सास के अवशेष मिलने की आशंका के बीच रविना का रो-रोकर बुरा हाल था, जिसे देख वहां मौजूद हर आंख नम हो गई।

पुलिस की पड़ताल में हत्यारों की साज़िश का हैरान कर देने वाला खुलासा हुआ है। कातिलों ने वारदात के बाद साक्ष्य नष्ट करने के मकसद से वृद्धा के शव को दो मंजिला मकान की छत पर ले जाकर आग के हवाले कर दिया। शव के जलने की गंध आसपास न फैले, इसके लिए लकड़ियों के साथ प्रचुर मात्रा में हवन सामग्री और देसी घी का प्रयोग किया गया। यही नहीं घटनास्थल और आसपास के गलियारे में सीमेंट का लेप चढ़ाकर नया रंग-रोगन (पुताई) कर दिया गया, ताकि खून या अन्य साक्ष्य छिप सके। इसके बाद अधजले अवशेषों और हड्डियों को बोरी में बंद कर महज दो किलोमीटर दूर कोठारी नदी के पानी में फेंक दिया था। भीमगंज थाना पुलिस का कहना है कि जांच प्रक्रिया अंतिम चरणों में है और इस जघन्य अपराध में शामिल हर गुनहगार को सख्त कानूनी अंजाम तक पहुंचाया जाएगा।

सिणधरी में 401 किलो डोडा-पोस्त व हथियार जब्त किये

सिणधरी थाना पुलिस ने एसयूवी वाहन व डोडा-पोस्त जब्त किया।

■ तस्करी में प्रयुक्त एसयूवी वाहन भी जब्त, कई फर्जी नंबर प्लेट मिलने की जानकारी भी सामने आई है

बालोतरा, (निसं)। जिले में मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत सिणधरी थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 401 किलोग्राम अवैध डोडा-पोस्त बरामद किया है। पुलिस ने तस्करी में प्रयुक्त एसयूवी वाहन, एक मैगजीन और 3 जिंदा कारतूस भी जब्त किए हैं। वाहन की तलाशी के दौरान कई फर्जी नंबर प्लेट मिलने की जानकारी भी सामने आई है।

पुलिस अधीक्षक जिला बालोतरा राजेश कानावत आईपीएस के निर्देशन में मादक पदार्थों की तस्करी पर अंकुश लगाने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत 28 अक्टूबर को थाना सिणधरी पुलिस टीम ने थाना अधिकारी शंकरलाल के नेतृत्व में नाकाबंदी के दौरान यह कार्रवाई की। पुलिस के अनुसार, कार्रवाई के दौरान 401 किलोग्राम अवैध डोडा-पोस्त बरामद कर एसयूवी वाहन जब्त किया गया। वाहन की तलाशी में एक मैगजीन और 3 जिंदा कारतूस मिले। मामले में प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया गया है। पुलिस अब बरामद मादक पदार्थ के स्त्रोत, खरीद-फरोख्त, तस्करी में प्रयुक्त वाहन की वास्तविक पहचान और इस अवैध कारोबार से जुडे अन्य लोगों के संबंध में जांच कर रही है।

रूपवास शहर में ही अस्पताल निर्माण कराने की मांग उठाई, धरना जारी

■ उप जिला चिकित्सालय रूपवास के निर्माण के लिए ग्राम पंचायत चैकोरा के नगला देविया में भूमि आवंटित किए जाने का विरोध

रूपवास, (निसं)। उप जिला चिकित्सालय रूपवास के निर्माण के लिए ग्राम पंचायत चैकोरा के नगला देविया में भूमि आवंटित किए जाने के विरोध में आंदोलन लगातार तेज होता जा रहा है। बुधवार को छठवें दिन उपखंड कार्यालय के समक्ष धरना दिया गया। धरने में जन प्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लेकर सरकार के भूमि आवंटन संबंधी निर्णय पर असहमति जताई। प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि उप जिला चिकित्सालय का निर्माण रूपवास शहर में ही कराया जाए, ताकि कस्बे सहित आसपास की करीब 20 ग्राम पंचायतों के लोगों को आसानी से चिकित्सा सुविधाएं मिल सके।

धरना पूर्व प्रधान रविंद्र सिंह परमार के मुख्य आतिथ्य तथा पूर्व ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष ज्ञानेश शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित हुआ। मुख्य अतिथि रविंद्र सिंह परमार ने कहा कि जब सरकार ने उप जिला चिकित्सालय रूपवास के नाम से स्वीकृत किया है, तो उसका भवन भी रूपवास में ही बनाया जाना चाहिए। उन्होंने जनता और जनप्रतिनिधियों से आवंटित भूमि के विरोध में आवाज उठाने की अपील करते हुए कहा कि मौजूदा निर्णय उन्हें स्वीकार नहीं है। क्रशर संघ के अध्यक्ष अमर सिंह अंधाना ने कहा कि संघर्ष समिति को इस मामले को मुख्यमंत्री के समक्ष उठाना चाहिए। उन्होंने आंदोलन को अपना पूर्ण समर्थन देने की बात कही। शिक्षाविद हरिशंकर शर्मा ने कहा कि आवंटित भूमि शहर से करीब पांच किलोमीटर दूर है और वहां आवागमन के पर्याप्त साधन नहीं हैं। संघर्ष समिति के संयोजक एवं पार्षद एडवोकेट धीरज शुक्ला ने आवंटित भूमि के सामने कचरा डंपिंग यार्ड और पीछे खनन क्षेत्र होने का मुद्दा उठाया। उन्होंने आशंका जताई कि खनन गतिविधियों और कचरे के कारण क्षेत्र में प्रदूषण की समस्या रह सकती है। ऐसे में अस्पताल के लिए इस स्थान का चयन उचित नहीं है। उन्होंने मांग की कि उप जिला चिकित्सालय के लिए रूपवास शहर में ही भूमि आवंटित की जाए। पूर्व ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष ज्ञानेश शर्मा ने भी आंदोलन को समर्थन दिया।

धरना स्थल पर जनप्रतिनिधियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने कहा कि शहर से दूर अस्पताल बनने पर बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों को इलाज के लिए पहुंचने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। उन्होंने सरकार से वर्तमान भूमि आवंटन पर पुनर्विचार करने, निर्णय निरस्त करने और रूपवास में उपयुक्त स्थान पर भूमि आवंटित कर अस्पताल निर्माण की मांग की। धरने में सहसंयोजक अरुण परमार, ओमकार शुक्ला, प्रमोद शर्मा टौटपुर, पंडित ओमप्रकाश शास्त्री, मुकेश बंसल, माया देवी, चौधरी बलबीर सिंह, राजेश गोयल, प्रशांत बंसल, रमेश कोली, प्रेमकांत कटारा, संजय बुटोलिया, सतवीर सिंह किरार, कृष्ण गोपाल दत्तात्रेय बंटी, पार्षद गोविंद सिंह परमार, प्रताप सिंह किरार, कुबेर सिंह राजावत, रवि रघुवंशी और महेंद्र सिंह शर्मा सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

निजी मोबाइल कंपनी की दुकान में आग लगी

जोधपुर, (कासं)। शहर के रातानाडा स्थित खासबाग एरिया में आई एक निजी मोबाइल कंपनी की दुकान में बुधवार की तड़के चार बजे आग लग गई। राहगीर की सूचना पर नागौरी गेट से दमकल की गाड़ी वहां पहुंची। कुछ देर बाद आग को काबू कर लिया गया। फर्नीचर के साथ एसी इत्यादि जलकर नष्ट हो गए।

नागौरी गेट दमकल सूत्रों के अनुसार बुधवार की तड़के पौने चार बजे किसी राहगीर द्वारा सूचना दी गई कि रातानाडा खासबाग एरिया में आए एक निजी मोबाइल कंपनी के सिम प्रोवाइडर दुकान में आग लगी है। तड़के निकल रहे धुएं पर इसकी सूचना दमकल विभाग को दी गई। दमकल कर्मियों के अनुसार बाद में दुकान का ताला खोलकर भीतर प्रवेश किया गया। अंदर काफी धुआं हो रखा था। संभवत : शार्ट सर्किट से यह आग लगी थी।

डूंगरपुर में लग्जरी कार से 4.10 लाख रुपए बरामद

ओबरी पुलिस ने लग्जरी कार से केश, मोबाईल जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया।

■ कार और मोबाइल जब्त, केश का हवाला कारोबार से जुड़ा होने का शक

■ डीएसटी-पुलिस ने कार और मोबाइल जब्त किए, हवाला कारोबार से जुड़ाव की जांच की

डूंगरपुर, (निसं)। जिला स्पेशल पुलिस टीम ओर ओबरी थाना पुलिस ने पंचायतीराज चुनाव की आचार संहिता के दौरान एक लग्जरी कार से 4 लाख 10 हजार केश जब्त कर आरोपी को पकड़ा है। पुलिस ने कार और मोबाइल जब्त किया है। केश की अवैध गतिविधियों में इस्तेमाल करने और हवाला कारोबार से जुड़ा होने का शक है। पुलिस इसे लेकर जांच कर रही है।

जिला पुलिस अधीक्षक मनीष कुमार ने बताया कि जिले में अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए विशेष टीम गठित की गई है। बुधवार को टीम को चुनाव के दौरान संदिग्ध केश परिवहन की सूचना मिली। इस पर टीम ने मौके पर पहुंचकर नाकाबंदी शुरू की। इसी दौरान गुजरात नंबर की एक संदिग्ध कार आती दिखाई दी। पुलिस ने उसे रोकने का प्रयास किया तो ड्राइवर ने रफ्तार गति से कार भगाने की कोशिश की। टीम ने पीछा किया और ओबरी थाना पुलिस की मदद से विराट गांव के पास कार को रुकवा लिया। तलाशी के दौरान कार में रखी काले रंग की पॉलीथिन थैली से नोटों के 9 बंडल मिले। पुलिस ने केश की गिनती की तो कुल 4 लाख 10 हजार रुपए मिले। इनमें 3 लाख रुपए के 6 बंडल, 50-50 हजार रुपए के 2 बंडल और 10 हजार रुपए का एक बंडल था। कैश के बारे में संदेह होने पर पुलिस ने जब्ती की कार्रवाई की। साथ ही कैश रखने वाली थैली को सील कर दिया। पुलिस अब केश के स्त्रोत और इसे ले जाने के उद्देश्य की जांच कर रही है।

रात 11 बजे बाद ट्रेनों में मोबाइल चार्जिंग पॉइंट बंद रहेंगे

जोधपुर, (कासं)। ट्रेन में रात के समय मोबाइल या पावर बैंक चार्ज करने के दौरान हादसों का खतरा रोकने के लिए रेलवे ने सुरक्षा नियमों की पालना सख्त करने के निर्देश दिए हैं। अब रात 11 बजे से सुबह 5 बजे तक सभी कोचों में मोबाइल चार्जिंग पॉइंट बंद रखना अनिवार्य होगा। नियमों की अनदेखी रोकने के लिए औचक निरीक्षण भी किए जाएंगे।

रेलवे बोर्ड के विशेष कार्य अधिकारी (विद्युत इंजीनियरिंग-सामान्य) शोभित गुप्ता ने इस संबंध में सभी क्षेत्रीय रेलों के प्रधान मुख्य यांत्रिक इंजीनियरों को पत्र जारी किया है। इसमें निर्धारित अवधि में चार्जिंग पॉइंट बंद रखने के पूर्व में जारी निर्देशों की सख्ती से पालना सुनिश्चित करने को कहा गया है। रेलवे बोर्ड के अनुसार दक्षिण पूर्व रेलवे में हाल ही में एक घटना सामने आई, जिसमें निर्धारित समय में चार्जिंग पॉइंट बंद नहीं किए गए थे। इसी दौरान चार्जिंग पर लगा यात्री का पावर बैंक धुएं के साथ फट गया। इस घटना के बाद रेलवे ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों की जिम्मेदारी तय करने पर जोर दिया है। अधिकारियों और पर्यवेक्षकों को औचक निरीक्षण कर यह जांचने के निर्देश दिए गए हैं कि रात 11 बजे से सुबह 5 बजे तक चार्जिंग पॉइंट बंद रखे जा रहे हैं या नहीं। इधर उत्तर-पश्चिम रेलवे के जोधपुर मंडल रेल प्रबंधक अनुराग त्रिपाठी ने कहा कि रेलवे बोर्ड के निर्देशों की पालना सुनिश्चित करने के लिए संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को आवश्यक निर्देश दिए जा रहे हैं।

युवकों का अपहरण कर मारपीट करने के दो आरोपी गिरफ्तार

डूंगरपुर, (निसं)। जिला अस्पताल की इमरजेंसी के बाहर से दो युवकों का अपहरण कर उनके साथ मारपीट और अमानवीय व्यवहार करने के मामले में डूंगरपुर कोतवाली थाना पुलिस ने दो घंटे में वारदात का पर्दाफाश कर दिया। पुलिस ने कांकरादरा के जंगलों में दबिश देकर दोनों युवकों को गंभीर घायल अवस्था में छुड़ाया और मौके से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार आरोपी पीडितों को नग्न अवस्था में राजस्थानी गानों पर डांस करवा रहे थे और उनका वीडियो बना रहे थे। मामले में दो अन्य आरोपी फरार हैं। घायल युवकों का जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है।

कोतवाली थाना सीआई हिमांशु सिंह राजावत ने बताया कि शहर के भावसारवाडा निवासी नरेश जोशी ने थाने में दर्ज रिपोर्ट में बताया कि सोमवार रात उनके बेटे कपिल जोशी के पैर में चोट लग गई थी। इसके बाद वह अपने पड़ौसी कीरीट के साथ डूंगरपुर जिला अस्पताल में पट्टी करवाने गया था। रात करीब 10 बजे सूचना मिली कि दो-तीन लोग कपिल और कीरीट के साथ मारपीट कर उन्हें कार में डालकर ले गए हैं। सूचना मिलते ही पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तलाश शुरू कर दी। घटना की जानकारी मिलते ही कोतवाली थानाधिकारी हिमांशु सिंह के नेतृत्व में जिलेभर में नाकाबंदी कराई गई। पुलिस टीम ने सीसीटीवी फुटेज तकनीकी संसाधनों और पारंपरिक पुलिसिंग की मदद से करीब 15 स्थानों के रास्तों की जांच की। संदिग्धों से पूछताछ के बाद पुलिस को काकरादरा के जंगलों में आरोपियों की मौजूदगी का सुराग मिला।

पुलिस ने काकरादरा के जंगलों में दबिश देकर दोनों पीड़ितों को छुड़ा लिया। पुलिस के अनुसार, मौके पर आरोपी दोनों युवकों को गलत अवस्था में राजस्थानी गानों पर डांस करवा रहे थे और इसका वीडियो बना रहे थे। पुलिस ने मौके से वागदरी निवासी अर्जुन डामोर मीणा और भंडारिया निवासी एक महिला को गिरफ्तार किया है, जबकि दो अन्य आरोपी फरार हो गए। अपहरण और मारपीट की घटना में घायल दोनों युवकों को छुड़ाने के बाद जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। पुलिस फरार आरोपियों की तलाश और मामले की आगे की जांच में जुटी है।

वृद्ध के खाते से पचास हजार रूपए निकाले

जोधपुर, (कासं)। शहर के वृद्ध व्यक्ति को किसी शातिर ने फ्रॉड का शिकार बनाते हुए उसके बैंक खाते से 50 हजार रूपये निकाल लिए। ठगी का पता लगने पर पीड़ित ने साइबर पोर्टल पर इसकी शिकायत दी। अब पीड़ित ने सदर बाजार थाने में धोखाधड़ी की रिपोर्ट दी है।

थानाधिकारी माणकराम विश्नोई ने बताया कि नागौरी सिलावटों का मोहल्ला शेख फ्लोर मिल्स के बुजुर्ग व्यक्ति मो. सलीम शेख की तरफ से मामला दर्ज कराया है। इनके अनुसार 23 अक्टूबर को किसी शातिर ने परिचित बनकर कॉल किया। फिर बताया कि उसने मोबाइल के जरिए रूपए खाते में डाले हैं, जोकि किसी अन्य खाते में ट्रांसफर करने हैं। फिर शातिर ने उन्हें किसी अन्य नंबर का मैसेज भेजा। मैसेज को हिट करते ही उनके बैंक खाते से 50 हजार रूपये कट गए। थानाधिकारी माणकराम के अनुसार पीड़ित की तरफ से साइबर पोर्टल पर भी शिकायत दी गई है, मगर तकनीकि कारण से शिकायत नहीं हो पाई। इस पर पीड़ित आज थाने पहुंचा और केस दर्ज कराया है।

अजमेर में टीचर के घर से बहन के जेवर व नकदी चोरी

■ टीचर को चोरी की जानकारी डेढ़ महीने बाद हुई

अजमेर, (निसं)। शहर के अलवर गेट थाना क्षेत्र की संगम कॉलोनी में एक टीचर के घर से सोने के जेवरात और नकदी चोरी होने का मामला सामने आया है। चोर घर में रखे टीचर की बहन के सोने के जेवरात और 10 हजार रुपए नकद चोरी कर ले गए। हैरानी की बात यह है कि टीचर को चोरी की जानकारी करीब डेढ़ महीने बाद हुई। सामान संभालने के दौरान जेवरात और नकदी गायब मिलने पर उन्होंने पुलिस को सूचना दी। टीचर की रिपोर्ट पर अलवर गेट थाना पुलिस ने चोरी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार,संगम कॉलोनी निवासी टीचर सविता शर्मा ने रिपोर्ट में बताया कि 5 सितंबर को उनकी बहन घर पर आई थी। इस दौरान वह अपने सोने के जेवरात उनके पास सुरक्षित रखने के लिए छोड़कर गई थी। टीचर ने जेवरात घर में रख दिए थे। इसके बाद उन्हें उम्मीद नहीं थी कि घर में रखे सामान से इस तरह चोरी हो जाएगी।

सविता शर्मा ने बताया कि 25 अक्टूबर की शाम को जब उन्होंने घर में रखा सामान संभाला तो सोने के जेवरात और नकदी गायब मिले। जांच करने पर सोने का सेट, चेन, चूड़ियां और अंगूठियां नहीं मिलीं। इसके अलावा 10 हजार रुपए नकद भी गायब थे। घर में रखे कीमती सामान के इस तरह गायब मिलने पर उन्हें चोरी होने का संदेह हुआ। इसके बाद उन्होंने पुलिस को पूरे मामले की जानकारी दी।

टीचर ने पुलिस को बताया कि वह दिनभर स्कूल में रहती हैं। उनके घर पर मौजूद नहीं रहने के दौरान घर में काम करने वाली महिला बर्तन साफ करने आती है और बर्तन बाहर रखकर चली जाती है। इसके अलावा नगर निगम का एक कर्मचारी भी घर से कचरा लेने आता है। ऐसे में घर में रखे जेवरात और नकदी किस समय गायब हुए,इसकी जानकारी उन्हें नहीं है। टीचर की रिपोर्ट पर अलवर गेट थाना पुलिस ने चोरी का मामला दर्ज कर लिया है।

मंदिर की जमीन पर बसा बुहाना का हंसास गांव, विकास कार्य ठप होने से मतदान का बहिष्कार

विकास कार्य अटकने से नाराज ग्रामीणों ने हंसास गांव के बाहर धरना दिया।

■ गांव में विकास ठप होने से 412 मतदाताओं ने चुनाव का बहिष्कार कर धरना दिया

बुहाना, (निसं)। पंचायतीराज चुनाव के बीच बुहाना पंचायत समिति क्षेत्र के हंसास गांव में विकास कार्यों की समस्या को लेकर ग्रामीणों का आक्रोश सामने आया है। मंदिर की जमीन पर गांव बसा होने के कारण विकास कार्य अटकने से नाराज ग्रामीणों ने मतदान का बहिष्कार कर दिया और गांव के बाहर धरने पर बैठ गए। ग्रामीणों का कहना है कि लंबे समय से समस्या का समाधान नहीं होने के कारण गांव के विकास का रास्ता बंद पड़ा है। विकास के लिए आने वाला बजट भी खर्च नहीं हो पाता और वापस लौट जाता है। ऐसे में ग्रामीणों ने साफ कर दिया कि जब तक समस्या के समाधान को लेकर ठोस निर्णय नहीं लिया जाएगा, तब तक वे मतदान नहीं करेंगे।

ग्रामीणों के अनुसार, गांव में विकास कार्य करवाने और जमीन से जुड़ी समस्या का समाधान कराने के लिए कई बार अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के समक्ष मांग उठाई जा चुकी है। इसके बावजूद समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो पाया। ग्रामीणों का कहना है कि आश्वासन तो कई बार मिले, लेकिन धरातल पर कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। इससे गांव में आवश्यक विकास कार्य प्रभावित हो रहे हैं और ग्रामीणों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इसी नाराजगी के चलते ग्रामीणों ने इस बार मतदान से दूरी बनाने का निर्णय लिया।

एसडीएम, तहसीलदार और विधायक ने मनाया , फिर भी नहीं माने ग्रामीण :- मतदान बहिष्कार की सूचना मिलने पर प्रशासनिक अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने ग्रामीणों को समझाकर मतदान के लिए राजी करने का प्रयास किया। बुहाना एसडीएम शकुंतला, तहसीलदार बाबूलाल बिजारणियां और विधायक श्रवण कुमार भी ग्रामीणों से बातचीत कर उन्हें मनाने पहुंचे। हालांकि, ग्रामीण अपनी मांग पर अड़े रहे। उनका कहना है कि अब केवल समझाइश और आश्वासन से काम नहीं चलेगा। जब तक समस्या के समाधान की दिशा में ठोस निर्णय नहीं होता, तब तक मतदान करने का सवाल ही नहीं उठता।

ग्रामीणों का कहना है कि मंदिर की जमीन पर गांव बसा होने के कारण विकास कार्य करवाने में बाधाएं आ रही हैं। इसके चलते गांव के विकास के लिए उपलब्ध बजट का भी समुचित उपयोग नहीं हो पा रहा है। ग्रामीण चाहते हैं कि जमीन से जुड़ी समस्या का स्थायी समाधान निकाला जाए, ताकि गांव में जरूरी विकास कार्य शुरू हो सकें और लोगों को मूलभूत सुविधाएं मिल सकें। उनका कहना है कि वर्षों से चली आ रही इस समस्या का समाधान अब और टाला नहीं जाना चाहिए।

करीब 100 घर , 412 मतदाता, प्रशासन के सामने चुनौती :- हंसास गांव बुहाना तहसील की झांझा ग्राम पंचायत के अंतर्गत आता है। गांव में करीब 100 घर हैं और कुल 412 मतदाता हैं। ऐसे में मतदान के बहिष्कार के फैसले से प्रशासन के सामने ग्रामीणों को मतदान के लिए राजी करने की चुनौती खड़ी हो गई है। ग्रामीणों ने स्पष्ट किया है कि उनकी मांग गांव के विकास से जुड़ी है और वे इसका स्थायी समाधान चाहते हैं।

सादुलपुर में सड़क हादसे में विवाहिता की मौत

सादुलपुर, (निसं)। सादुलपुर में सड़क हादसे मेंअज्ञात वाहन की टक्कर से सोनू नामक विवाहिता की दर्दनाक मौत हो गई। जिसको लेकर विवाहिता के पिता ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ राजगढ़ थाने में मामला दर्ज करवाया है। वही पोस्टमार्टम कार्रवाई के दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रिछपालसिंह चारण, डीएसपी हरिसिंह धायल ने घटना की जानकारी ली। इस दौरान मृतका सोनू का मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम हुआ।

राजगढ़ थाना पुलिस में दर्ज रिपोर्ट के अनुसार प्रभुराम पुत्र आशाराम ढोली निवासी ओटू निवासी ओटू पीएस राणिया तहसील राणिया जिला सिरसा हरियाणा ने रिपोर्ट देकर मुकदमा दर्ज करवाने के उसकी पुत्री सोनू की शादी लगभग 8 वर्ष पूर्व गणेश पुत्र शिवरतन ढोली निवासी ददरेवा के साथ सम्पन्न हुई थी। गत 27 अक्टूबर की रात्रि को मोबाइल पर जयसिंह पूर्व सरपंच ने कॉल कर उसे बताया कि आपकी पुत्री सोनू का एक्सीडेंट हो गया है। जिस पर वह परिवार सहित सादुलपुर के सरकारी अस्पताल पहुंचा, जहां पर उसे लड़की का ससुर व अन्य ददरेवा के व्यक्ति मिले।

उन्होंने बताया कि आपकी बेटी व दामाद पल्लू माता जी की धोक लगाकर वापिस बस से आये थे। ददरेवा बस स्टैण्ड से बस से उतर कर घर जा रहे थे, सादुलपुर से तारानगर सड़क से गांव के अन्दर जाने वाली सड़क पर पैदल जा रहे थे। तभी अज्ञात वाहन के चालक ने लापरवाही से वाहन चलाकर सोनू के टक्कर मार दी एवं मौके से गाड़ी लेकर भाग गया। इतने में गांव के अन्य व्यक्ति भी आ गये, जिन्होंने सोनू को सादुलपुर के श्रीनाथ अस्पताल लेकर आये, वहां पर डॉक्टर ने सोनू को मृत घोषित कर दिया।

आम सूचना । समस्त अभिभावकों हेतु
समस्त अभिभावकों को सूचित किया जाता है कि कक्षा 5 एवं कक्षा 8 की बोर्ड परीक्षा के आवेदन पत्र भरने की अंतिम तिथि 31 अक्टूबर 2026 है। सभी अभिभावकों से अनुरोध है कि वे 29 अक्टूबर 2026 को दोपहर 2:00 बजे तक संस्था कार्यालय (846-B, आचार्य कृपलानी मार्ग, आदर्श नगर, जयपुर) में उपस्थित होकर बोर्ड परीक्षा का फॉर्म भरवाने से संबंधित सभी आवश्यक औपचारिकताएँ पूर्ण करें। विद्यार्थी की जानकारी का सत्यापन करने हेतु ट्यूशन फीस जमा करवाने की रसीदें एवं विद्यार्थी का आधार कार्ड साथ लेकर आना अनिवार्य है। इस संबंध में अभिभावकों को व्हाट्सऐप के माध्यम से पहले भी कई बार संदेश एवं रिमाइंडर भेजे जा चुके हैं। इसके बावजूद यदि कोई अभिभावक निर्धारित समय-सीमा तक संस्था कार्यालय में उपस्थित होकर आवश्यक औपचारिकताएँ पूरी नहीं करता है, तो बोर्ड परीक्षा का आवेदन पत्र समय पर जमा नहीं हो पाने की स्थिति में संस्था एवं विद्यालय की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।
सचिव
इमरान खान, अमीरिया शिक्षण संस्थान, अमीरीया स्कूल, खो नागोरियान, जयपुर

खोया पाया
मेरे (सन्तोष मित्तल) मकान 119/591 मानसरोवर, जयपुर का अदेय प्रमाण पत्र (No Dues Certificate) कहीं खो गया है कृपया मिलने पर सूचित करें- 9214074807

आम सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल सादिक अली पुत्र श्री अमजद अली निवासी- प्लाट नम्बर 1, पोल्ट्री फार्म, जामडोली, आगरा रोड, जयपुर का पुत्र आसिफ अली आयु 43 वर्ष उनके कहे में नहीं है और वह कुछ गलत लोगों की संगत में रहकर अपनी मर्जी मुताबिक जिन्दगी जी रहा है, आसिफ अली आए दिन मेरे मुवक्किल व परिवार के अन्य सदस्यों के साथ बदसलूकी व झगडा करता हैं जिस कारण मेरे मुवक्किल ने अपने पुत्र आसिफ अली को अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से एवं अपने परिवार से बेदखल कर दिया है जो कोई व्यक्ति आसिफ अली से किसी भी तरह का सनव्यवहार, लेन देन करेगा व रिश्ता रखेगा उसका वह स्वयं जिम्मेदार होगा कृपया सूचित रहे।
(जफर अहमद) एडवोकेट मो.- 8955245645

आम-सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी अभिभाष्या मीना देवी पत्नी स्व. कैलाश चन्द निवासी. प्लॉट नं 301सी पहाड के नीचे, गुर्जरो का मोहल्ला, शास्त्री नगर जयपुर की पुत्री मोना पत्नी श्री रत्न लाल पुत्री स्व कैलाश चन्द नीवासी सेक्टर 6 जवाहर नगर जयपुर मो.न. 8696937367 मेरी अभिभाष्या के कहे में नहीं है मेरी अभिभाष्या को परेशान करती है जिस कारण से मेरी अभिभाष्या ने परेशान होकर अपनी पुत्री मोना पत्नी श्री रत्न लाल पुत्री स्व कैलाश चन्द को अपनी समस्त चल अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। यदि कोई व्यक्ति उक्त महीला से किसी प्रकार का कोई लेन देन आदि करता है तो उसकी जिम्मेदारी मेरी अभिभाष्या की नही होगी। सूचित रहें।
जयपुर — अशोक कुमार सैनी, एडवोकेट
दिनांक-26.10.2026 — मो.नं. 9829459756

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी जोन-12, जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर
क्रमांकः 90A/JDA/2025-26/100003 लोक सूचना दिनांकः 26.10.2026
श्री SUNIL KATARIA पुत्र श्री RAM GOPAL SAINI जाति MALI निवासी 23 GULAP VIHAR-B GANDHI PATH 200 FEET BY PASS HEERAPURA JAIPUR ने इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का पर्यटन इकाई प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारी के निर्धारण के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थातः-

ग्राम तहसील व जिले का नाम	खातेदार का नाम	खसरा सं.	क्षेत्रफल (हैक्टे.)	रूपांतरित क्षेत्रफल (हैक्टे.)
जयसिंहपुरा काकडोदा, कालवाड़ (जयपुर)	(1.) सुनील कटारिया पुत्र रामगोपाल सैनी हिस्सा पूर्ण जाति माली नि. टी 253 ब्लाक 14 रंगोली गार्डन्स महाराणा प्रताप मार्ग कलकपुरा जयपुर खातेदार 1.) सुनील कटारिया पुत्र रामगोपाल सैनी हिस्सा पूर्ण जाति माली नि. टी 253 ब्लाक 14 रंगोली गार्डन्स महाराणा प्रताप मार्ग कलकपुरा जयपुर खातेदार	7/2	0.4553	0.4553
	कुल			0.4553

इसलिए, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्धारण पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर अपनी SSO ID से लॉग इन कर JDA के 90-A मॉड्यूल अथवा जे.डी.ए. पोर्टल (https://jda.rajasthan.gov.in/) पर 'विज्ञप्ति के विरुद्ध अपनी आपत्ति दर्ज करें' Option में जाकर जारी सार्वजनिक सूचना के विरुद्ध अपनी आपत्ति ऑनलाइन दर्ज कराएं। उपर्युक्त नियत समय के भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नही है और तद्नुसार मामले का निपटारा किया जायेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज 26-10-2026 को जारी की गयी।
प्राधिकृत अधिकारी जोन-12

उत्तर पश्चिम रेलवे
ई-निविदा आमन्त्रण सूचना
मंडल रेल प्रबन्धक, इंजीनियरिंग, उत्तर पश्चिम रेलवे, जोधपुर द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से ई-निविदा के माध्यम से प्रचलित नियमो के अन्तर्गत निर्धारित प्रपत्रो में निविदा निम्न कार्यो के लिए क्रमानुसार आमंत्रित की जाती है- **ई-निविदा सूचना सं** : 172 of 2026-27 **कार्य का नाम व स्थान** : Bhagat ki kothi:-Replacement of existing Non-standard 52Kg diamond crossing with 60Kg diamond crossing in BGKT yard in Jodhpur Division. **अनुमानित लागत रूपये** : 13734579.16 **बयाने की राशि रूपये** : 274700.00 निविदा सूचना संख्या 172 of 2026-27 निविदा प्रस्तुत करने की तिथि 12.11.2026, को 15.00 बजे तक है। वेबसाईट. का विवरण जहाँ पर ई-निविदा देखी व भरी जा सकती है **www.ireps.gov-in** 1537-DI/26
हमें /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

नाम परिवर्तन
मैंने अपना नाम अब्दुल लतीफ से बदलकर अब्दुल लतीफ खान रख लिया। भविष्य मे मुझे अब्दुल लतीफ खान के नाम से जाना जावे। पुराना पताः- म.नं.4903, पुरानी कोतवाली, चोकड़ी घाटगेट, हाल निवासी म.नं. 1543, एफ.डी-60, महात्मा गांधी कॉलोनी, नाहरी का नाका, शास्त्रीनगर, जयपुर

मैं, शकील अहमद पुत्र हबीब अहमद, निवासी 227/A, दरगाह कॉलोनी, चार दरवाजा बाहर, जयपुर, घोषित करता हूँ कि मेरे पासपोर्ट में शकील अहमद तथा अन्य दस्तावेजों में सय्यद शकील अहमद (Syed Shakeel Ahmed) अंकित है। दोनों नाम मेरे ही हैं। भविष्य में Syed Shakeel Ahmed नाम से जाना जाए।

मैं शपथ बयान करती हुँ कि मेरी बेटी खुशी कंवर पुत्री भूपेन्द्र सिंह का 8वीं कक्षा की मार्कशीट में माता के नाम के स्थान पर गलतीवश दादी का नाम (लाली कंवर) दर्ज हो गया था। जबकी माता का नाम राधा कंवर है। भविष्य में मेरी बेटी की माता का नाम राधा कंवर ही पहचाना जाए, जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी मेरी स्वयं की है। राधा कंवर पत्नी भूपेन्द्र कंवर, निवासी अणतपुरा, निवाई, टोंक

आम सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल शशी के. के. पुत्र श्री कुंजु रमन, निवासी प्लाट नं. 83 वेस्ट, पवनपुरी, बनाड़ रोड, झोटवाड़ा, जयपुर-302012 (राज.) स्वयं की धर्मपत्नी श्रीमती राधामणी वी वी पत्नि श्री शशि के. के. के नाम से आवासीय प्लाट नं. 83 (मूल प्लाट नं. 83 का पश्चिमी हिस्सा), योजना पवनपुरी, बैनाड़ रोड, झोटवाड़ा, जयपुर (राज.) मे स्थित है जिसकी भूमि का कुल क्षेत्रफल 83.33 वर्गगज है जिसे मेरे मुवक्किल की धर्मपत्नी श्रीमती राधामणी वी वी ने एचडीएफसी बैंक लिमिटेड (बैंक मे विलय से पूर्व नाम एच.डी.एफ.सी. लिमिटेड) मे बंधक रखकर ऋण प्राप्त किया हुआ था जिसका ऋण संख्या 661619563 एवं 688151105 है, उक्त श्रीमती राधामणी वी वी पत्नि श्री शशि के. के. का स्वर्गवास 02.07.2026 को हो चुका है, श्रीमती राधामणी वी वी पत्नि श्री शशि के.के. के हिन्दू उत्तराधिकारी अधिनियम के तहत प्रथम श्रेणी के उत्तराधिकारी एवं वारिसान मे शशी के. के. पुत्र श्री कुंजु रमन, शरद पुत्र श्री शशि के. के. एवं शरण्या शशी, पुत्री श्री शशि के. के. है, इनके अलावा स्वर्गीय श्रीमती राधामणी वी वी पत्नि श्री शशि के.के. का कोई विधिक उत्तराधिकारी अथवा वारिसान नही है, चूंकि मेरे मुवक्किल की धर्मपत्नी श्रीमती राधामणी वी वी के द्वारा लिए गए समस्त ऋण की अदायगी एचडीएफसी बैंक लिमिटेड (बैंक मे विलय से पूर्व नाम एच.डी.एफ.सी. लिमिटेड) को की जा चुकी है इसलिए मेरे मुवक्किल स्वयं की धर्मपत्नी श्रीमती राधामणी वी वी के स्वामित्व की उक्त अचल सम्पत्ति के समस्त मूल दस्तावेज एचडीएफसी बैंक लिमिटेड (बैंक मे विलय से पूर्व नाम एच.डी.एफ.सी. लिमिटेड) सी-25, भगवान दास रोड, सेन्ट जेवियर स्कूल के सामने, सी-स्कीम, जयपुर-302001 (राज.) से प्राप्त करना चाहते है, इस सम्बन्ध मे किसी भी व्यक्ति अथवा बैंक इत्यादि को किसी प्रकार की कोई आपत्ति या आक्षेप हो तो मय सबूत सात दिन की अवधि में अधोहस्ताक्षरकर्ता को लिखित आपत्ति प्रस्तुत करे, अवधि समाप्ति के पश्चात् आपत्ति मान्य नही होगी तथा मेरी मुवक्किल के विरूद्ध शून्य व बेअसर मानी जावेगी।
(श्याम सुन्दर चावला) एडवोकेट 6/48, मालवीय नगर, जयपुर, मोबाईल 9829218044

नम्बर मिलाइए
8890333139

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

गृहमंत्री बेढ़म ने बजरंगपुरा में चुनावी कार्यालयों का उद्घाटन किया

सभा में राज्यसभा सांसद अलका गुर्जर, विधायक धनकड़ मौजूद रहे

जवाहर सिंह बेढ़म ने बजरंगपुरा में जिला परिषद वार्ड न.15 भाजपा प्रत्याशी रोहिताश सिंधू व पंचायत समिति सदस्यों के समर्थन में आयोजित आमसभा को संबोधित किया।

पावटा। जिला परिषद एवं पंचायत समिति चुनाव को लेकर क्षेत्र में राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। इसी क्रम में राजस्थान सरकार के कैबिनेट गृहमंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने बजरंगपुरा में जिला परिषद वार्ड न.15 भाजपा प्रत्याशी रोहिताश सिंधू व पंचायत समिति सदस्यों के समर्थन में आयोजित आमसभा को संबोधित किया।

विराटनगर विधायक कुलदीप धनकड़ के नेतृत्व में आयोजित सभा में राज्यसभा सांसद अलका गुर्जर, राजस्थान के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष युवा मोर्चा अशोक सैनी, जिलाध्यक्ष सुरेश बादलीवाल, सुरेंद्र चौधरी, रमेश रावत, शाहपुरा नगर परिषद सभापति रविश खटाना, हीरालाल रावत, गौरव सिंह, गोपाल अग्रवाल, भागीरथ यादव, यादराम जांघल , मंडल अध्यक्ष वीरेंद्र राठी, विकास सिंह, सोहनदास महाराज, राजा राव, अशोक वर्मा सहित भाजपा पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं, पार्षदों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी रही।

सभा के माध्यम से जिला परिषद एवं पंचायत समिति चुनाव में भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में जनसंपर्क का संदेश दिया गया। गृहमंत्री जवाहर सिंह बेढ़म के आगमन पर भाजपा कार्यकर्ताओं में उत्साह दिखाई दिया। सभा में चुनाव को लेकर संगठन की भूमिका, क्षेत्रीय विकास और जनहित से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हुई।

विधायक कुलदीप धनकड़ के नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ताओं ने चुनावी अभियान को गति देने के लिए अपनी सक्रियता दिखाई। वही बजरंगपुरा, जयसिंहपुरा, सोठाना में प्रधान कार्यालयों का उद्घाटन किया। इस दौरान गृहमंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने कहा- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के मार्गदर्शन एवं मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा जी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार जनकल्याण, सुशासन और सर्वांगीण विकास के संकल्प के साथ निरंतर कार्य कर रही है।

■ उन्होंने कार्यकर्ताओं से जनता के बीच जाकर उनकी समस्याएं सुनने और विकास के मुद्दों को प्राथमिकता देने का आव्हान किया

ग्रामीण क्षेत्रों में विकास की गति को और तेज करने तथा जन-जन की आकांक्षाओं को साकार करने में पंचायत राज संस्थाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। हमारे समर्पित कार्यकर्ता एवं प्रत्याशी जनसेवा के संकल्प को लेकर जनता के बीच पहुँचेंगे और क्षेत्र के विकास एवं जनकल्याण के लिए पूरी प्रतिबद्धता से कार्य करेंगे। जनसेवा का संकल्प, विकास का विश्वास यही भाजपा की पहचान है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से जनता के बीच जाकर उनकी समस्याएं सुनने और विकास के मुद्दों को प्राथमिकता देने का आव्हान किया।

सार-समाचार

पीएम श्री स्कूल के दल ने निवाई केंद्रीय विद्यालय का विजिट किया

निवाई। केंद्र सरकार की राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत संचालित ट्विनिंग ऑफ स्कूल एवं स्कूल साझेदारी अभियान के तहत पीएम श्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय निवाई के 41 सदस्यीय दल ने प्रधानाचार्य गिरिराज प्रसाद गुर्जर के नेतृत्व में जयपुर स्थित केंद्रीय विद्यालय बजाज नगर एवं केंद्रीय विद्यालय प्रताप नगर का शैक्षिणक भ्रमण किया। विजिट का मुख्य उद्देश्य विद्यालयों के मध्य उत्कृष्ट शैक्षिणक पद्धितयों, नवाचारों, शिक्षण-अधिगम सामग्री एवं सह-शैक्षिणक गतिविधियों के आदान-प्रदान को बढ़ावा देना है। दल में शामिल शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने दोनों केंद्रीय विद्यालयों की विभिन्न व्यवस्थाओं का गहनता से अध्ययन किया। दल ने प्रातःकालीन प्रार्थना सभा में भाग लिया एवं केंद्रीय विद्यालय की अनुशासित दिनचर्या, योग, विचार-प्रस्तुति व समाचार वाचन की गतिविधियों का अवलोकन किया। इस दौरान भौतिकी, रसायन विज्ञान व जीव विज्ञान की आधुनिक प्रयोगशालाओं का अवलोकन कर प्रयोगात्मक व वैज्ञानिक शिक्षण की कार्यप्रणाली को समझा। डिजिटल एवं ई-रिसोर्स से लैस पुस्तकालय का दौरा कर स्वाध्याय संस्कृति व पठन-पाठन नवाचारों की जानकारी ली। कंप्यूटर लैब में आईसीटी आधारित शिक्षण, कोडिंग व आधुनिक डिजिटल उपकरणों के उपयोग का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त किया। कला शिक्षा, खेलकूद, संगीत व व्यावसायिक कौशलों से जुड़ी गतिविधियों को समझा। दल ने केंद्रीय विद्यालय के संकाय सदस्यों एवं विद्यार्थियों के साथ संवाद स्थापित कर अपने विचार व अनुभव भी साझा किए। इसी प्रकार जवाहर कला केंद्र की प्रदर्शनी एवं लोकरंग की प्रस्तुतियां देख कर खुशी जाहिर की।

पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने किया मतदान

चौमूं / कालाडेरा । भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश मुख्य प्रवक्ता एवं पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने आज पंचायत चुनाव-2026 के द्वितीय चरण के मतदान के दौरान अपने मताधिकार का प्रयोग किया। पूर्व विधायक शर्मा ने पंचायत समिति जालसू के अंतर्गत पंचायत समिति सदस्य वार्ड नंबर 13 के बूथ संख्या 7, ग्राम बिहारीपुरा पर पहुंचकर मतदान किया। इस अवसर पर उन्होंने प्रदेश के मतदाताओं और आमजन से अपील करते हुए कहा कि लोकतंत्र के इस महापर्व में प्रत्येक नागरिक को अपनी सक्रिय भागीदारी निभानी चाहिए और अधिक से अधिक संख्या में मतदान करना चाहिए। शर्मा ने विश्वास जताते हुए कहा कि प्रदेश में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में भाजपा सरकार ने सुशासन और विकास के जो कार्य किए हैं, उनके दम पर जिस प्रकार नगर निकाय चुनावों में बेहतरीन परिणाम और शानदार जीत हासिल हुई है, उसी प्रकार पंचायत चुनावों में भी भारतीय जनता पार्टी ऐतिहासिक एवं प्रचंड जीत दर्ज करेगी।

रामगढ़ में विधिक सेवा कार्यालयों का निरीक्षण

अलवर। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अलवर के सचिव मोहनलाल सोनी ने बुधवार को रामगढ़ तालुका विधिक सेवा समिति कार्यालय और न्यायालय परिसर में संचालित लीगल एड क्लीनिक का औचक निरीक्षण किया।

इस दौरान उन्होंने कार्यालयों के रिकॉर्ड, रजिस्टरों और कार्यप्रणाली की जांच कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान सोनी ने तालुका विधिक सेवा समिति कार्यालय में कर्मचारियों के उपस्थिति रजिस्टर सहित विभिन्न रजिस्टरों और पत्रावलियों का अवलोकन किया। इस दौरान एसीजेएम अरुण प्रकाश आर्य, न्यायिक मजिस्ट्रेट हर्ष वर्धन, पीएलवी राजेंद्र सिंह और पूजा रानी उपस्थित मिले। इसके बाद उन्होंने रामगढ़ न्यायालय परिसर में संचालित लीगल एड क्लीनिक का निरीक्षण किया।

अलवर में मिठाई की दुकानों और कारखानों से खाद्य पदार्थों के नमूने लिये

■ रामगढ़ में गोपी सरस घी और जेएमडी सरस घी ब्रांड की 350 लीटर मात्रा सीज की गई

■ अलवर शहर में नमकीन एजेंसी, मिठाई की दुकानों और कारखानों से खाद्य पदार्थों के नमूने लेकर जांच के लिए भेजे गए

अलवर, (निसं)। दीपावली से पहले खाद्य पदार्थों में मिलावट की आशंका को देखते हुए खाद्य सुरक्षा विभाग ने जिले में जांच अभियान तेज कर दिया है। "शुद्ध आहार, मिलावट पर वार अभियान" के तहत अलवर शहर और रामगढ़ में विभिन्न खाद्य कारोबारियों के प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया। रामगढ़ में गोपी सरस घी और जेएमडी सरस घी ब्रांड की 350 लीटर मात्रा सीज की गई। वहीं, अलवर शहर में नमकीन एजेंसी, मिठाई की दुकानों और कारखानों से खाद्य पदार्थों के नमूने लेकर जांच के लिए भेजे गए।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. योगेन्द्र कुमार शर्मा ने बताया कि खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण आयुक्त अविचल चतुर्वेदी और जिला कलैक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला के निर्देशन में यह अभियान चलाया जा रहा है। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने जयपुर रोड स्थित गुलशन कुमार-विकास कुमार नमकीन एजेंसी का निरीक्षण किया। यहां से नमकीन का एक नमूना लिया गया। साथ ही मिलावट की आशंका के चलते रितु ब्रांड नमकीन के 212 पाउच यानी 10 कट्टे जब्त किए गए। निरीक्षण के दौरान एजेंसी पर नमकीन और कुरकुरे के करीब 2,200 पैकेट अवधि समाप्त होने के बाद भी रखे मिले। विभाग के अनुसार, इन पैकेटों को मौके पर जलाकर नष्ट करवाया गया।

खाद्य सुरक्षा टीम ने घंटाघर स्थित रामबाबू मिष्ठान भंडार के मेहताब सिंह का नाला क्षेत्र में स्थित कारखाने से काजू कतली और कलाकंद के नमूने लिए। करवा चौथ के लिए करवे तैयार करने वाले स्कीम नंबर-10 स्थित राजू मिष्ठान भंडार से रंग की मिलावट की आशंका के चलते करवे का नमूना लिया गया। इसके अलावा कटी घाटी स्थित राधा रानी मिष्ठान भंडार से बेसन के लड्डू और मालवीय नगर स्थित सैनी मिष्ठान भंडार से बर्फ़ी का नमूना जांच के लिए लिया गया। वहीं रामगढ़ में खाद्य सुरक्षा टीम ने मिलावट की आशंका के आधार पर गोपी सरस घी और जेएमडी सरस घी ब्रांड की कुल 350 लीटर मात्रा सीज की। टीम ने दोनों ब्रांड के घी के नमूने भी प्रयोगशाला जांच के लिए लिए हैं। खाद्य सुरक्षा विभाग के अनुसार, सभी नमूनों की प्रयोगशाला जांच रिपोर्ट आने के बाद नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

एनआईटी में इंटर्नशिप के अवसरों की जानकारी दी

अलवर। गौरी देवी राज महिला महाविद्यालय में बुधवार को रिसर्च डेवलपमेंट सेंटर के तत्वावधान में प्राइम इंटर्नशिप अपॉर्चुनिटीज फॉर स्टूडेंट्स इन वेरियस आईआईटीज एंड एनआईटीज विषय पर ऑनलाइन व्याख्यान आयोजित किया गया। इसमें आईआईटी बॉम्बे के रसायन विज्ञान विभाग के प्रोफेसर अर्णव दत्ता ने छात्राओं को शोध और इंटर्नशिप के विभिन्न अवसरों की जानकारी दी।

प्रोफेसर दत्ता ने शोध समस्या के चयन के विभिन्न चरणों को समझाते हुए शोध विषय और शोध अंतराल को ध्यान में रखकर शोध आलेख लिखने की प्रक्रिया बताई। उन्होंने सरल उदाहरणों के माध्यम से छात्राओं की जिज्ञासाओं का समाधान किया। साथ ही इंटर्नशिप कार्यक्रमों, उनकी पात्रता, आवेदन प्रक्रिया और प्रतिष्ठित संस्थानों में उपलब्ध अवसरों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

बहरोड़ में 440 लीटर कॉन्टिनेंटल सॉस जब्त

कोटपूतली-बहरोड़। त्योहारी सीजन के मद्देनजर आमजन को शुद्ध एवं सुरक्षित खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने तथा खाद्य पदार्थों में मिलावट पर अंकुश लगाने के लिए खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा बहरोड़ में खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर कार्रवाई की गई। इस दौरान श्याम प्रोविजन स्टोर से 440 लीटर कॉन्टिनेंटल सॉस जब्त किया गया तथा विभिन्न खाद्य पदार्थों के नमूने लेकर जांच के लिए भेजे गए।

खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण विभाग के आयुक्त श्री अविचल चतुर्वेदी, जिला कलेक्टर श्रीमती अपर्णा गुप्ता, अतिरिक्त जिला कलेक्टर श्री सोहन सिंह नरूका एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आशीष सिंह शेखावत के निर्देशानुसार की गई कार्रवाई के दौरान श्याम प्रोविजन स्टोर से कॉन्टिनेंटल सॉस के दो नमूने लिए गए। सॉस के प्रथम दृष्टया निरीक्षण में सिंथेटिक खाद्य रंग एवं घटिया गुणवत्ता की सामग्री के उपयोग की आशंका सामने आने पर 440 लीटर सॉस जब्त किया गया।

विक्रेता के अनुसार, उक्त सॉस पलवल से लगभग 20 रुपये प्रति लीटर की दर से खरीदा गया था तथा इसे फास्ट फूड विक्रेताओं और ठेला संचालकों को बेचा जाता है। संबंधित सॉस का उपयोग विभिन्न खाद्य पदार्थ तैयार करने में किया जाता है। खाद्य सामग्री में अनधिकृत रंग अथवा असुरक्षित सामग्री का उपयोग उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है।

कार्रवाई के दौरान मित्तल किराना स्टोर से मूंगफली के तेल एवं नमक के नमूने भी लिए गए। कॉन्टिनेंटल सॉस सहित सभी खाद्य नमूनों को जांच के लिए राज्य खाद्य प्रयोगशाला, जयपुर भेजा गया है। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद नियमानुसार अग्रिम कार्रवाई की जाएगी। यह कार्रवाई खाद्य सुरक्षा अधिकारियों श्री शशिकांत शर्मा एवं श्रीमती नेहा शर्मा द्वारा की गई। विभाग द्वारा खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता एवं सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण करने और संदिग्ध खाद्य सामग्री के नमूने लेने की कार्रवाई निरंतर की जा रही है।

आम सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है मेरे अभिभाष्यगण कैलाशचन्द भाला पुत्र स्व. रामेश्वर लाल, राजकिशोर, विनोद, विष्णु, अरूण, अशोक पुत्रान स्व. राधेश्याम, गोपाल, (वीना भाला-पुत्रवधू) पुत्र स्व. हीरालाल, रतन, पवन पुत्रान स्व. ताराचन्द निवासीगण ग्राम गोविन्दगढ, तहसील चौमू, जिला जयपुर हाल निवासी मुरलीपुरा, जयपुर के पूर्वज स्व. रामेश्वर लाल भाला की अचल सम्पत्तियाँ भाला भवन कुल क्षेत्रफल 240 वर्गगज, पुश्तैनी आबादी भूमि बाड़ा 442 वर्गगज, पट्टेशुदा जमीन 93 वर्गगज तथा निर्मित भवन (महल) गोविन्दगढ़ की मुख्य आबादी में स्थित है। उपरोक्त पुश्तैनी सम्पत्तियाँ मेरे अभिभाष्यगण व अन्य वारिसों की अविभाजित पुश्तैनी सम्पत्तियाँ है जिस पर सभी वारिसों का हक व अधिकार निहित है। जिनका आज दिनांक तक मेरे अभिभाष्यगण व अन्य वारिसों में विभाजन नही हुआ है। मेरे अभिभाष्यगण के अन्य भाई-बंध उक्त पुश्तैनी अविभाजित सम्पत्तियों को बेचान करने पर आमदा है। जिस कारण कोई भी व्यक्ति, संस्था इत्यादि इन सम्पत्तियों के सम्बंध में बिना विभाजन व सहमति के अन्य वारिसों से किसी प्रकार का संव्यवहार नही करें। यदि ऐसा किया जाता है तो मेरे अभिभाष्यगण की कोई जिम्मेदारी नही होगी, सूचित रहे। भवदीय - किशन लाल जांगिड़, एडवोकेट, मो. 9829326324

उत्तर पश्चिम रेलवे
खुली निविदा
ई-टेण्डर नोटिस सं. एस एण्ड टी प्रोजेक्ट-जेपी-2025-26-08 आर 1 दिनांक 22.10.2026
उप मुख्य सिगनल एवं दूर संचार इंजीनियर /परियोजना/जयपुर भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से खुली निविदा सं. एस एण्ड टी - प्रोजेक्ट-जेपी 2025-26-08 आर 1 जिसकी बंद होने की तिथि 13.11.2026 समय 15.00 बजे तक का ऑन लाईन ई-टेण्डर आंमत्रित किया जाता है। कोई भी मैनयुअल टेण्डर संबंध में स्वीकार नहीं किया जावेगा और अगर कोई मैन्युअल टेण्डर प्राप्त होता है उसको देखा नहीं जावेगा। **कार्य का नाम एवं लोकेशन** : उत्तर पश्चिम रेलवे के बीकानेर मंडल के हिसार स्टेशन पर वितरित इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग की व्यवस्था का प्रावधान। **अनुमानित लागत** : रूपये 244831790.75/- **धरोहर राशि** : रूपये 4896600.00/- **टेण्डर जमा करने की अंतिम तारीख** : 13.11.2026 सांयः 15.00 बजे। **वेब साईट का विवरण और नोटिस बोर्ड की लोकेशन** : **www.ireps.gov.in** or उप मुख्य सिगनल एवं दूर संचार इंजीनियर/ परियोजना/जयपुर ऑफिस 1540-DI/26
हमें /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

उद्घोषणा (इश्तिहार) न्यायालय (राज.)
व्यवहार मिश्रित (मुत्तफरिक) वाद सं. 29/2026
उत्तरा.
विषय- उत्तराधिकार प्रमाण-पत्र प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन प्राप्त करने हेतु प्रार्थना-पत्र।
प्रार्थी नाम सुरेन्द्र प्रसाद माथुर पुत्र श्री स्व. शिवनन्दन माथुर
विवाद स्थान 25 शांति विहार कॉलोनी नागरिक, नगर कल्याण नगर मोरानी मोटर्स के पीछे, टोंक रोड, जयपुर
मृतक रंजना माथुर की सम्पत्ति के विषय में।
पेशी दिनांक- 03.11.2026
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त प्रार्थी/प्रार्थीगण ने इस न्यायालय में इस आशय का प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है कि मृतक, नाम रंजना माथुर जाति..... निवासी 002, यूनिक सफायर नियर केसर चौराहा मानसरोवर, जयपुर का उत्तराधिकारी स्वीकार कर उसके पक्ष में उत्तराधिकार प्रमाण पत्र, प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन, प्रदान किया जावें।
अतः उक्त प्रार्थना-पत्र की स्वीकृति में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह इस न्यायालय में दिनांक 03 माह 11 सन् 2026 को न्यायालय में उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रमाण सहित प्रस्तुत करें। उक्त दिवस के पश्चात् कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।
आज दिनांक 17 माह 10 सन् 2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय मुद्रांकन से जारी किया गया।
आज्ञा से-शेरिस्तेदार
मोहर अदालत
अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश संख्या 10, जयपुर महानगर प्रथम मुख्यालय सांगानेर

फुलेरा में पालिकाध्यक्ष व ईओ ने विकास कार्यों का निरीक्षण किया

राजू दाधीच एवं अधिशासी अधिकारी महिमा सोनी ने अन्नपूर्णा रसोई सहित विभिन्न विकास कार्यों की व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

फुलेरा। कस्बे में विकास कार्यों को गति देने और सौंदर्यीकरण के उद्देश्य से नगर पालिका प्रशासन सक्रिय नजर आ रहा है। इसी कड़ी में पालिकाध्यक्ष राजू दाधीच एवं अधिशासी अधिकारी महिमा सोनी ने अन्नपूर्णा रसोई सहित विभिन्न विकास कार्यों का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान पालिकाध्यक्ष एवं ईओ ने अन्नपूर्णा रसोई में भोजन ग्रहण कर भोजन की गुणवत्ता और साफ-सफाई व्यवस्था को परखा। इसके बाद उन्होंने वार्ड संख्या 14 में चल रहे नाली निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। वहीं, पुराना फुलेरा स्थित ब्रिज पर चल रहे रंग-रोगन एवं सौंदर्यीकरण कार्यों की प्रगति भी देखी।

पालिकाध्यक्ष राजू दाधीच ने कहा कि फुलेरा का सर्वांगीण विकास करना उनका लक्ष्य है। कस्बे में आधारभूत सुविधाओं को बेहतर बनाने के साथ सौंदर्यीकरण पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कस्बे की तस्वीर बदलने और आमजन को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए विकास कार्यों को प्राथमिकता दी जा रही है। इस दौरान पार्षद अब्दुल लतीफ कुरैशी, सुरेश मिश्रा, मुकेश गेनोलिया, प्रितेश वर्मा, गिरधारी लाल, दिलीप गुर्जर, पालिका जेईएन अजय कुमार, स्वास्थ्य निरीक्षक राकेश कुमार सहित नगर पालिका के कर्मचारी मौजूद रहे।

भरतपुर में ट्रैफिक का बुरा हाल, 5 एंबुलेंस जाम में फंसी

भरतपुर (निसं)। भरतपुर में करवा चौथ पर्व की खरीदारी के चलते बाजारों में भारी भीड़ उमड़ पड़ी। बिजली घर से चौबुर्जा तक सड़क पर भीषण जाम लग गया। दुकानों के सामने आड़े-तिरछे खड़े वाहन और ई-रिक्शा की भरमार से यातायात व्यवस्था चरमरा गई। हालात ऐसे बने कि एक घंटे जाम में पांच एंबुलेंस फंस गईं। इनमें एक एंबुलेंस में गर्भवती महिला को डिलीवरी के लिए जनाना अस्पताल ले जाया जा रहा था। एंबुलेंस चालक के अनुसार, सायरन बजाने के बावजूद रास्ता नहीं मिला और मरीज को अस्पताल पहुंचाने में देरी हुई। मौके पर ट्रैफिक पुलिस की अनुपस्थिति को लेकर लोगों ने नाराजगी जताई और खुद ही वाहनों को हटाकर रास्ता खुलवाने का प्रयास किया।

जाम का सबसे चिंताजनक पहलू यह रहा कि इसमें पांच एंबुलेंस फंस गईं। इनमें एक एंबुलेंस में गर्भवती महिला को प्रसव के लिए जनाना अस्पताल ले जाया जा रहा था। एंबुलेंस चालक ने बताया कि महिला को अस्पताल पहुंचाना जरूरी था, लेकिन जाम के कारण एंबुलेंस करीब 20 मिनट से रास्ते में फंसी हुई थी। सायरन बजाने के बावजूद आगे निकलने के लिए रास्ता नहीं मिल पा रहा था।वहीं, जाम में फंसी एक अन्य एंबुलेंस के मरीज के परिजन ने बताया कि वे उत्तर प्रदेश के हाथरस से आ रहे थे। मरीज की हालत काफी खराब थी और एंबुलेंस करीब 45 मिनट से एक घंटे तक जाम में फंसी रही। परिजन के अनुसार, मौके पर यातायात संभालने या जाम खुलवाने के लिए कोई जिम्मेदार कर्मचारी नजर नहीं आया।

करवा चौथ का व्रत आज

पावटा। पति-पत्नी के अटूट प्रेम, विश्वास और समर्पण का प्रतीक करवा चौथ का पर्व आज श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जाएगा। पर्व को लेकर सुहागिन महिलाओं में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र, सुख-समृद्धि और खुशहाल वैवाहिक जीवन की कामना के साथ करवा चौथ का व्रत रखेंगी। करवा चौथ के अवसर पर महिलाएं सुबह सूर्योदय से पहले सरगी ग्रहण कर व्रत की शुरुआत करेंगी। दिनभर निर्जला उपवास रखकर भगवान गणेश, मां पार्वती और भगवान शिव की पूजा-अर्चना की जाएगी। शाम को महिलाएं पारंपरिक परिधानों में सज-संवरकर सोलह शृंगार करेंगी और सामूहिक रूप से करवा चौथ की कथा सुनेंगी। इसके बाद सभी को चांद निकलने का बेसब्री से इंतजार रहेगा। चंद्रमा के दर्शन होने पर महिलाएं छलनी से चांद और फिर अपने पति का चेहरा देखकर विधि-विधान से पूजा करेंगी। इसके बाद पति के हाथों से जल ग्रहण कर व्रत का पारण किया जाएगा। बाजारों में भी करवा चौथ को लेकर रौनक देखने को मिल रही है। महिलाओं में पूजा सामग्री, करवा, छलनी, चूड़ियां, मेहंदी और शृंगार के सामान की खरीदारी को लेकर उत्साह बना हुआ है।

करवा चौथ भारतीय संस्कृति में पति-पत्नी के प्रेम, समर्पण और पारिवारिक रिश्तों की मजबूती का संदेश देने वाला पर्व है। इस दिन महिलाएं अपने सुहाग की लंबी उम्र की कामना करती हैं और परिवार में सुख-शांति एवं खुशहाली की प्रार्थना करती हैं।

डांडिया कार्यक्रम आयोजित

टोंक। इनर व्हील क्लब द्वारा होटल राज मिडवे में एक भव्य एवं रंगारंग डांडिया कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में क्लब की महिलाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और डांडिया की धुनों पर खूब आनंद उठाया। कार्यक्रम में मनोरंजक गेम्स एवं आकर्षक उपहारों की व्यवस्था की गई, जिसमें महिलाओं ने पूरे उत्साह और उमंग के साथ भाग लिया। पूरे आयोजन में उत्सव, मनोरंजन और आपसी सौहार्द का सुंदर संगम देखने को मिला। इस अवसर पर नगर परिषद सभापति मयंक गोयल को सम्मानित किया गया। साथ ही समाज सेविका, सुमन राजेंद्र गोयल एवं पंडित राजकुमार शर्मा की धर्मपत्नी हर्षिता शर्मा को भी सम्मानित किया गया।

कोटपूतली: द्वितीय चरण का मतदान शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष रूप से संपन्न

पावटा में 61867 मतदाताओं ने मतदान किया

द्वितीय चरण का मतदान बुधवार को कोटपूतली जिले के चार पंचायत समिति क्षेत्रों में मतदान हुआ।

कोटपूतली-बहरोड़। पंचायतीराज आम चुनाव-2026 के तहत द्वितीय चरण का मतदान बुधवार को जिले के चार पंचायत समिति क्षेत्रों में शांतिपूर्ण, स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं पारदर्शी रूप से संपन्न हुआ। द्वितीय चरण में पंचायत समिति कोटपुतली, पंचायत समिति पावटा, पंचायत समिति नारायणपुर एवं पंचायत समिति बानसूर के पंचायत समिति सदस्य के 80 वार्डों एवं जिला परिषद सदस्य के 16 वार्डो में मतदान कराया गया। इन पंचायत समिति क्षेत्रों में कुल 395206 मतदाता पंजीकृत थे, जिनमें से 278618 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। इस प्रकार जिले में द्वितीय चरण का अंतिम मतदान प्रतिशत 70.50 प्रतिशत रहा।

पंचायत समितिवार मतदान की बात करें तो पंचायत समिति कोटपुतली में कुल 80332 मतदाताओं में से 58059 मतदाताओं ने मतदान किया और अंतिम मतदान प्रतिशत 72.27 प्रतिशत रहा। पंचायत समिति पावटा में कुल 88538 मतदाताओं में से 61867 मतदाताओं ने मतदान किया तथा अंतिम मतदान प्रतिशत 69.88 प्रतिशत दर्ज किया गया। पंचायत समिति नारायणपुर में कुल 80197 मतदाताओं में से 53706 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया और मतदान प्रतिशत 66.96 प्रतिशत रहा। वहीं पंचायत समिति बानसूर में कुल 146139 मतदाताओं में से 104986 मतदाताओं ने मतदान किया तथा यहां 71.84 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया।

मतदान के दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर अपर्णा गुप्ता तथा जिला पुलिस अधीक्षक सतवीर सिंह ने विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण कर मतदान व्यवस्थाओं का जायजा लिया। अधिकारियों ने मतदान केंद्रों पर पहुंचकर मतदान प्रक्रिया, मतदाताओं के लिए उपलब्ध सुविधाओं तथा मतदान दलों की व्यवस्थाओं की जानकारी ली। साथ ही स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए।

भारतीय पशु चिकित्सा परिषद
(भारत सरकार, मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय का वैधानिक निकाय)
ए विंग, दूसरी मंजिल, अगस्त क्रांति भवन, भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली 110066
(दूरभाषः 011-26184149, ई-मेलः vciinfo@nic.in)
सार्वजनिक सूचना
भारतीय पशु चिकित्सा परिषद, नई दिल्ली, भारत सरकार के मत्स्य पालन पशुपालन और डेयरी मंत्रालय के पशुपालन और डेयरी विभाग के अंतर्गत एक वैधानिक निकाय है। इसकी स्थापना भारतीय पशु चिकित्सा परिषद् अधिनियम, 1984 के प्रावधानों के तहत की गई है. जिसका उद्देश्य बी.वी.एससी. एवं ए.एच. स्नातक पाठ्यक्रम की पशु चिकित्सा शिक्षा को विनियमित करना है।
इसलिए, सभी छात्रों, अभिभावकों, हितधारकों एवं आमजन को सलाह दी जाती है कि वे बी.वी.एससी. एवं ए.एच. स्नातक पाठ्यक्रम में प्रवेश लेने से पहले, भारतीय पशु चिकित्सा परिषद् अधिनियम, 1984 और इसके तहत बनाए गए नियमों व विनियमों के अनुसार, संबंधित पशुचिकित्सा महाविद्यालय/संस्थान की प्रमाणिकता और उसकी मान्यता (या अनंतिम मान्यता) की जांच अवश्य कर लें।
प्रवेश शुल्क जमा करने या मूल दस्तावेज सौंपने से पहले, आवेदकों को यह सुनिश्चित कर लेना चाहिए किः -
(i) महाविद्यालय कानूनी रूप से स्थापित है और उसे बी.वी.एससी. एवं ए.एच. स्नातक पाठ्यक्रम कराने के लिए केंद्र सरकार द्वारा मान्यता (या अनंतिम मान्यता) प्राप्त है।
(ii) महाविद्यालय के पास संबंधित शैक्षिणक सत्र के लिए पाठ्यक्रम चलाने की वैध मंजूरी और प्राधिकृत है।
(iii) महाविद्यालय/संस्थान द्वारा दी गई जानकारी जिसमें उसका पता, वेबसाइट, बी.वी.एससी. एवं ए.एच. पाठ्यक्रम में प्रवेश के मानदंड और प्रवेश प्रक्रिया शामिल है पूरी तरह से सही और सत्यापित करने योग्य है।
छात्रों, अभिभावकों, हितधारकों एवं आमजन को सलाह दी जाती है कि वे संबंधित जानकारी की पुष्टि वीसीआई की आधिकारिक वेबसाइटों www.vci.dahd.gov.in और www.vci.admissions.nic.in से करें।
(डॉ. राजेद्र बाम्बल)
सचिव, वीसीआई (अतिरिक्त प्रभार)
CBC 01101/11/0009/2627

शाहपुरा में 72.08 प्रतिशत मतदान

शाहपुरा। पंचायती राज चुनाव के दूसरे चरण में शाहपुरा एवं अमरसर पंचायत समिति के पंचायत समिति सदस्य जिला पार्षद सदस्य के चुनाव शांतिपूर्ण आयोजित हुए। रिटर्निंग अधिकारी जेपी बैरवा ने बताया कि शाहपुरा के 63 बूथों पर एवं अमरसर पंचायत समिति सदस्यों के77 बूथों पर एवं जिला सदस्यों के चुनाव शांतिपूर्ण आयोजित हुए। चुनाव सुबह 7:00 शुरू होने के करीब डेढ़ घंटे बाद ही कुंभावास के बूथ संख्या 62 पर मशीन में खराबी आने पर मशीन बदलीगई जिससे करीब 10 मिनट तक मतदान प्रभावित हुआ। मतदान के दौरान जयपुर जिला कलेक्टर संदेश नायक जयपुर ग्रामीण हनुमान प्रसाद मीणा एरिया मजिस्ट्रेट कुलराज मीणा, रिटर्निंग अधिकारी जेपी बेरवा डीएसपी लक्ष्मी नारायण सैनी सहित तहसीलदार दाताराम गुर्जर ने खोरालाड़खानी, पिपलोद नारायण, राडावास ग्राम पंचायत के बूथों पर निरीक्षण किया कर मतदाताओं से शांतिपूर्ण चुनाव एवं व्यवस्थाओं को लेकर जानकारी ली। श्शाहपुरा पंचायत समिति क्षेत्र में 72.08 प्रतिशत एवं अमरसर पंचायत समिति क्षेत्र में 67.89 प्रतिशत लोगों ने मतदान किया। इस दौरान विधायक मनीष यादव नेवी अपने मत का प्रयोग किया वहीं पूर्व विधायक आलोक बेनीवाल ने पत्नी सविता बेनीवाल के साथ वोट डाला।

ट्रिपल इंजन सरकार से तीन गुना होगी विकास की रफ्तार : भजनलाल शर्मा

मुख्यमंत्री ने डिग्गी कल्याण मंदिर में अपनी पत्नी के साथ दर्शन कर पूजा अर्चना की

- 'निकाय चुनावों में जीत कार्यकर्ताओं के परिश्रम का परिणाम'
- पंचायत चुनावों में जीत के लिए जुटने का किया आव्हान

मुख्यमंत्री ने डिग्गी में टोंक व सवाईमाधोपुर के कार्यकर्ताओं से संवाद किया ।

जयपुर/टोंक। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने टोंक जिले के डिग्गी में टोंक-सवाई माधोपुर के पार्टी कार्यकर्ताओं से संवाद किया। उन्होंने कहा कि निकाय चुनावों में भाजपा की ऐतिहासिक जीत समर्पित कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम और जनता के अटूट विश्वास का परिणाम है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि कार्यकर्ताओं के इसी समर्पण और जनता के आशीर्वाद से भाजपा पंचायत चुनावों में भी शानदार सफलता हासिल करेगी और गांवों में भी ट्रिपल इंजन सरकार से तीन गुना रफ्तार से विकास होगा।

उन्होंने कहा कि गांवों का विकास ही विकसित राजस्थान की आधारशिला है। ग्राम विकास संकल्प पत्र-2026 के माध्यम से प्रत्येक ग्राम पंचायत में अटल ज्ञान केंद्र, ग्राम सेवा सहकारी समिति, सीनियर सेकेंडरी स्कूल, इंटरनेट सुविधा, स्वास्थ्य केंद्र, सोलर लाइट, खेल मैदान और ओपन जिम जैसी सुविधाएं विकसित करने का संकल्प लिया है। आगामी पांच वर्षों में प्रत्येक ग्राम पंचायत में औसतन पांच करोड़ रुपये के विकास कार्य कराने का लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि किसानों के लिए सम्मान निधि को बढ़ाकर 12 हजार रुपये करना, 25 लाख ग्रामीण महिलाओं को लखपति दीदी बनाना, युवाओं के लिए 15 हजार नए स्कूल भवन व बड़े उद्योगों के माध्यम से रोजगार अवसर सृजित करना हमारा संकल्प है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा पिछले पौने तीन वर्षों में टोंक जिले में 3 हजार 841 करोड़ के कार्य करवाए जा रहे है। बीसलपुर परियोजना के तहत 102 करोड़ रुपये से अधिक के मरम्मत एवं जीर्णोद्धार के साथ ही निवाई, डिग्गी और लांबा हरिसिंह में 92 करोड़ रुपये की शहरी पेयजल योजनाओं से जुड़े कार्य करवाए जा रहे है। इसी तरह सवाई माधोपुर जिले में 17 हजार 173 करोड़ रुपये के विकास कार्य करवाए जा रहे हैं। सूरवाल से कुस्तला तक 130 करोड़ रुपये की लागत से बाईपास सड़क तथा सवाई माधोपुर व रईथांकलां में 400-400 केवी जीएसएस का निर्माण कार्य प्रगतिरत है। मुख्यमंत्री ने कार्यकताओं से कहा कि इन विकास कार्यों और सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी आमजन तक पहुंचाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि कार्यकर्ता पार्टी की विचारधारा के ध्वजवाहक और सरकार एवं जनता के बीच मजबूत सेतु हैं। 'मेरा बूथ, सबसे मजबूत' के संकल्प के साथ कार्यकर्ता पंचायत चुनावों में जुटें। मुख्यमंत्री भजनलाल ने कल्याण मन्दिर में किए दर्शन, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने डिग्गी स्थित प्रसिद्ध डिग्गी कल्याण मंदिर में पंहुचकर अपनी पत्नी के साथ दर्शन कर विधिवत पूजा अर्चना की। साथ ही प्रदेश की सुख समृद्धि और खुशहाली के लिए कामना भी की। उनके साथ कैबिनेट मंत्री कन्हैया लाल चौधरी भी मौजूद थे

सार-समाचार

राजगढ़ पंचायत समिति जिला परिषद चुनाव में 60.29 प्रतिशत मतदान

राजगढ़। उपखंड क्षेत्र राजगढ़ मे पंचायत समिति सदस्य एवं जिला परिषद के चुनाव में मतदान उत्साह एवं उल्लास के साथ संपन्न हुआ। क्षेत्र के नाथलवाड़ा,अनावड़ा एवं बिरकड़ी मे ईवीएम बंद होने एवं छिटपुट घटनाओं के अलावा शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। राजगढ़ क्षेत्र में जिला कलेक्टर आर्तिका शुक्ला,रिटर्निंग अधिकारी सीमा मीणा, सहायक रिटर्निंग अधिकारी रतनलाल बंसीवाल, प्रवीण कुमार एवं अन्य के साथ पुलिस उपाधीक्षक देशराज कुलदीप एवं सुपरवाइजरी अधिकारी स्थिति पर निगरानी में लगे रहे। राजगढ़ क्षेत्र में बुधवार प्रातः मतदान की प्रक्रिया धीमी रही, मगर समय गुजरने के पश्चात मतदान में तेजी आई। ग्रामीण क्षेत्र में घूंघट में वोट देने आई महिलाओं की भारी संख्या रही। लोकतंत्र के महापर्व मे दिव्यांग एवं असाध्याय मतदाताओं ने भी बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया एवं अपनी भागीदारी निभाई। ढिगावड़ा मतदान केंद्र पर पहली बार मत डालने आए युवाओं में भी काफी जोश देखा गया। 128 मतदान केदो पर व्हीलचेयर, चिकित्सा सहायता, पानी सहित अन्य मूलभूत सुविधाओं की आपूर्ति का इंतजाम किया गया। मतदान केदो के बाहर भारी भीड़ को डिस्पर्स करने में अनेक बार पुलिस बल को खासी मशक्कत करनी पड़ी

सांभर में पालिका ने तीव्रगति से टूटी-फूटी सड़कें दुरुस्त करवाई

सांभरझील। सांभर नगर पालिका ने टूटी फूटी सड़कों से आहत आम नागरिकों को अब राहत देने का काम तेज गति से शुरू कर दिया है। नगर पालिका के अधिशाषी अधिकारी छगनलाल यादव ने मौके पर जाकर कार्य की गुणवत्ता पर ध्यान रखने हेतु सफाई निरीक्षक विनोद कुमार पारीक व कुछ स्टाफ को सख्त हिदायत दी है, उनके आदेशों की पालना में मौके पर आज सफाई निरीक्षक विनोद पारीक तड़के न्यू मार्केट, सांभर साल्ट के रेल फाटक पर पहुंचे और रातों-रात बनाई गई तजा सड़क पर से कोई भारी वाहन निकलकर उसे फिर से खराब ना कर दे, इसकी रोकथाम के लिए फाटक को दोनों ओर से बंद करवाया गया तथा खुद ड्यूटी पर रहकर आने जाने वालों को दूसरे साइड से जाने का सही रास्ता बताया। कुछ लोगों ने इसमें हल्का-फुल्का ऑब्जेक्शन किया तो उनसे पारीक ने हाथ जोड़कर निवेदन किया कि भाई साहब थोड़ा सा कॉपरेट करो कुछ घंटों की बात है, यह सड़क आप लोगों के लिए ही बनाई गई है। इसी प्रकार श्याम सुंदर सेठी व उस्मानी हाउस के सामने से बने नाले के आगे तक सड़क को ठीक करवा कर वहां पर आवागमन को कुछ समय के लिए रोकने हेतु यातायात पुलिस के दो बैरिकेट्स भी लगाकर रोड की सुरक्षा करवाई गई। रोड दुरुस्तीकरण के कार्य में ओएसके डायग्नोस्टिक सेंटर के आगे से गुजर रही रोड को क्रॉस करती नाली को लेवल पर लाकर उस पर आने जाने वाले वाहनों के लायक बनाया। पांच बत्ती चौराहे से अजय जोपट के घर के कुछ पहले तक तथा पांच बत्ती से तेली दरवाजा रोड पर भी जगह-जगह पेचवर्क करवा कर सड़क को ठीक करवाया गया।

कालाडेरा में मेहंदी और रंगोली प्रतियोगिता हुई

चौमूं / कालाडेरा । सेठ आरएल सहरिया राजकीय पीजी महाविद्यालय, कालाडेरा में महिला प्रकोष्ठ के तत्वावधान में छात्राओं की रचनात्मक प्रतिभा, कलात्मक अभिव्यक्ति एवं सांस्कृतिक रुचि को मोटिवेट करने के लिहाज से मेहंदी एवं रंगोली प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रतियोगिताओं में छात्राओं ने उत्साह और उमंग के साथ भाग लेते हुए अपनी कलात्मक दक्षता, सृजनशीलता और कल्पनाशीलता का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। मेहंदी प्रतियोगिता में छात्राओं ने आकर्षक एवं मनमोहक डिजाइनों के माध्यम से अपनी कलात्मक प्रतिभा का परिचय दिया। प्रतियोगिता में गुड्डू कुलदीप ने प्रथम, रौनक कुमावत ने द्वितीय तथा आशु प्रजापत एवं प्रिया मीणा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में डॉ. किरण बाला, डॉ. दीपिका भंडारी एवं डॉ. ज्योति अरुण शामिल रहीं। इसी क्रम में आयोजित रंगोली प्रतियोगिता में छात्राओं ने विभिन्न रंगों, आकर्षक आकृतियों और सृजनात्मक संयोजनों के माध्यम से मनमोहक रंगोलियाँ बनाकर अपनी कलात्मक अभिरुचि का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में आरती पारिक ने प्रथम, पूजा चौधरी एवं माहेश्वरी मीणा ने द्वितीय तथा अंजु अटल एवं अंजली यादव ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। रंगोली प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में डॉ. सुधा राठी, डॉ. आशा सक्सेना एवं डॉ. वीणा माथुर शामिल रहीं।

टोंक वार्ड नंबर 23 गांवों के कार्यकर्ताओं ने प्रभु बाडोलिया का स्वागत किया

टोंक। शहर के वार्ड नंबर 23 गांवों के कार्यकर्ताओं ने गुलाब की पंखुड़ियों की वर्षा कर अतिथियों का स्वागत किया। इस दौरान पूरा पंडाल भाजपा जिंदाबाद, बादाम प्रभु बाडोलिया जिंदाबाद के नारों से गूंज उठा। गांव को भाजपा के झंडों, बैनरों और फूलों की झालरों से सजाया गया था, गुलाब के फूलों कि विशाल माला से उनका स्वागत व तिलक लगाकर अभिनंदन किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों ने बादाम प्रभु बाडोलिया का विशाल फूल माला पहनाकर स्वागत किया। प्रत्याशी का महिला कार्यकर्ताओं ने अतिथियों का तिलक लगाकर और फूल बरसाकर अभिनंदन किया। इस अवसर पर लोगों में भाजपा और बादाम प्रभु बाडोलिया के प्रति जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। सभी के हाथों में भाजपा का चुनावी घोषणा पत्र और भाजपा के निशान वाले पम्पलेट थे। बादाम प्रभु बाडोलिया समझदार और जमीन से जुड़ी हुए नेता हैं। इस अवसर पर बादाम प्रभु बाडोलिया ने कहा कि भाजपा सरकार ने हमेशा दलित, शोषित और किसान वर्ग को सम्मान दिया है। जिला परिषद में भाजपा का सदस्य होगा तो गांव-गांव में सड़क, पानी, नाली और शौचालय के काम तेज गति से होंगे। उन्होने कहा कि जीत के बाद वार्ड के विकास के लिए दिन-रात मेहनत करूंगी। कार्यक्रम में भाजपा पार्टी के पंचायत समिति के सभी वार्डो के प्रत्याशी, मंडल अध्यक्ष, कई सरपंच, पंच, बूथ अध्यक्ष, शक्ति केंद्र संयोजक सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और गांव के ग्रामीण उपस्थित रहे।

फुलेरा की रामलीला को भव्य बनाने की तैयारी, निर्देशन टीम में जुड़े शैलेंद्र शर्मा

फुलेरा। फुलेरा की ऐतिहासिक रामलीला को और अधिक भव्य एवं आकर्षक बनाने के साथ नई पीढ़ी को धार्मिक और सांस्कृतिक संस्कारों से जोड़ने की दिशा में श्री रेलवे रामलीला एवं सांस्कृतिक समिति ने महत्वपूर्ण पहल की है। समिति की प्रबंध संचालन समिति ने सर्वसम्मति से शैलेंद्र शर्मा को रामलीला की निर्देशन टीम में नई जिम्मेदारी सौंपी है। वह वर्ष 2027 की रामलीला के लिए वर्तमान निर्देशक राजेश शर्मा और मुकेश पारीक के साथ मिलकर कार्य करेंगे। समिति के कार्यकारी अध्यक्ष प्रेमचंद वर्मा, सचिव देवकीनंदन जांगिड़ एवं प्रबंध संचालन समिति के मनोज आहुजा व दिनेश सुरोलिया ने बताया कि आगामी वर्ष की रामलीला को नए आयाम देने और उभरती प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने के उद्देश्य से यह निर्णय लिया गया है। तीनों निर्देशक अपने अनुभव, समर्पण और कुशल निर्देशन के माध्यम से रामलीला मंचन को अधिक प्रभावशाली बनाने की दिशा में काम करेंगे। वर्ष 2027 की रामलीला की तैयारियों के तहत बच्चों को अभिनय एवं मंचन के लिए तैयार किया जाएगा। साथ ही नई प्रतिभाओं को तराशकर उन्हें रामलीला से जोड़ने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। समिति का उद्देश्य नई पीढ़ी में धार्मिक, सांस्कृतिक एवं नैतिक मूल्यों का विकास करने के साथ फुलेरा की ऐतिहासिक रामलीला की गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ाना है। साथ ही समिति ने विश्वास जताया कि तीनों निर्देशकों के संयुक्त प्रयासों और आपसी समन्वय से रामलीला का मंचन पहले से अधिक भव्य एवं आकर्षक होगा। इससे स्थानीय प्रतिभाओं को अपनी कला प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा और फुलेरा की ऐतिहासिक रामलीला नई ऊंचाइयों तक पहुंचेगी।

पावटा में विधायक के आश्वासन पर धरना समाप्त

- व्यापारी को 2.21 लाख की आर्थिक मदद देंगे कुलदीप धनकड़, सरकारी सहायता दिलाने का भी दिया भरोसा

पावटा। विराटनगर कस्बे के बस स्टैंड के समीप कपड़े की दुकान में लगी भीषण आग से हुए लाखों रुपए के नुकसान के बाद मुआवजे की मांग को लेकर चल रहा धरना समाप्त हो गया। विराटनगर विधायक कुलदीप धनकड़ ने धरनास्थल पर पहुंचकर पीड़ित व्यापारी को नियमानुसार सरकारी सहायता दिलाने का आश्वासन दिया। साथ ही विधायक ने अपनी ओर से 2 लाख 21 हजार रुपए की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की। विधायक के आश्वासन के बाद व्यापारियों और आमजन ने धरना समाप्त कर दिया। गौरतलब है कि रविवार देर शाम बस स्टैंड के समीप स्थित कपड़े की दुकान में अचानक आग लग गई थी। आग इतनी भीषण थी कि दुकान में रखे कपड़े और अन्य सामान जलकर राख हो गए। इस घटना में व्यापारी को लाखों रुपए का नुकसान हुआ। घटना के बाद पीड़ित व्यापारी को उचित मुआवजा दिलाने की मांग को लेकर व्यापारी और स्थानीय लोग दुकान के सामने धरने पर बैठ गए।

आगजनी की घटना के बाद व्यापारियों में रोष व्याप्त हो गया। रविवार देर रात पूर्व विधायक इंद्राज गुर्जर, नगर पालिका अध्यक्ष देशराज सैनी और सरपंच संघ अध्यक्ष शीशराम दायमा भी मौके पर पहुंचे। धरनार्थियों ने विधायक को मौके पर बुलाने और पीड़ित व्यापारी को आर्थिक सहायता दिलाने की मांग रखी।

बांसखोह में भाजपा की चुनावी रणनीति पर मंथन, संगठन मजबूत करने पर जोर

- रत्ना कुमारी ने कहा कि चुनाव में संगठन की मजबूती, कार्यकर्ताओं की सक्रियता और जनता से निरंतर संपर्क सफलता का आधार है

बस्सी। आगामी पंचायत समिति चुनावों को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में पंचायत समिति बस्सी की भाजपा प्रभारी रत्ना कुमारी ने बांसखोह में पार्टी कार्यकर्ताओं की बैठक लेकर चुनावी रणनीति और संगठनात्मक गतिविधियों पर चर्चा की।

बैठक में रत्ना कुमारी ने कहा कि चुनाव में संगठन की मजबूती, कार्यकर्ताओं की सक्रियता और जनता से निरंतर संपर्क सफलता का आधार हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से गांव-गांव और ढाणी-ढाणी तक जनसंपर्क बढ़ाने, आमजन की समस्याएं सुनने तथा केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जनता तक पहुंचाने का आ ान किया।

भाजपा प्रभारी रत्ना कुमारी ने बांसखोह में कार्यकर्ताओं की बैठक ली।

उन्होंने बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत बनाने और आपसी समन्वय के साथ चुनावी तैयारियों में जुटने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सभी कार्यकर्ताओं के सामूहिक प्रयासों से बस्सी पंचायत समिति क्षेत्र में पार्टी को मजबूत बनाया जाएगा। बैठक में उपस्थित कार्यकर्ताओं ने आगामी पंचायत समिति चुनावों में सक्रियता और समर्पण के साथ कार्य करने का संकल्प लिया। इस दौरान भाजपा प्रत्याशी चंद्रमोहन मीणा, सह प्रभारी आलोक पारीक सहित सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

राजीविका उत्पादों की ब्रांडिंग और बिक्री के लिए बाजार तक पहुंच बढ़ाने के निर्देश

अलवर। जिला कलैक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने बुधवार को राजगढ़ स्थित भारत माता सीएलएफ एवं सीएमटी सेंटर (कम्युनिटी मैनेज्ड ट्रेनिंग सेंटर) का निरीक्षण कर संचालित गतिविधियों की जानकारी ली। उन्होंने राजीविका उत्पादों की ब्रांडिंग और बिक्री के लिए बाजार तक पहुंच बढ़ाने तथा महिला स्वयं सहायता समूहों की आय में वृद्धि के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

कलैक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने राजगढ़ कम्युनिटी मैनेज्ड ट्रेनिंग सेंटर का निरीक्षण कर संचालित गतिविधियों की जानकारी ली।

जिला कलक्टर ने भारत माता सीएलएफ में संचालित विभिन्न गतिविधियों की जानकारी वीडियो क्लिप और प्रेजेंटेशन के माध्यम से ली। इसके बाद उन्होंने सैनेटरी पैड निर्माण इकाई और प्रशिक्षण केंद्र का अवलोकन किया। उन्होंने सैनेटरी पैड की बिक्री के लिए अधिक से अधिक बाजार और निर्यात के अवसर विकसित करने के निर्देश दिए, ताकि उत्पादों की पहुंच बढ़ने के साथ महिलाओं को भी आर्थिक लाभ मिल सके।

उन्होंने रामगढ़ की प्याज पाउडर एवं फ्लेक्स परियोजना और गोविंदगढ़ की बकरी पालन परियोजना के बारे में भी विस्तार से जानकारी ली। जिला कलक्टर ने बकरी पालन परियोजना में उत्पादन बढ़ाने, उत्पादों की बिक्री के अधिक अवसर विकसित करने तथा महिलाओं की आय में वृद्धि करने पर जोर दिया। उन्होंने परियोजना से जुड़ी महिलाओं के अनुभव और प्रशिक्षण का लाभ अन्य महिलाओं तक पहुंचाने के लिए भी आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए।

महर्षि गौतम परमार्थिक सेवा संस्था का गठन

सवाई माधोपुर। श्री गुर्जर गौड़ ब्राह्मण समाज, बजरिया सवाई माधोपुर की एक बैठक का आयोजन हुआ । जिसमें सर्वसम्मति से सुरेंद्र शर्मा पत्रकार को अध्यक्ष पद पर मनोनीत किया गया। इसी प्रकार सर्वसम्मति से अनेक पदों पर मनोनयन में संरक्षक पद पर हरिमोहन शर्मा, रिडर ,वैद्य नाथू लाल शर्मा,रमेश पंडित ,प्रहलाद गौतम, हनुमान प्रसाद पंचारिया को मनोनीत किया गया, उपाध्यक्षपद पर बुद्धि प्रकाश गौतम पढ़ाना वाले ,चंद्र मोहन गौतम खाट वाले ,कोषाध्यक्ष धर्मेंद्र गौतम , महामंत्री मुरली गौतम प्रवक्ता सत्यनारायण हावा को मनोनीत किया। सदस्य के रूप में रमेश चंद्र शर्मा खाट वाले लेखराज शर्मा, पंडित भुवनेश शर्मा , सुरेश चंद बल्लू किला ,दीपक खाट ,अजय कुमार शर्मा, चेतन कुमार शर्मा , दुर्गा शंकर गौतम,आदि का मनोनयन किया।

टोंक में सड़क की समस्या को लेकर लोगों का गुस्सा फूटा

- पंचायती राज चुनाव के प्रचार के दौरान ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर को ग्रामीणों और भाजपा कार्यकर्ताओं के विरोध का सामना करना पड़ा

टोंक। जिले में पंचायती राज चुनाव के प्रचार के दौरान ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर को ग्रामीणों और भाजपा कार्यकर्ताओं के विरोध का सामना करना पड़ा। मंगलवार रात्रि को नासिरदा में आयोजित भाजपा की नुक्कड़ सभा में सड़क की समस्या को लेकर लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। भाजपा कार्यकर्ताओं और युवाओं ने मंत्री से दो टूक कहा कि सड़क नहीं बनी तो भाजपा को एक भी वोट नहीं मिलेगा। विरोध बढ़ने पर मंत्री और अन्य भाजपा नेताओं ने समस्याओं के समाधान का आश्वासन दिया।

पंचायती राज चुनाव के तीसरे चरण के लिए प्रचार के दौरान वार्ड संख्या 9 से जिला परिषद सदस्य भाजपा प्रत्याशी हंसराज धाकड़ के समर्थन में मंगलवार रात्रि को ऊर्जा मंत्री एवं जिला प्रभारी मंत्री हीरालाल नागर, विधायक राजेंद्र गुर्जर सहित कई भाजपा नेता नासिरदा के मानक चौक पर आयोजित जनसभा में पंहुचे, जहां वहां के ग्रामीणों और युवाओं ने बघेरा से हिसामपुर सड़क, श्मशान घाट मार्ग और निर्माणाधीन अटल सेवा पथ के चौड़ीकरण का मुद्दा उठाया। जिसके बाद ग्रामीणो ने कहा कि लंबे समय से इन समस्याओं के समाधान की मांग की जा रही है।

डीग में159 रिटर्निंग अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया

- 2 नवंबर को रवाना होंगे मतदान दल, 3 नवंबर को जिला परिषद व तीन पंचायत समितियों के लिए मतदान, 4 नवंबर को सरपंच-वार्ड पंच के नामांकन और 5 नवंबर को मतदान व मतगणना

डीग। पंचायतीराज आम चुनाव-2026 में निष्पक्ष, निर्भीक और शांतिपूर्ण मतदान कराना प्राथमिकता है। निर्वाचन प्रक्रिया में नियमों की अनदेखी न हो और प्रत्येक चरण निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुरूप पूरा किया जाए। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिला कलक्टर मयंक मनीष ने बुधवार को मास्टर आदित्येन्द्र जी राजकीय महाविद्यालय, डीग के राधाकृष्णन सभागार में आयोजित रिटर्निंग अधिकारियों के प्रशिक्षण कार्यक्रम में यह निर्देश दिए।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान किसी भी प्रकार की शंका होने पर संबंधित अधिकारियों से तत्काल समाधान प्राप्त करें। जरूरत पड़ने पर जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर (डीएलएमटी) एवं ब्लॉक स्तरीय मास्टर ट्रेनर (बीएलएमटी) से मार्गदर्शन लें, ताकि चुनाव संबंधी सभी कार्य नियमानुसार संपन्न हो सकें। उन्होंने स्पष्ट किया कि मतदान ईवीएम मशीन और मतपेटी के माध्यम से निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार कराया जाएगा। आवश्यकता पड़ने पर अतिरिक्त मतपत्र उपलब्ध कराने की व्यवस्था भी रहेगी।

कलक्टर ने बताया कि 2 नवंबर को मतदान दलों की रवानगी होगी। 3 नवंबर को जिले के सभी जिला परिषद सदस्य पदों के लिए तथा तृतीय चरण के तहत पहाड़ी, कामां एवं बृजनगर पंचायत समिति सदस्य पदों के लिए मतदान कराया जाएगा।

सरपंच एवं वार्ड पंच पदों के लिए 4 नवंबर को नामांकन प्रक्रिया होगी, जबकि 5 नवंबर को निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मतदान और मतगणना कराई जाएगी।

उन्होंने रिटर्निंग अधिकारियों को चुनाव चिह्न आवंटन, मतपत्रों पर निर्धारित तरीके से निशान लगाने, मतगणना और उपसरपंच के अप्रत्यक्ष चुनाव की प्रक्रिया का भलीभांति अध्ययन करने के निर्देश दिए।

नगर पालिका ने 100 से ज्यादा अतिक्रमियों को नोटिस थमाए

- किशनगढ़ बास में बिजली घर मोड़ से मोठूका चौक, तोप सर्किल से बासड़ा चौक तक हटेंगे आवासीय-व्यावसायिक अतिक्रमण

किशनगढ़ बास। दीपावली से पहले नगर पालिका किशनगढ़ बास ने शहर के अतिक्रमणकारियों को बड़ा झटका देते हुए दीपावली धमाका कर दिया है। नगर पालिका ने बिजली घर मोड़ से मोठूका चौक, तोप सर्किल से बासड़ा चौक तक अतिक्रमण के दायरे में आ रहे सैकड़ों आवासीय और व्यावसायिक निर्माणों को चिन्हित कर 7 दिन का नोटिस जारी कर बड़ा ऑफर निकाला है। खुद अतिक्रमण हटाओ, वरना प्रशासन हटाएगा। नगर पालिका का यह नोटिस मिलते ही अतिक्रमणकारियों की रात की नींद और दिन का चैन उड़ गया है और पूरे शहर में हड़कंप मचा हुआ है।

शहर में दीपावली बाद चलाए जाने वाले पीले पंजे को लेकर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव एवं अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश अजीत कुड़ी की अध्यक्षता में मंगलवार को जिला न्यायालय परिसर में अहम बैठक आयोजित की गई। इस महत्वपूर्ण बैठक में एसडीएम सत्यवीर सिंह यादव, नगर पालिका ईओ पूजा शर्मा सहित अधिवक्ता व अधिकारी मौजूद रहे।

बैठक में अधिकारियों ने नोटिस

जिला न्यायलय गेट से पंचायत समिति तक पार्किंग स्थल बनाए जाने का अवलोकन करते अधिकारी।

की कार्रवाई से न्यायिक अधिकारी को अवगत कराते हुए स्पष्ट कर दिया कि शहर को अतिक्रमण से नियमों के तहत मुक्त कराया जाएगा। दीपावली के बाद अतिक्रमण पर फिर से पीला पंजा चलेगा, यह इस बैठक में साफ हो चुका है। न्यायिक अधिकारी की पैनी नजर, कलेक्टर को लिख चुके हैं पत्र -सूत्रों के अनुसार, सचिव अजीत कुड़ी ने नगर पालिका को साफ शब्दों में कहा है कि शहर को अतिक्रमण मुक्त करना ही होगा, इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। बैठक के बाद न्यायिक अधिकारी की मौजूदगी में जिला न्यायालय गेट से पंचायत समिति गेट तक अवलोकन कर पार्किंग व्यवस्था के लिए भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

उल्लेखनीय है कि शहर की सबसे बड़ी अतिक्रमण समस्या पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव अजीत कुड़ी की पूरी नजर है। वह खुद पिछले कई महीनों से जिला कलेक्टर सहित संबंधित विभागों को कार्रवाई के लिए पत्र लिखते आ रहे हैं। उन्होंने खुद शहर का पैदल भ्रमण कर अवलोकन किया है और बारिश के दिनों में अवरुद्ध नालों के कारण भरने वाले पानी से होने वाली आमजन की परेशानी को अपनी आंखों से देखा है।

नगर पालिका की ओर से चलाए गए अतिक्रमण अभियान को बीच में रोक दिए जाने और दीपावली के बाद चलाए जाने वाले अभियान को लेकर शहर में असमंजस का माहौल बना हुआ था। लेकिन न्यायिक अधिकारी के यहां हुई बैठक के बाद नगर पालिका प्रशासन ने स्थिति साफ कर दी है कि अभियान रुकने वाला नहीं है, बल्कि पहले से और अधिक सख्ती से चलेगा।

नगर पालिका प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि दीपावली के तुरंत बाद तोप सर्किल से बासड़ा रोड, बिजली घर चौराहे से मोठूका चौक के अलावा गंज रोड, तिजारा रोड, अलवर रोड, खैरथल रोड पर भी मास्टर प्लान के तहत अतिक्रमण चिन्हित कर नोटिस दिए जाएंगे। इन सभी मार्गों पर केंद्र से 40 मीटर के दायरे में आ रहे निर्माणों को हटाया जाएगा।

अपने करियर में मैं बस यही चाहता था कि अपना सब कुछ लगा दूं, कोई पछतावा न रहे, हमेशा संघर्ष करता रहूं और हर मुकाबले में अपना 100 प्रतिशत दूं। यह मैंने हमेशा खुद के सम्मान, प्रतिद्वंद्वी, टूर्नामेंट, प्रशंसकों और सभी के प्रति सम्मान के लिए किया। - स्टेन वावरिंका

स्विट्जरलैंड के टेनिस खिलाड़ी, अपने संन्यास को लेकर।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी — नीरज यादव

एशियाई पैरा खेलों के स्वर्ण पदक विजेता नीरज यादव ने कथित तौर पर अपने घर पर जहर खाकर आत्महत्या कर ली है। उनके शव को पोस्टमार्टम के लिए दिल्ली के जीटीबी अस्पताल ले जाया गया। उनके आत्महत्या करने के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। भारतीय पैरा-एथलेटिक्स टीम के मुख्य कोच एस सत्यनारायण ने कहा कि 2023 के हांगझोउ एशियाई पैरा खेलों के बाद डोपिंग मामला सामने आने के बाद से वह यादव के संपर्क में थे। सत्यनारायण ने कहा, "डोपिंग मामले के बाद वह काफी तनाव में थे। उन्हें चार साल के लिए निलंबित किया गया था।

क्या आप जानते हैं ?... 1983 विश्व कप : मैन ऑफ द मैच (फाइनल) : मोहिंदर अमरनाथ (उन्होंने 26 रन बनाए और 3 विकेट लिए)।

वैष्णवी की फिरकी में फंसा जिम्बाब्वे, भारत ने वनडे श्रृंखला में किया 3-0 से क्लीन स्वीप

वडोदरा, 28 अक्टूबर। वैष्णवी शर्मा की पांच विकेट की शानदार गेंदबाजी और प्रतिका रावल व शेफाली वर्मा के नाबाद अर्धशतकों की बदौलत भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने तीसरे और अंतिम एकदिवसीय मुकाबले में जिम्बाब्वे को आठ विकेट से हराकर तीन मैचों की श्रृंखला में 3-0 से क्लीन स्वीप किया। वडोदरा के बीसीए स्टेडियम में बुधवार को खेले गए मुकाबले में भारत ने जिम्बाब्वे को 131 रन पर समेटने के बाद लक्ष्य आसानी से हासिल कर लिया।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी जिम्बाब्वे की टीम भारतीय गेंदबाजों के सामने संघर्ष करती नजर आई। सायली सतघरे ने दूसरे ओवर में लॉरीन फिरी को आउट कर भारत को पहली सफलता दिलाई। इसके अगले ओवर में क्रांति गौड़ ने चिपो मुगेरी-तिरिपानो को चार रन पर पवेलियन भेज दिया। वैष्णवी शर्मा ने

बेलब्ड बीजा को एक रन पर आउट कर जिम्बाब्वे को तीसरा झटका दिया। इसके बाद उन्होंने 27 रन की साझेदारी तोड़ते हुए सलामी बल्लेबाज मोडेस्टर मुपाचिक्वा को 37 रन के निजी स्कोर पर स्टंप आउट कराया।

जिम्बाब्वे की कप्तान जोसेफिन नोकोमो ने पारी संभालने का प्रयास किया। उन्होंने चिएद्जा धुरुरु के साथ पांचवें विकेट के लिए 43 रन जोड़े। धुरुरु ने 39 गेंदों पर 20 रन बनाए। हालांकि, वैष्णवी ने मध्यक्रम को ध्वस्त करते हुए अपने पांच विकेट पूरे किए, और जिम्बाब्वे की पारी 39.5 ओवर में 131 रन पर समेट दी। सायली सतघरे और क्रांति गौड़ ने भी दो-दो विकेट लिए।

प्रतिका और शेफाली ने दिलाई आसान जीत

लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम को पहली ही गेंद पर झटका लगा। नोमवेलो सिबांडा ने यास्तिका भाटिया को फ्रांसिस्का चिपारे के हाथों कैच करा दिया। इसके बाद हरलीन देओल ने 19 गेंदों पर चार चौकों की मदद से 19 रन बनाए, लेकिन लॉरीन फिरी ने उन्हें आउट कर भारत का स्कोर दो विकेट पर 44 रन कर दिया। इसके बाद प्रतिका रावल और शेफाली वर्मा ने मोर्चा संभाला। दोनों ने तीसरे विकेट के लिए नाबाद 74 रन की साझेदारी कर भारत को जीत तक पहुंचा दिया। प्रतिका 59 रन बनाकर नाबाद रहीं, जबकि शेफाली ने नाबाद 51 रन बनाए। शेफाली ने छक्का लगाकर अपना अर्धशतक पूरा किया और भारत को जीत दिलाई। इस जीत के साथ भारतीय महिला टीम ने एकदिवसीय श्रृंखला 3-0 से अपने नाम कर ली।

डीएस अकादमी की शानदार जीत

जयपुर, 28 अक्टूबर। सोनी क्रिकेट स्टेडियम पर चल रहे प्रथम कर्नल बिशन सिंह राठौड़ क्रिकेट टूर्नामेंट में डीएस क्रिकेट अकादमी ने रमन स्कूल को शानदार अंदाज में हराया।

मुकाबले में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए रमन स्कूल की टीम 36.4 ओवर में 134 रन पर ऑलआउट हो गई। प्रियांशु सैनी ने 71 रन बनाए। डीएस क्रिकेट अकादमी की ओर से चिन्मय ने तीन विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी डीएस क्रिकेट अकादमी ने शिफान खान के नाबाद 81 और तनवीर के 48 रन की बदौलत महज 10.1 ओवर में जीत हासिल कर ली। दोनों बल्लेबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 136 रन की अविजित साझेदारी की। यशवर्धन बिश्नोई को मैन ऑफ द मैच चुना गया।

राजस्थान यूनाइटेड एफसी से जुड़े घाना के फॉरवर्ड इवांस ओसेई-वुसु

जयपुर, 28 अक्टूबर। राजस्थान यूनाइटेड एफसी ने आगामी 2026-27 सीजन के लिए घाना के 25 वर्षीय फॉरवर्ड इवांस ओसेई-वुसु के साथ करार किया है।

उनके टीम से जुड़ने से क्लब को आक्रामक पंक्ति को मजबूती मिलने की उम्मीद है। ओसेई-वुसु इससे पहले घाना की फुटबॉल लीग में खेल चुके हैं और घाना की अंडर-23 टीम का प्रतिनिधित्व भी कर चुके हैं। क्लब में शामिल होने पर ओसेई-वुसु ने कहा कि वह राजस्थान यूनाइटेड एफसी के साथ नए सफर को लेकर उत्साहित हैं। उनका लक्ष्य टीम को सुपर लीग के लिए क्वालिफाई कराने में मदद करना और सीजन के शीर्ष गोल स्कोररों में जगह बनाना है। उन्होंने टीम के लिए कड़ी मेहनत करने और समर्थकों की उम्मीदों पर खरा उतरने का भरोसा जताया। राजस्थान यूनाइटेड एफसी के चेयरमैन कृष्ण कुमार टाक ने नए खिलाड़ी का स्वागत करते हुए कहा कि ओसेई-वुसु की प्रतिभा, अनुभव और आक्रामक क्षमता टीम के लिए उपयोगी साबित होगी। उन्होंने उम्मीद जताई कि खिलाड़ी आगामी सीजन में क्लब के लक्ष्यों को हासिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

अंडर-17 मरुधर क्रिकेट कप : एमबी क्रिकेट क्लब 36 रन से जीता

जयपुर, 28 अक्टूबर। मरुधर क्रिकेट अकादमी की ओर से आयोजित द्वितीय अंडर-17 मरुधर क्रिकेट कप में एमबी क्रिकेट क्लब ने जयपुर स्पोर्ट्स को 36 रन से हराया। एमबी क्रिकेट क्लब ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 40 ओवर में 4 विकेट पर 314 रन बनाए। एमबी क्रिकेट क्लब की ओर से रमन चौधरी ने 189 रन और राजवर्धन सिंह तंवर ने 105 रन की शानदार पारियां खेलीं। जयपुर स्पोर्ट्स की ओर से मोहित कुमार ने एक विकेट लिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए जयपुर स्पोर्ट्स की टीम 40 ओवर में नौ विकेट पर 278 रन ही बना सकी। वरुण ने 150 रन, पार्थ ने 46 और सुभान पठान ने 25 रन बनाए। एमबी क्रिकेट क्लब की ओर से गुणवंश निर्वाण और उज्ज्वल चौधरी ने तीन-तीन विकेट, जबकि विशाल चौधरी ने दो विकेट लिए।

अंडर-14 मानसून कप : आरसीसी क्रिकेट अकादमी की बड़ी जीत

जयपुर, 28 अक्टूबर। अंडर-14 मानसून कप क्रिकेट प्रतियोगिता में आरसीसी क्रिकेट अकादमी ने मिनर्वा क्रिकेट क्लब को हराकर शानदार जीत दर्ज की। आरसीसी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 38.5 ओवर में 290 रन बनाए। मोहक शर्मा ने 113 रन की शतकीय पारी खेली। मिनर्वा की ओर से निकिता शेखावत, कुंज और हर्ष सैनी ने तीन-तीन विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी मिनर्वा क्रिकेट क्लब की टीम 20 ओवर में 70 रन पर ऑलआउट हो गई। मिहित भाटिया ने सर्वाधिक 25 रन बनाए। आरसीसी की ओर से विराज कोठारी ने पांच और रेहान लुहावत ने तीन विकेट लेकर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। शानदार शतक लगाने वाले मोहक शर्मा को मैन ऑफ द मैच चुना गया।

यूथ कप अंडर-14 : राजीव गांधी क्रिकेट एकेडमी 22 रन से जीती

जयपुर, 28 अक्टूबर। राजस्थान यूथ क्रिकेट क्लब की ओर से आयोजित यूथ कप अंडर-14 क्रिकेट प्रतियोगिता में राजीव गांधी क्रिकेट एकेडमी ने संस्कार एकेडमी को 22 रन से हराया। संस्कार ग्राउंड पर खेले गए मुकाबले में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए राजीव गांधी क्रिकेट एकेडमी की टीम 39.4 ओवर में 118 रन पर ऑलआउट हो गई। सूर्यवीर सिंह ने नाबाद 41, अभिनव शर्मा ने 15, वैभव सैनी ने 16 और अथर्व ने 10 रन बनाए। संस्कार एकेडमी की ओर से रिदिमा शेखावत ने चार, दक्ष सेन ने दो और ईसान सैनी ने एक विकेट लिया। जवाब में संस्कार एकेडमी की टीम 47.2 ओवर में 96 रन पर सिमट गई। रिदिमा शेखावत ने 19, आरव खंडेलवाल ने 14 और पृथ्वीराज ने 12 रन बनाए। राजीव गांधी क्रिकेट एकेडमी की ओर से राजवंश राठौर, अभिनव शर्मा और सूर्यवीर सिंह ने दो-दो विकेट लिए, जबकि शुभांशु, वैभव सैनी और हनु कटारिया ने एक-एक विकेट हासिल किया।

चोट के कारण कनाडा महिला ओपन से हटी अनाहत सिंह

नई दिल्ली, 28 अक्टूबर। भारतीय स्क्वैश खिलाड़ी अनाहत सिंह चोट के कारण कनाडा महिला ओपन 2026 से हट गई हैं। उन्हें आज बुधवार को टोरंटो में होने वाले क्वार्टर फाइनल मुकाबले में शीर्ष वरीयता प्राप्त मिस्र की फैरूज अबोल्खैर से भिड़ना था। अनाहत के हटने से अबोल्खैर को बिना खेले सेमीफाइनल में जगह मिल गई है। अठारह वर्षीय अनाहत ने सोमवार को खेले गए मुकाबले में ब्रिटेन की सारा न्यिग्म को 11-6, 4-11, 11-5, 11-7 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया था। उन्हें पहले दौर में बाई मिली थी।

प्रसिद्ध कृष्णा हैमस्ट्रिंग चोट के कारण न्यूजीलैंड वनडे सीरीज से बाहर, आकिब नबी को मिल सकता है मौका

नई दिल्ली, 28 अक्टूबर। भारतीय तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा हैमस्ट्रिंग (मांसपेशियों में खिंचाव) की चोट से पूरे तरह उबरने में नाकाम रहने के कारण चार नवंबर से न्यूजीलैंड के खिलाफ शुरू होने वाली पांच मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला में नहीं खेल पाएंगे। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एक सूत्र ने यह जानकारी दी। इस बीच जम्मू-कश्मीर के तेज गेंदबाज आकिब नबी ने लिंकन में भारत ए और न्यूजीलैंड ए के बीच खेले गए पहले अनौपचारिक चार दिवसीय मुकाबले में अपने प्रदर्शन से प्रभावित किया और प्रसिद्ध की जगह उन्हें मौका मिलने की संभावना है। वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू वनडे

श्रृंखला के दौरान दूसरे मैच में प्रसिद्ध कृष्णा की हैमस्ट्रिंग में चोट लग गई थी। गुवाहाटी में खेले गए इस मुकाबले में उन्होंने पांच ओवर में 45 रन देकर एक विकेट लिया था। चोट के कारण वह अपना स्पेल पूरा नहीं कर सके थे। तीस वर्षीय प्रसिद्ध ने अब तक नौ टेस्ट और 30 एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले हैं। उन्हें फिटनेस साबित करने की शर्त पर न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे टीम में शामिल किया गया था। बीसीसीआई के एक सूत्र ने कहा, प्रसिद्ध अच्छी तरह से उबर रहे हैं। एक नवंबर और दो नवंबर को बेंगलुरु स्थित 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' में उनका मैच सिमुलेशन (मैच की तरह परिस्थितियां तैयार करना) और फिटनेस टेस्ट होना है। सूत्र ने कहा, "टीम प्रबंधन और राष्ट्रीय चयन समिति का मानना है कि प्रसिद्ध को टेस्ट क्रिकेट के लिए पूरी तरह फिट होना चाहिए, जहां उनकी जरूरत वनडे की तुलना में अधिक है।" सूत्र ने कहा, अगर स्पोर्ट्स साइंस टीम उन्हें फिट घोषित भी कर देती है और वह ऑकलैंड रवाना हो जाते हैं, तो लंबी हवाई यात्रा के बाद उन्हें तुरंत वनडे टीम की योजनाओं में शामिल करने की जल्दबाजी नहीं की जाएगी।

राखी राठौड़ बनी 'राजस्थान क्वींस' की ब्रांड एंबेसडर

जयपुर, 28 अक्टूबर। भाजपा महिला मोर्चा की राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष राखी राठौड़ को राजस्थान की महिला वॉलीबॉल टीम 'राजस्थान क्वींस' का ब्रांड एंबेसडर बनाया गया है। उन्होंने इस अवसर पर टीम प्रबंधन और खिलाड़ियों को बधाई देते हुए आगामी प्रतियोगिताओं में बेहतर प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर राजस्थान क्वींस के टीम ओनर राजू जाट, टीम मेंटर हीरानंद कटारिया तथा टीम की आइकन एवं कप्तान आयुषी भंडारी उपस्थित रहीं। टीम प्रबंधन ने राखी राठौड़ का स्वागत किया।

राखी राठौड़ ने कहा कि बेटियों को खेलों में पर्याप्त अवसर और प्रोत्साहन देना समाज की साझा जिम्मेदारी है। खेलों से बेटियों में आत्मविश्वास, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और टीम भावना विकसित होती है।

चूरू बना राज्य स्तरीय महिला हॉकी चैम्पियन

सादुलपुर (चूरू), 28 अक्टूबर। हॉकी राजस्थान के तत्वावधान में सादुलपुर में आयोजित 16वीं राज्य स्तरीय महिला हॉकी प्रतियोगिता का खिताब चूरू ने जीत लिया। फाइनल मुकाबले में चूरू ने हनुमानगढ़ को 1-0 से हराकर ट्रॉफी अपने नाम की। तीसरे स्थान के लिए खेले गए मुकाबले में जयपुर ने टोंक को 3-1 से पराजित किया। प्रतियोगिता के समापन समारोह में मुख्य अतिथि हॉकी इंडिया के एजीक्यूटिव बोर्ड सदस्य अरुण कुमार सारस्वत ने विजेता एवं उपविजेता टीमों को पदक और ट्रॉफी प्रदान की। उन्होंने कहा कि हॉकी इंडिया जमीनी स्तर पर खिलाड़ियों को अधिक सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में काम कर रही है। उन्होंने खिलाड़ियों से राजस्थान में हॉकी को और अधिक बढ़ावा देने तथा खेल के विकास में योगदान देने का आ ह्‌वान किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता हॉकी राजस्थान के महासचिव देवेन्द्र सिंह शेखावत ने की। इस अवसर पर हॉकी चूरू के अध्यक्ष एवं भामाशाह सचिन पांडिया तथा वरिष्ठ कोच नन्द कुमार विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

जयपुर बालिका कबड्डी लीग में झोटवाड़ा चैम्पियन

जयपुर, 28 अक्टूबर। जिला प्रशासन की ओर से पंच गौरव कार्यक्रम के तहत आयोजित जिला स्तरीय 'जयपुर बालिका कबड्डी लीग' में झोटवाड़ा की टीम विजेता और चाकसू की टीम उपविजेता रही। चौगान स्टेडियम में आयोजित प्रतियोगिता में कक्षा 6 से 9 तक की छात्राओं की 23 टीमों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में जिले के 23 ब्लॉकों की लगभग 300 छात्राओं ने अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। विजेता एवं उपविजेता टीमों को ट्रॉफी और मोमेंटो प्रदान किए गए। साथ ही सभी खिलाड़ियों को कबड्डी की पोशाक वितरित की गई। प्रतिभागियों के लिए नाश्ते और भोजन की व्यवस्था भी की गई। इस अवसर पर संयुक्त सांख्यिकी अधिकारी बाबूलाल मीणा, जिला खेल अधिकारी मानसिंह और कबड्डी कोच शशि शर्मा सहित संबंधित अधिकारी एवं कार्मिक उपस्थित रहे। प्रतियोगिता का उद्देश्य बालिकाओं में खेल प्रतिभा को प्रोत्साहित करना और कबड्डी को बढ़ावा देना था।

नेशनल स्क्वॉस के फाइनल में राजस्थान के चार खिलाड़ी

गौरवी, इनाया, युवान और दिव्यांशी खिताबी मुकाबले में; अंडर-11 गर्ल्स में राजस्थान के दो पदक पक्के

जयपुर, 28 अक्टूबर। सवाई मानसिंह स्टेडियम के स्क्वॉश कोर्ट्स पर खेली जा रही सब जूनियर एवं जूनियर नेशनल स्क्वॉश चैंपियनशिप में राजस्थान के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चार फाइनल में जगह बनाई। गौरवी अजमेरा, इनाया अन्द्रावी, युवान वर्मा और दिव्यांशी जैन अपने-अपने आयु वर्ग के खिताबी मुकाबलों में खेलेंगे।

अंडर-11 गर्ल्स वर्ग में राजस्थान के दोनों खिलाड़ी फाइनल में आमने-सामने होंगे, जिससे राज्य के स्वर्ण और रजत पदक सुनिश्चित हो गए हैं। बुधवार को खेले गए सेमीफाइनल में अंडर-11 गर्ल्स वर्ग में गौरवी अजमेरा ने झारखंड की अक्षिता अग्रवाल को 9-11, 11-4, 11-6, 1-11, 12-10 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। वहीं, इनाया अन्द्रावी ने

हरियाणा की दूसरी वरीयता प्राप्त अवनी नंदल को 4-11, 11-8, 11-4, 6-11, 11-9 से पराजित किया। अब दोनों राजस्थान की खिलाड़ियों के बीच खिताबी मुकाबला होगा।

अंडर-11 बॉयज वर्ग में युवान वर्मा ने दिल्ली के दूसरी वरीयता प्राप्त रुद्रांश प्रभाकर को कड़े मुकाबले में 2-11, 11-4, 11-9, 8-11, 12-10 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। खिताब के लिए उनका मुकाबला दिल्ली के शीर्ष वरीयता प्राप्त अगस्त्य उप्पल से होगा। अगस्त्य ने दूसरे सेमीफाइनल में महाराष्ट्र के विराज शिंदे को 7-11, 11-8, 11-9, 7-11, 11-8 से हराया।

अंडर-15 गर्ल्स वर्ग में राजस्थान की दिव्यांशी जैन ने तमिलनाडु की दूसरी वरीयता प्राप्त गुशिका एम को 12-10, 6-11, 11-8, 11-9 से शिकस्त देकर फाइनल में प्रवेश किया। अब उनका सामना मध्य प्रदेश की अनिका कलंकी से होगा। अनिका ने दूसरे सेमीफाइनल में महाराष्ट्र की आशिषा को 11-4, 8-11, 11-7, 11-6 से हराया।

जैन अली और सुभाष चौधरी को कांस्य

अन्य आयु वर्गों के सेमीफाइनल मुकाबलों में राजस्थान के जैन अली को अंडर-13 बॉयज और सुभाष चौधरी को अंडर-19 बॉयज वर्ग में हार का सामना करना पड़ा। जैन अली को कर्नाटक के आर्यन एसके ने 3-0 से, जबकि सुभाष चौधरी को उत्तर प्रदेश के यूशा नफीस ने 3-0 से हराया। दोनों खिलाड़ियों ने कांस्य पदक मिला।

अंडर-13 गर्ल्स में महाराष्ट्र की रिया दलाल और बंगाल की आलिया कांकरिया, अंडर-15 बॉयज में हरियाणा के ध्रुव जौहरी और झारखंड के वेदान्त अग्रवाल, अंडर-17 गर्ल्स में कर्नाटक की रियांशिका वर्मा और मध्य प्रदेश की सान्वी कलंकी तथा अंडर-17 बॉयज में महाराष्ट्र के रिधान शाह और तमिलनाडु के शिवेन अग्रवाल ने फाइनल में जगह बनाई।

अंडर-19 गर्ल्स वर्ग में उत्तर प्रदेश की उन्नति त्रिपाठी और महाराष्ट्र की आकांशा गुप्ता खिताबी मुकाबले में पहुंचीं। आयोजन सचिव सुरभि मिश्रा ने बताया कि गुरुवार को सभी आयु वर्गों के फाइनल मुकाबले खेले जाएंगे। समापन समारोह में राज्य के चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर मुख्य अतिथि होंगे, जबकि राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे।

सोफी मोलिन्यू पर यूपी वॉरियर्स ने खर्च किये 1.10 करोड़, कमलिनी गुजरात से जुड़ी

कोच्चि, 28 अक्टूबर। ऑस्ट्रेलिया की कप्तान सोफी मोलिन्यू महिला प्रीमियर लीग 2027 की नीलामी के शुरुआती दौर में सबसे महंगी खिलाड़ी रहीं। यूपी वॉरियर्स ने उन्हें 1.10 करोड़ रुपये में खरीदा। गुजरात जायंट्स ने भारत की युवा विकेटकीपर-बल्लेबाज जी. कमलिनी को उनके आधार मूल्य 40 लाख रुपये में अपनी टीम से जोड़ा। मोलिन्यू का आधार मूल्य 50 लाख रुपये था। वह 2024 में खिताब जीतने वाली रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की टीम का हिस्सा थीं, लेकिन 2026 के सत्र में नहीं खेली थीं। बोली की शुरुआत यूपी वॉरियर्स ने की, जबकि बेंगलुरु ने भी मुकाबले में हिस्सा लिया। एक मिनट से भी कम समय में बोली 95 लाख रुपये तक पहुंच गई। यूपी वॉरियर्स ने एक करोड़ रुपये की बोली लगाई, जिसके जवाब में बेंगलुरु ने 1.05 करोड़ रुपये की पेशकश की। अंततः यूपी वॉरियर्स ने 1.10 करोड़ रुपये की बोली लगाकर मोलिन्यू को अपने साथ जोड़ लिया। बाएं हाथ की स्पिन गेंदबाज और ऑलराउंडर मोलिन्यू कूल्हे की चोट से उबरने के बाद हाल ही में न्यूजीलैंड के खिलाफ टी-20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के दौरान अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में लौटी हैं।

कमलिनी और ओरला गुजरात जायंट्स से जुड़ीं

मुंबई इंडियंस ने नीलामी से पहले कमलिनी को टीम से रिलीज कर दिया था। अंडर-19 महिला टी-20 विश्व कप-2027 के लिए भारतीय टीम की दौड़ में शामिल नहीं होने के बावजूद उनसे बड़ी बोली की उम्मीद की जा रही थी। हालांकि, गुजरात जायंट्स ने उन्हें 40 लाख रुपये के आधार मूल्य पर खरीद लिया और किसी अन्य टीम ने उनके लिए बोली नहीं लगाई। मुंबई इंडियंस के लिए कमलिनी का प्रदर्शन अब तक साधारण रहा है, लेकिन वह 2025 में अंडर-19 विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम की सदस्य रही हैं। वह भारत की ए टीम, तमिलनाडु की टीम और सीनियर भारतीय टीम का भी हिस्सा रह चुकी हैं। गुजरात जायंट्स ने आयरलैंड की तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर ओरला प्रेंडरगास्ट को भी 30 लाख रुपये में खरीदा।

अभिषेक शर्मा फिर बने टी-20 अंतर्राष्ट्रीय नंबर वन बल्लेबाज, मार्को यानसन टेस्ट में शीर्ष पर

नई दिल्ली, 28 अक्टूबर। भारतीय बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने न्यूजीलैंड के खिलाफ निर्णायक शतक लगाने के बाद आईसीसी की टी20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाज रैंकिंग में फिर से पहला स्थान हासिल कर लिया है। वहीं, दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज मार्को यानसन ने टेस्ट गेंदबाजी और ऑलराउंडर रैंकिंग में अपने करियर में पहली बार शीर्ष स्थान पर कब्जा जमाया है। अभिषेक ने मंगलवार को वेलिंगटन में न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में तूफानी बल्लेबाजी की। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने महज 35 गेंदों में शतक पूरा किया और 38 गेंदों पर 113 रन बनाए। उनकी पारी की बदौलत भारत ने छह विकेट से जीत दर्ज कर श्रृंखला अपने नाम की। इस प्रदर्शन के साथ अभिषेक ने अपने साथी ईशान किशन को पीछे छोड़कर शीर्ष स्थान हासिल किया। ईशान ने इस साल जुलाई में आयरलैंड के खिलाफ शानदार प्रदर्शन के बाद अभिषेक से पहला स्थान छीना था। अभिषेक ने पहली बार जुलाई 2025 में ऑस्ट्रेलिया के ट्रैविस हेड को पीछे छोड़कर टी20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजों की रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल किया था।

मुशीर खान ने एक ही मैच में शतक और पांच विकेट लेकर रचा इतिहास

मुंबई, 28 अक्टूबर। मुशीर खान ने बुधवार को हरियाणा के खिलाफ रणजी ट्रॉफी 2026-27 मुकाबले में शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन करते हुए इतिहास रच दिया। वह इस सदी में एक ही प्रथम श्रेणी मैच में शतक लगाने और पांच विकेट लेने वाले मुंबई के पहले खिलाड़ी बन गए हैं। उनसे पहले रवि शास्त्री ने 1990-91 सत्र में मध्य प्रदेश के खिलाफ यह उपलब्धि हासिल की थी। मुशीर के इस प्रदर्शन से मुंबई की टीम मुकाबले में मजबूत स्थिति में पहुंच गई है। उन्होंने पहले बल्लेबाजी करते हुए 185 गेंदों पर 109 रन बनाए। उनके शतक और अंगक्रष रघुवंशी की 180 गेंदों पर 114 रन की पारी की बदौलत मुंबई ने 430 रन बनाए। इसके बाद गेंदबाजी में भी मुशीर ने कमाल दिखाया। उन्होंने 52 रन देकर पांच विकेट झटके, जिससे हरियाणा की टीम लंच तक पांच विकेट पर 191 रन बनाकर संघर्ष कर रही थी। मुशीर भारत के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर और चेन्नई सुपर किंग्स के बल्लेबाज सरफराज खान के भाई हैं।

उंगली की चोट के कारण वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टेस्ट से मुशफिकुर रहीम बाहर

ढाका, 28 अक्टूबर। बांग्लादेश के अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज मुशफिकुर रहीम उंगली की चोट के कारण वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टेस्ट मैच से बाहर हो गए हैं। हालांकि, टीम को उम्मीद है कि वह पांच नवंबर से सिलहट में शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट तक फिट हो जाएंगे। मुशफिकुर को मंगलवार को बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड अकादमी में अभ्यास के दौरान तर्जनी उंगली में चोट लगी। नेट गेंदबाज की एक गेंद उनकी उंगली पर लगी, जिसके बाद उन्हें दर्द के कारण अभ्यास सत्र छोड़ना पड़ा। यह चोट ढाका के शेर-ए-बांग्ला राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में श्रृंखला के पहले टेस्ट से एक दिन पहले लगी।

अल्वारेज से संपर्क मामले में बार्सिलोना पर 602 यूरो का जुर्माना

मैड्रिड, 28 अक्टूबर। स्पेनिश फुटबॉल महासंघ ने अर्जेंटीना के स्ट्राइकर जूलियन अल्वारेज से संपर्क करने के मामले में बार्सिलोना पर 602 यूरो का जुर्माना लगाया है। एटलेटिको मैड्रिड की शिकायत के बाद मंगलवार को यह कार्रवाई की गई। एटलेटिको ने आरोप लगाया था कि बार्सिलोना ने अल्वारेज से संपर्क करने से पहले क्लब को लिखित रूप में इसकी सूचना नहीं दी थी। अल्वारेज का एटलेटिको मैड्रिड के साथ अनुबंध जून 2030 तक है। स्पेनिश महासंघ के नियमों के अनुच्छेद 133 के तहत बार्सिलोना पर यह जुर्माना लगाया गया। एटलेटिको ने इस मामले में फीफा से भी शिकायत की थी, लेकिन फीफा ने कहा कि यह मामला उसके अधिकार क्षेत्र में नहीं आता।

रणजी ट्रॉफी : करण लांबा का शतक, राजस्थान मजबूत स्थिति में

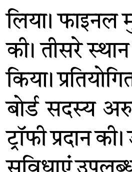

जयपुर, 28 अक्टूबर। देहरादून में राजस्थान और उत्तराखंड के बीच खेले जा रहे रणजी ट्रॉफी मुकाबले में राजस्थान ने तीसरे दिन शानदार प्रदर्शन करते हुए मैच पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली। करण लाम्बा के नाबाद शतक और कुणाल सिंह राठौड़ व सचिन यादव के अर्धशतकों की बदौलत राजस्थान ने दूसरी पारी पांच विकेट पर 290 रन बनाकर घोषित की। राजस्थान ने पहली पारी में 272 रन बनाए थे, जिसके जवाब में उत्तराखंड की टीम 194 रन पर सिमट गई। दूसरी पारी में राजस्थान की ओर से करण लाम्बा ने नाबाद 100, कुणाल सिंह राठौड़ ने 77, सचिन यादव ने 53 और महिपाल लोमरोर ने 45 रन बनाए। उत्तराखंड के मयंक मिश्रा ने तीन विकेट लिए। तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक उत्तराखंड ने दूसरी पारी में बिना किसी नुकसान के 38 रन बना लिए थे। अंतिम दिन उत्तराखंड को जीत के लिए 331 रन की जरूरत होगी, जबकि राजस्थान को जीत दर्ज करने के लिए उत्तराखंड के सभी 10 विकेट हासिल करने होंगे।

अंडर-23 ट्रॉफी : करण सिंह और मुकुल चौधरी के शतक, राजस्थान के 491 रन

मुंबई के सचिन तेंदुलकर जिमखाना ग्राउंड,

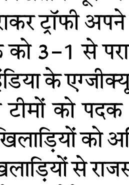

कांदिवली में राजस्थान और मुंबई के बीच खेले जा रहे बीसीसीआई अंडर-23 मुकाबले में राजस्थान ने पहली पारी में 491 रन का

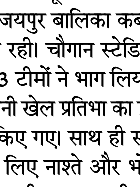

विशाल स्कोर खड़ा किया। दूसरे दिन करण सिंह और मुकुल चौधरी ने शानदार शतक लगाकर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। राजस्थान की ओर से करण सिंह ने 127 और मुकुल चौधरी ने 112 रन बनाए। हिमांशु नेहरा ने 62 तथा अंकित कुमार ने 20 रन का योगदान दिया। मुंबई के अभय पटेल ने छह विकेट लिए। जवाब में मुंबई ने दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक पहली पारी में एक विकेट पर 96 रन बना लिए थे। राजस्थान की ओर से हिमांशु नेहरा ने एक विकेट हासिल किया।

अंडर-16 अभ्यास मैच : वशिष्ठ शर्मा और निलय अरोड़ा के शतक

अंडर-16 अभ्यास मैच के पहले दिन बल्लेबाजों का शानदार प्रदर्शन देखने को मिला। केएल सैनी स्टेडियम में टीम ए ने टीम सी के खिलाफ पहली पारी में आठ विकेट पर 340 रन बनाए। वशिष्ठ शर्मा ने 248 गेंदों पर 25 चौकों और तीन छक्कों की मदद से नाबाद 180 रन की शानदार पारी खेली। तनिष्क भारद्वाज ने 42 और सचिन मीणा ने 32 रन बनाए। टीम सी की ओर से यशवर्धन प्रताप सिंह और आदित्य रंगा ने दो-दो विकेट लिए। एम स्क्वायर ग्राउंड पर टीम बी ने टीम डी के खिलाफ पहली पारी में आठ विकेट पर 370 रन बनाए। निलय अरोड़ा ने 245 गेंदों पर 20 चौकों और दो छक्कों की मदद से नाबाद 163 रन बनाए। अनमोल ने 50 और कृष्णा चौधरी ने 43 रन का योगदान दिया। टीम डी की ओर से हर्षित यादव ने तीन विकेट लिए।

अंडर-23 महिला टी-20 अभ्यास मैच : टीम ए ने दर्ज की जीत

आरसीए अकादमी ग्राउंड पर खेले गए अंडर-23 महिला टी-20 अभ्यास मैच में टीम ए ने टीम बी को हराया। पहले बल्लेबाजी करते हुए टीम ए ने नौ विकेट पर 99 रन बनाए। याना वर्मा ने 31, नीतू कंवर ने 17 और एंजेल चौधरी ने नाबाद 14 रन बनाए। टीम बी की ओर से यशस्वी कट्टा, निकिता और अंजलि ने दो-दो विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करते हुए टीम बी 73 रन पर ऑलआउट हो गई। यशस्वी कट्टा ने नाबाद 28 और औली श्रीमाली ने 15 रन बनाए। टीम ए की ओर से सोनम सैनी और विध्या रावत ने दो-दो विकेट लेकर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई।

अजीम गोल्ड कप : सौलफिल फाइटर और अब्बास क्रिकेट अकादमी की शानदार जीत

जयपुर, 28 अक्टूबर। रेलवे क्रिकेट ग्राउंड पर चल रहे अजीम गोल्ड कप टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट में सौलफिल फाइटर और अब्बास क्रिकेट अकादमी ने अपने-अपने मुकाबले जीत लिए। सौलफिल फाइटर ने भदोरिया क्रिकेट अकादमी को 46 रन से, जबकि अब्बास क्रिकेट अकादमी ने अंकित अग्रवाल अकादमी को 72 रन से हराया।

पहले मुकाबले में सौलफिल फाइटर ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट पर 201 रन बनाए। राहुल खंडेलवाल ने 94 रन और चिराग शर्मा ने 33 रन की पारी खेली। भदोरिया क्रिकेट अकादमी की ओर से आदित्य भट्ट ने तीन विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करते हुए भदोरिया क्रिकेट अकादमी की टीम 16.5 ओवर में 155 रन पर सिमट गई। अविनाश शर्मा ने 62 रन बनाए। सौलफिल फाइटर की ओर से मोहम्मद गाजी ने चार और विनय चौधरी ने तीन विकेट लिए। राहुल खंडेलवाल को मैन ऑफ द मैच चुना गया। दूसरे मुकाबले में अब्बास क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट पर 204 रन बनाए। दिव्यांश तंवर ने 43, पुखराज कुमार चौधरी ने 41 और सचिन काकोडिया ने 31 रन का योगदान दिया। अंकित अग्रवाल अकादमी की ओर से हर्ष बेनीवाल ने तीन और अरविंद ने दो विकेट लिए। जवाब में अंकित अग्रवाल अकादमी की टीम 16.3 ओवर में 132 रन पर ऑलआउट हो गई। अंकित अग्रवाल ने 45 और रितिक सिंह ने 36 रन बनाए। अब्बास क्रिकेट अकादमी की ओर से लोकेंद्र चौधरी और प्रिंस सिंह राठौड़ ने तीन-तीन, जबकि कमल डोयल ने दो विकेट लिए। लोकेंद्र चौधरी को मैन ऑफ द मैच चुना गया।

मुख्यमंत्री ने सैन्ट्रल पार्क में आमजन के साथ सैर व संवाद किया

खड़गे की विवादित टिप्पणी पर उन्होंने कहा कि राजनीति में इस तरह की भाषा का कोई स्थान नहीं

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर, 28 अक्टूबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार सुबह जयपुर के सेंट्रल पार्क में आमजन के साथ सुबह की सैर के समय लोगों से संवाद किया और उनकी समस्याएं सुनीं व सुझाव लिए। उन्होंने आमजन को नियमित व्यायाम, योग और शारीरिक गतिविधियों के लिए प्रेरित किया। इसके बाद मुख्यमंत्री ने वहां उपस्थित लोगों

■ मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि कांग्रेस को हार के कारणों पर आत्ममंथन करना चाहिए। केवल आरोप लगाने और अनर्गल बयानबाजी से जनता का विश्वास हासिल नहीं किया जा सकता।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार सुबह जयपुर के सेंट्रल पार्क में आमजन के साथ सैर की और लोगों से संवाद किया।

के साथ चाय पी और विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने यूपीआई के माध्यम से डिजिटल भुगतान कर डिजिटल इंडिया अभियान को प्रोत्साहित करने का संदेश भी दिया। इस अवसर पर जयपुर महापौर सुनील कोठारी, नगर निगम के पार्षद तथा अन्य जनप्रतिनिधि भी उपस्थित थे।

सुबह की सैर के बाद, मुख्यमंत्री ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दिवंगत पिता पर की गई विवादित टिप्पणी की कड़ी निंदा की। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि राजनीति में इस तरह की भाषा का कोई स्थान नहीं है और कांग्रेस को राजनीतिक मर्यादा का ध्यान रखना चाहिए। दिवंगत माता-पिता के बारे में इस तरह की टिप्पणी अनुचित है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस को चुनावों में हार के कारणों पर आत्ममंथन करना चाहिए, परंतु कांग्रेस कभी ईवीएम, तो कभी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर सवाल उठा रही है, केवल आरोप लगाने और अनर्गल बयानबाजी से जनता का विश्वास हासिल नहीं किया जा सकता।

मुख्यमंत्री ने कहा कि "वन स्टेट-वन इलेक्शन" का संकल्प हमारी सरकार ने पूरा किया, प्रदेश में निकाय चुनाव संपन्न हो चुके हैं और पंचायतीराज चुनाव की प्रक्रिया जारी है।

भाजपा के राष्ट्रीय महासचिवों की बैठक आज

नई दिल्ली, 28 अक्टूबर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय महासचिवों की एक महत्वपूर्ण बैठक गुरुवार सुबह 10 बजे भाजपा के केन्द्रीय मुख्यालय में आयोजित की गयी है।

पार्टी अध्यक्ष नितिन नबीन की अध्यक्षता में होने वाली इस बैठक में देश के मौजूदा राजनीतिक हालात और मुख्य चुनाव आयुक्त एवं एसआईआर के खिलाफ विपक्ष के

■ बैठक में आगामी विधानसभा चुनावों पर चर्चा होगी

अभियान को लेकर आगामी रणनीति पर विस्तार से चर्चा हो सकती है।

पार्टी सूत्रों ने बुधवार को बताया कि बैठक में विपक्ष की ओर से चलाए जा रहे राजनीतिक कार्यक्रमों और उनके प्रभाव को लेकर भी विचार-विमर्श किया जाएगा। इसके साथ ही, मौजूदा राजनीतिक परिस्थितियों के बीच पार्टी की रणनीति, संगठनात्मक गतिविधियों और आगामी राजनीतिक चुनौतियों से निपटने की तैयारियों पर चर्चा होगी। इसके अलावा, पांच राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारियां भी बैठक का एक प्रमुख एजेंडा हैं।

भाजपा नेतृत्व इस बैठक के जरिए आगामी चुनावों और राजनीतिक गतिविधियों को लेकर संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारियों के बीच समन्वय स्थापित करने पर जोर दे सकता है। बैठक में होने वाले विचार-विमर्श के आधार पर पार्टी की आगे की रणनीति और संगठनात्मक गतिविधियों की दिशा तय किए जाने की उम्मीद है।

'टाटा समूह को अपराधिक तरीके से बर्बाद किया जा रहा है'

राहुल गांधी ने एक्स पर अपनी टिप्पणी में यह भी कहा कि उद्योग जगत के किसी भी नेता की इस पर एक शब्द भी बोलने की हिम्मत नहीं है

नई दिल्ली, 28 अक्टूबर। लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने टाटा समूह से जुड़े विवाद को लेकर केन्द्र सरकार के साथ ही, भारतीय उद्योग जगत पर भी निशाना साधा है।

नेता विपक्ष ने इस मामले में देश के बिजनेस लीडर्स की चुप्पी को लेकर उन्हें आड़े हाथों लेते हुए कहा कि टाटा समूह को आपराधिक तरीके से बर्बाद किया जा रहा है, मगर कारोबार जगत के किसी भी नेता में एक शब्द भी बोलने की हिम्मत नहीं है।

बिजनेस लीडर्स को परोक्ष रूप से डरपोक बताते हुए राहुल गांधी ने

■ राहुल गांधी का इशारा टाटा संस में नेतृत्व को लेकर चल रहे विवाद की ओर था।

कहा कि भले ही उनमें कुछ कहने का साहस न हो, मगर कांग्रेस के पास बोलने के लिए हिम्मत की कमी नहीं है।

सरकार के शीर्ष नेतृत्व के साथ कारोबार जगत के नेताओं पर इस तीखे प्रहार के जरिए कांग्रेस नेता ने टाटा ग्रुप से जुड़े मामले को अब सियासी वाद-विवाद का मुद्दा भी बना दिया है।

टाटा समूह की मूल कंपनी टाटा संस के नेतृत्व को लेकर चल रहे अंदरूनी विवाद में टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन नोएल टाटा ने बीते हफ्ते एन चंद्रशेखरन को टाटा संस का फिर से चेयरमैन नियुक्त करने के प्रस्ताव को चुनौती दी थी।

नेता विपक्ष ने बुधवार को एक्स पर अपनी टिप्पणी के जरिए, टाटा समूह को बाहर से नियंत्रण में लेने के कथित प्रयासों की ओर इशारा करते हुए बिजनेस लीडर्स को खास तौर पर निशाने पर लिया।

'सुप्रीम कोर्ट मकान ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हर रुकी हुई परियोजना शामिल हो जाए।

उन्होंने कहा, "इसका मतलब यह नहीं है कि भारत की हर आवासीय परियोजना को एमिकस क्यूरी के सामने लाया जाए। वे उन बिल्डर कंपनियों के समूह से जुड़ी परियोजनाओं की जाँच कर रहे हैं, जिनके मामलों पर इस अदालत ने विचार करने का फैसला किया है। बाकी लोगों को हमारे फैसले का इंतजार करना होगा। हम एमिकस क्यूरी और अदालत पर एक जैसे मामलों के कई मुकदमों का बोझ नहीं डालना चाहते।"

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा कि शीर्ष अदालत में हर दिन कई नई याचिकाएं दायर हो रही हैं।

उन्होंने कहा, "हम हर दिन देख रहे हैं कि चार या पांच लोग याचिकाएं लेकर आ रहे हैं। अब यह एक नया चलन बन गया है।"

जब वकीलों ने दलील दी कि परियोजनाएं अधर में लटकी हुई हैं और उच्च न्यायालय सुप्रीम कोर्ट के फैसले का इंतजार कर रहे हैं, तो मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने दोहराया कि संबंधित पक्षों को या तो मुख्य मामले के फैसले का इंतजार करना होगा या फिर वे संबंधित उच्च न्यायालयों में अपने कानूनी विकल्पों का सहारा ले सकते हैं।

मुख्य न्यायाधीश ने कहा, "अभी आप यहाँ आए हैं, कल इसी परियोजना के 200 और लोग भी आ जाएंगे। ऐसे में कभी कोई फैसला नहीं हो पाएगा। यह सिलसिला कभी खत्म नहीं होगा। आपको इंतजार करना होगा या फिर अपने संबंधित उच्च न्यायालयों का रुख करना होगा।"

जयशंकर 30-31 अक्टूबर को अमेरिका जाएंगे

नई दिल्ली, 28 अक्टूबर। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर 30 से 31 अक्टूबर तक अमेरिका के अटलांटा में आयोजित होने वाली जी-20 और क्वाड के विदेश मंत्रियों की बैठक में भाग लेंगे। इसके बाद वे 1 से 4 नवंबर

■ वे क्वाड विदेश मंत्रियों की बैठक में भाग लेने अमेरिका जा रहे हैं।

तक सेंट जॉन्स, एंटीगुआ और बारबुडा में आयोजित होने वाली राष्ट्रमंडल राष्ट्राध्यक्षों की बैठक में भारत के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बुधवार को पत्रकार वार्ता में कहा, जी20 विदेश मंत्रियों की बैठक के साथ-साथ, विदेश मंत्री क्वाड विदेश मंत्रियों की बैठक में भी भाग लेंगे और अपने समकक्षों के साथ कई द्विपक्षीय मुलाकातें करेंगे।

केन्द्र दिल्ली में एक के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दिया जाएगा। आवास और शहरी मामलात मंत्रालय ने इससे पहले वायुसेना गोल्फ कोर्स के कब्जे वाली जमीन वापस मांगी थी।

मंत्रालय ने अब तक सार्वजनिक रूप से यह नहीं बताया है कि इस जगह पर कौन-सा प्रोजेक्ट शुरु किया जायेगा। साथ ही, इसके प्रस्तावित इस्तेमाल के लिए कोई समय-सीमा भी नहीं बताई गई है। इससे पहले आई खबरों में कहा गया था कि जमीन वापस लेने की यह कार्रवाई मध्य दिल्ली में सरकारी संपत्तियों को जनहित के कामों के लिए उपलब्ध कराने की योजना का हिस्सा है।

इस गोल्फ कोर्स में नौ ग्रीन हैं। "ग्रीन" गोल्फ के उन हिस्सों को कहा जाता है, जहां गोल्फ के "होल" बने होते हैं और इस क्षेत्र की घास की खास देखभाल की जाती है। यह गोल्फ कोर्स लोक कल्याण मार्ग पर स्थित है, जिसे पहले रेस कोर्स रोड कहा जाता था। यह प्रधानमंत्री के सरकारी आवास के पास है। सरकार ने अभी यह नहीं बताया है कि लंबे समय में इस जगह की खेल और अन्य सुविधाओं पर क्या असर पड़ेगा।

एयर चीफ मार्शल ए. पी. सिंह के विदाई गोल्फ कार्यक्रम को रद्द किए जाने की खबर ऐसे समय आई है, जब उनकी सेवानिवृत्ति में कुछ ही दिन बाकी हैं। वे 31 अक्टूबर को सेवानिवृत्त होंगे। फिलहाल वायुसेना के उप प्रमुख के पद पर कार्यरत एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित को अगला वायुसेना प्रमुख नियुक्त किया गया है।

आवास और शहरी कार्य मंत्रालय के अधीन कार्यरत भूमि एवं विकास विभाग इसी इलाके में कई संपत्तियों को वापस लेने की कोशिश कर रहा है। इनमें से कुछ संपत्तियां पहले क्लबों और खेल संगठनों को लीज़ पर दी गई थीं। अधिकारियों ने कुछ अन्य जगहों पर अनाधिकृत कब्जे का मुद्दा भी उठाया है।

अगस्त में अधिकारियों ने दिल्ली रेस क्लब के कब्जे वाली 53 एकड़ जमीन वापस ले ली थी। केन्द्र सरकार ने कहा था कि उसे इस जमीन की जरूरत जनहित के काम के लिए है, लेकिन इसके इस्तेमाल की कोई स्पष्ट योजना नहीं बताई थी।

पास में ही स्थित जयपुर पोलो ग्राउंड से भारतीय पोलो संघ को भी हटा दिया गया था। उस मामले में, सरकार ने सार्वजनिक प्रशासन और रक्षा संबंधी इन्फ्रास्ट्रक्चर की जरूरतों का हवाला दिया था।

सफदरजंग रोड पर लगभग 27 एकड़ जमीन पर बने दिल्ली जिमखाना क्लब का केन्द्र सरकार के साथ अलग विवाद चल रहा है। भूमि एवं विकास विभाग ने रक्षा संबंधी इन्फ्रास्ट्रक्चर, सुरक्षा और सरकार की अन्य जरूरतों के लिए यह जमीन मांगी है। क्लब ने इस कार्यवाही को दिल्ली उच्च न्यायालय में चुनौती दी है।

दिल्ली एसआईआर पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

नई दिल्ली, 28 अक्टूबर। उच्चतम न्यायालय ने दिल्ली में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)

■ सुप्रीम कोर्ट ने निर्वाचन आयोग से पूछा, पहले से पंजीकृत जो मतदाता नई ड्राफ्ट लिस्ट में छूट गए हैं उन्हें फॉर्म 6 भरने के लिए क्यों मजबूर किया जा रहा है।

को लेकर भारत निर्वाचन आयोग से कड़े सवाल पूछे। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने यह जानना चाहा कि जो लोग पहले से ही मतदाता के रूप में पंजीकृत थे, लेकिन नई ड्राफ्ट लिस्ट से बाहर छूट गए हैं, उन्हें फॉर्म 6 भरने के लिए क्यों मजबूर किया जा रहा है। यह उन्हें पहली बार के मतदाता के रूप में पेश करता है। न्यायालय ने इस मामले पर अगली सुनवाई नवंबर में करने का आदेश दिया।

यूएई ने कैप्टन स्मित ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रिंस शेख हमदान बिन मोहम्मद बिन राशिद अल मकतूम ने क्रू को यह सम्मान प्रदान किया। यूएई के नेतृत्व ने मुश्किल हालात में यात्रियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देने और अपनी जिम्मेदारी निभाने के लिए सभी की सराहना की।

चक्रवात अर्नब ने आँध्र प्रदेश में तबाही मचाई

हैदराबाद, 28 अक्टूबर। बंगाल की खाड़ी से उठा चक्रवाती तूफान 'अर्नब' मंगलवार देर रात 3:30 बजे आंध्र प्रदेश के तट से टकराया। यहां 125 से 135 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाओं के साथ भारी बारिश हो रही है। आंध्र प्रदेश में 5 मौतें हुई हैं।

राज्य के 31 घरों को नुकसान पहुंचा। 57 हजार लोगों को शिफ्ट किया गया है। तूफान के कारण 50 ट्रेनें और विजयवाड़ा-विशाखापट्टनम एयरपोर्ट पर 21 फ्लाइट्स रद्द की गईं। 13 शहरों में अचानक बाढ़ आने का अलर्ट जारी किया गया है।

ओडिशा में भारी बारिश के चलते 16 जिलों में स्कूल बंद हैं।

हरदीप पुरी को भाजपा मध्य ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जुड़ी संस्थाओं के साथ वित्तीय या व्यक्तिगत संबंध होने के ऑनलाइन आरोप लगाए गए थे। उन्होंने मानहानि का मुकदमा दायर कर हर्जाने की मांग की और संबंधित सामग्री हटाने की अपील की। दिल्ली उच्च न्यायालय ने संबंधित प्लेटफॉर्म्स को यह सामग्री हटाने का आदेश दिया। अदालत ने प्रथम दृष्टया मानहानि का मामला पाया और कहा कि इन दावों के पीछे तथ्यात्मक आधार नहीं था।

पुरी मंत्रिमंडल में एकमात्र सिख मंत्री हैं और 2027 के पंजाब विधानसभा चुनावों के लिहाज से, भाजपा की पंजाब रणनीति में उनकी अहम भूमिका है। पूर्व राजनयिक के रुप में उनका पंजाब से गहरा संबंध रहा है। उन्होंने 2019 में अमृतसर से चुनाव भी लड़ा था। इससे भाजपा को उस समय एक भरोसेमंद सिख चेहरे के रूप में उन्हें पेश करने में मदद मिलती है, जब पार्टी अपने पारंपरिक शहरी जनाधार से बाहर भी विस्तार करने की कोशिश कर रही हो। उम्मीद है कि पुरी चुनाव प्रचार में सक्रिय भूमिका निभाएंगे और विकास तथा "डबल इंजन" सरकार के कामकाज पर जोर देंगे।

विपक्षी दलों, खासकर कांग्रेस ने एप्स्टीन से जुड़े संपर्कों को लेकर पुरी से जवाब मांगा है और उनके इस्तीफे की मांग की है। पुरी को दोबारा उम्मीदवार बनाए जाने से यह आलोचना फिर तेज हो सकती है कि भाजपा जवाबदेही के बजाय, वफादारी को प्राथमिकता देती है। इससे विपक्ष को संसद और सार्वजनिक मंचों पर सरकार को घेरने का एक और मुद्दा मिल सकता है। मंत्रिमंडल में पुरी ने वैश्विक अस्थिरता के दौर में ऊर्जा जैसे महत्वपूर्ण मंत्रालय की जिम्मेदारी संभाली है। उन्होंने भारत की तेल खरीद और आपूर्ति रणनीतियों का बचाव किया है। उत्तर प्रदेश से राज्यसभा उम्मीदवारों की सूची में उनका नाम नहीं आने के बाद, मंत्रिमंडल में फेरबदल की अटकलें तेज हो गई थीं। यह सवाल भी उठ रहा था कि क्या वे पेट्रोलियम मंत्री बने रहेंगे। मध्य प्रदेश से राज्यसभा सीट हासिल करने की कोशिश यह संकेत देती है कि भाजपा नेतृत्व कम से कम निकट भविष्य में तो उन्हें अपने साथ बनाए रखना चाहता है। इससे प्रशासनिक कामकाज में उनकी सक्षम भूमिका के साथ-साथ, पंजाब में पार्टी की पहुंच बढ़ाने के लिए उनके प्रतीकात्मक महत्व का भी पता चलता है।

दिल्ली में एक ही दिन में दो "मॉक पार्लियामैंट" आयोजित होंगी

30 अक्टूबर को विपक्ष और सत्ता पक्ष की ओर से पृथक-पृथक आयोजन किए जा रहे हैं

नई दिल्ली, 28 अक्टूबर। राजधानी दिल्ली में मॉक पार्लियामेंट के आयोजन को लेकर राजनीतिक गतिविधियां तेज होने की संभावना है। सूत्रों के अनुसार, इंडिया गठबंधन की ओर से प्रस्तावित मॉक पार्लियामेंट कार्यक्रम के दिन ही 'सिटिजंस फॉर डेमोक्रेसी' के बैनर तले भी एक अलग कार्यक्रम आयोजित करने की तैयारी है। आयोजकों के अनुसार, यह कार्यक्रम सुबह 10:30 बजे नई दिल्ली स्थित एनडीएमसी कन्वेंशन सेंटर में होगा। इसमें बड़ी संख्या में नागरिकों के शामिल होने की बात कही गई है।

सूत्रों के अनुसार, सड़क पर चल रही 'रेजीम चेंज', यानी सत्ता परिवर्तन की मांग और अराजकता के खिलाफ

■ सत्ता पक्ष की मॉक पार्लियामैंट का आयोजन सिटिज़ंस फॉर डैमोक्रैसी संगठन करवा रहा है। इसमें भाजपा का कोई नेता शामिल नहीं होगा, पर इसे भाजपा का पूर्ण समर्थन प्राप्त है।

देशभर के राष्ट्रवादी नागरिकों के बैनर तले यह कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस आयोजन का उद्देश्य विपक्ष की ओर से किए जा रहे राजनीतिक कार्यक्रम के समानांतर अपनी बात रखना बताया गया है।

जानकारी के अनुसार, इस कार्यक्रम में भाजपा का कोई नेता या सांसद प्रत्यक्ष रूप से शामिल नहीं होगा। इस तरह आयोजन को भाजपा के आधिकारिक राजनीतिक कार्यक्रम के बजाय, 'सिटिजंस फॉर डेमोक्रेसी' के बैनर तले नागरिकों की ओर से आयोजित कार्यक्रम के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है।

'मॉक पार्लियामेंट' यानी 'नकली संसद' एक ऐसा अभ्यास या प्रतीकात्मक आयोजन होता है, जिसमें वास्तविक संसद की कार्यवाही की तरह बहस, चर्चा, प्रस्ताव और सवाल-जवाब किए जाते हैं। इसमें प्रतिभागी, सांसदों की भूमिका निभाते हैं और किसी समसामयिक मुद्दे, सरकारी नीति या राजनीतिक विषय पर अपने विचार रखते हैं।

आसाराम के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

रिकॉर्ड के कारण आसाराम द्वारा कोर्ट में पेश की जाने वाली आगामी अर्जियों पर भी असर पड़ सकता है। उक्त धारा जेल से पैरोल पर छूटने के बाद फरार होने वाले या समय पर वापस न लौटने वाले बंदियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई और सख्त सजा सुनिश्चित करती है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा। आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- प्लाट नम्बर H1-4, इन्डस्ट्रीयल एरिया फैस प्रथम, जालौर, (राज.) फोन नम्बर 226422, 226423, जालौर। फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908